खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :→ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 30 अक्टूबर 2023 | वर्ष –67 | अंक –350 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ 70 घंटे काम की निष्ठुर.. ■ प्रयोग के लिए प्रयोग.. 04

■ चीन के इरादों पर पानी फेर देगा इजरायल... ■ हमास के हमले के बाद इजरायल ने चला ... 09

■ सेम की खेती के बारे में जानकारी, कैसे की... ■ शकरकंद की खेती, कब और कैसे करें 11

■ विश्व कप में पाकिस्तान.. ■ यह बांग्लादेश का सबसे.. 10

ICC CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

आज के मैच
अफगानिस्तान विरुद्ध श्रीलंका
समय - 2.00 दोपहर

सार संक्षेप

दिल्ली की हवा हुई और जहरीली

322 तक पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक

नई दिल्ली,(एजेंसियां)। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है, क्योंकि शहर का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रविवार सुबह 322 तक पहुंच गया। धीरपुर में पीएम 2.5 के साथ एक्यूआई 356 पर था, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था। हालांकि, पूसा में एक्यूआई ने पीएम 2.5 को 262 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया।

लोधी रोड पर, पीएम 2.5 सांद्रता के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' श्रेणी के तहत 276 पर था और पीएम 10 भी 'मध्यम' श्रेणी के तहत 187 पर था। सफर के पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार को शहर की हवा की गुणवत्ता और खराब होकर 'बहुत खराब' श्रेणी में आ जाएगी।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर
epaper.deshbandhump.com
वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

चूहा-सुनती हो-दिल्ली की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है।
चुहिया- हां प्रिये- जब चुनाव की हवा चल रही हो तो फैफड़ों को घायल करने वाली हवा की फिक्र कौन करे ?

केरल में प्रार्थना सभा के दौरान हुए धमाके, 2 मौतें 35 घायल

केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने की मुख्यमंत्री से बात, एनआईए करेगी जांच

तिरुवनंतपुरम। केरल के कालामस्सेरी में यहोवा के साक्षियों की प्रार्थना सभा के दौरान कई विस्फोट हुए। कलमास्सेरी के एक कन्वेंशन सेंटर में प्रार्थना सभा के दौरान सुबह हुए विस्फोटों में दो की मौत हो गई और 35 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

केरल सहित पूरे देश में सतर्कता

इस भयावह अप्रत्याशित घटना के बाद भारी अफरा–तफरी और हंगामें और दहशत की स्थिति बन गई तथा लोग जान बचाने इधर–उधर भागने लगे। जिस समय यह विस्फोट हुए उस समय घटना स्थल पर लगभग दो हजार लोग मौजूद थे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से बात की, स्थिति का जायजा लियो और केन्द्रीय एजेंसियों एनआईए तथा एनएसजी को जांच हेतु निर्देशित किया। इन दोनों एजेंसियों के साथ राज्य पुलिस और राज्य की अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी तेजी से जांच शुरु कर दी है। धमाके इतने तेज थे कि घटना स्थल पर बड़ी आग भड़क उठी।

श्रृंखलाबद्ध धमाकों का आरोपी खुद पहुंचा थाने, कहा- मैंने किये हैं धमाके

आतंकी घटना होने का अंदेशा, हमास से भी जोड़े जा रहे तार

वहीं नाटकीय घटनाक्रम में कुछ समय बाद इन श्रृंखलाबद्ध धमाकों का आरोपी डोमिनिक मार्टिन खुद ही थाने पहुंच गया। और पुलिस को बताया कि मैंने ही धमाके किये हैं। इस पूरे मामले को आतंकी घटना और हमास की संभावित करतूत से जोड़कर भी जांच की जा रही है। घटना के बाद केरल समीपी राज्यों, दिल्ली सहित पूरे देश में सतर्कता बढ़ा दी गई है। और हर संदिग्ध गतिविधि तथा व्यक्तियों पर पैनी निगाह रखने एजेंसियों को कहा गया है।

पहला विस्फोट सुबह 9 बजे हुआ –पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह केरल के कोच्चि के कलामासेरी इलाके में यहोवा के साक्षियों की प्रार्थना सभा में कई विस्फोट हुए। कलामासेरी सीआई विबिन दास ने कहा कि पहला विस्फोट सुबह 9 बजे के आसपास हुआ और उसके बाद अगले एक घंटे में कई विस्फोट हुए 27 अक्टूबर को शुरू हुई तीन दिवसीय बैठक का रविवार को आखिरी दिन था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से बात की और कन्वेंशन सेंटर में ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

भाजपा ने विदिशा से मुकेश टंडन, गुना से पन्नालाल को उतारा

विधायक जाटव का टिकट काटा

भोपाल, (देशबन्धु)। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन सोमवार के पहले आज, भारतीय जनता पार्टी ने विदिशा और गुना विधानसभा सीट के लिए अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी।

भाजपा ने विदिशा से मुकेश टंडन और गुना (अजा) से पन्नालाल शाक्य को उम्मीदवार बनाया गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने श्री टंडन को ही मैदान में उतारा था, लेकिन वे कांग्रेस के शशांक भार्गव से चुनाव हार गए थे। श्री टंडन का इस बार भी मुकाबला श्री भार्गव से ही होगा। कांग्रेस उनके नाम की पहले ही घोषणा कर चुकी है।वहीं गुना सीट से पार्टी ने पूर्व विधायक पन्नालाल शाक्य पर दांव खेला है। गुना से वर्तमान में भाजपा के गोपीलाल जाटव विधायक हैं। उनके स्थान पर इस बार श्री शाक्य पर भरोसा जताया गया है। श्री शाक्य का मुकाबला कांग्रेस के पंकज कनेरिया से होगा।

विश्वकप में अजेय भारत की छटवीं लगातार जीत

इंग्लैण्ड को 100 रन से हराया

रोहित ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किये 18 हजार रन

लखनऊ। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार छठी जीत हासिल की है। टीम ने इंग्लैंड को 100 रन से हराया।

टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को 20 साल बाद हराया है। टीम आखिरी बार 2003 में डरबन के मैदान पर 82 रन से जीती थी। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस हारकर बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 9 विकेट पर 229 रन बनाए।

230 रन का टारगेट चेज करने उतरी इंग्लैंड की टीम 34.5 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इंग्लिश बैटर भारतीय गेंदबाजी के सामने लड़खड़ाते नजर आए। मोहम्मद शमी ने 4 और जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। जबकि कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने 3 बैटर्स को पवेलियन भेजा।

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

शमी ने चटकाये चार विकेट

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री

त्योहारों में, 'वोकल फॉर लोकल' पर हो जोर

106वें एपिसोड में कहा, मेक इन इंडिया को बढ़ावा दें

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 106वें एपिसोड में वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ ही दिनों में दिवाली का त्योहार आने वाला है। मेरी देशवासियों से अपील है कि वो मेड इन इंडिया सामान ही खरीदें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन है। इस दिन गुजरात के केवड़िया में एक कार्यक्रम तो होगा ही। साथ ही दिल्ली में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत देशभर से इकट्ठा गई मिट्टी से अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। मोदी ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में गांधी जयंती के अवसर पर दिल्ली में खादी की रिकॉर्ड बिक्री हुई। यहां कनॉट प्लेस में, एक ही खादी स्टोर में, एक ही दिन में, डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा का सामान लोगों ने खरीदा। आपको एक और बात जानकार भी बहुत अच्छा लगेगा, दस साल पहले देश में जहां खादी प्रोडक्ट्स की बिक्री बड़ी मुश्किल से 30 हजार करोड़ रुपए से भी कम की थी, अब ये बढ़कर सवा लाख करोड़ रुपए के आसपास पहुंच रही है।

स्थानीय कलाकारों के उत्पादों को जरूर खरीदें

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं अपना एक और आग्रह आपके सामने दोहराना चाहता हूं और बहुत ही आग्रहपूर्वक दोहराना चाहता हूं। जब भी पर्यटन या तीर्थाटन पर जाएं तो वहां के स्थानीय कलाकारों द्वारा बनाए गए उत्पादों को जरूर खरीदें।

सभा से पहले खेत में पहुंच गये राहुल

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने दी 2 नई गारंटी

मजदूरों को हर साल मिलेंगे 10 हजार, स्वास्थ्य बीमा 5 से बढ़कर 10 लाख होगा : राहुल

राजनांदगांव, (देशबन्धु)। राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर मोदी सरकार को फिर घेरते हुए कहा कि सभी वर्गों की हर क्षेत्र में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जातियों की आबादी जानना जरूरी हैं। श्री गांधी ने आज यहां एक बड़ी चुनावी सभा में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य बीमा की राशि को पांच लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने तथा भूमिहीन श्रमिकों को प्रति वर्ष सात हजार से बढ़ाकर न्याय योजना के तहत 10 हजार रुपए देने का वादा करते हुए कहा कि देश में जाति की हम बात करते हैं लेकिन कोई नही जानता कि कौन सी जाति की कितनी आबादी है। हम अगर सभी की भागीदारी की बात करते हैं तो यह जानना पड़ेगा कि किसकी कितनी आबादी है।

वहीं दूसरी ओर राजनांदगांव और कवर्धा में चुनावी रैली से पहले राहुल आज नवा रायपुर के पास कटिया गांव में खेत में जा पहुंचे। खेत में जाकर राहुल ने उस समय सभी को हैरान कर दिया, जब उन्होंने श्रमिकों के साथ धान कटाई में सहयोग किया।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में बड़ा ट्रेन हादसा, 2 यात्री ट्रेनों में टक्कर, 6 की मौत, 20 से ज्यादा जख्मी

सहायता ट्रेनें पहुंचीं, घायलों को अस्पताल भेजा

अमरावती। आंध्रप्रदेश के विजयनगरम जिले के कोठावलासा मंडल के अलमांडा–कंथकपल्ली में एक बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। विशाखापत्तनम–रायगढ़ पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। ओवरहेड केबल कट जाने से रायगढ़ पैसेंजर ट्रेन ट्रैक पर खड़ी हो गई। हालांकि उसी समय आई पलासा एक्सप्रेस ने रायगढ़ ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी।

नतीजा ये हुआ कि रायगढ़ पैसेंजर ट्रेन की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। इस हादसे में जहां 20 से ज्यादा यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि सूचना मिलने के बाद अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत–बचाव शुरू किए। इस दौरान घटना स्थल पर बिजली की कमी के कारण बचाव कार्य में भारी दिक्कत रही। वहीं चूंकि बोगियों में यात्रियों की संख्या अधिक है। माना जा रहा है कि उनमें से कई गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाने की कोशिश जारी रही ।

हादसे में 3 कोच क्षतिग्रस्त हुए हैं। हादसे में 10 यात्री घायल हो गए। बचाव अभियान जारी रहा। सहायता और एम्बुलेंस के लिए स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ को भी बुलाया गया। साथ ही दुर्घटना राहत ट्रेनें भी घटनास्थल पर पहुंचीं हैं घायलों को विजयनगरम सरकारी अस्पताल और विशाखापत्तनम केजीएच में भेजा रहा है।

मंडल रेलवे प्रबंधन ने बताया कि बचाव अभियान और रेलवे अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का आकलन किया। घायलों और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

आंकड़े मणिपुर में जातीय संघर्ष के छह महीने बाद भी

लूटे गए हथियारों में केवल 25 प्रतिशत ही हो सके बरामद

इंफाल। मणिपुर में हिंसा के लगभग छह महीने बाद लूटे गए हथियारों में से राज्य सरकार केवल एक–चौथाई (25 प्रतिशत) ही बरामद कर पाई है। वहीं पांच प्रतिशत से भी कम गोला–बारुद को बरामद कर सकी है। यह जानकारी इंडियन एक्सप्रेस को सूत्रों के हवाले से पता चली है। सूत्रों के अनुसार, लूटे गए लगभग 5,600 हथियारों में से करीब 1,500 बरामद कर लिए गए हैं, और गायब हुए लगभग 6.5 लाख राउंड गोला–बारूद में से लगभग 20,000 अब तक पुलिस के पास वापस आ गए हैं। ऐसा तब है, जब सूबे के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह बार–बार अवैध हथियारों के साथ पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कह रहे हैं।

80 प्रतिशत हथियार तीन जिलों से लूटे गए

राज्य सरकार ने मई की शुरुआत से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के मद्देनजर पुलिस और राज्य के शस्त्रागारों से चुराए गए हथियारों और गोला–बारूद की बरामदगी पर सितंबर में एक स्थिति रिपोर्ट जारी की थी। लूटे गए हथियारों में से लगभग 80 प्रतिशत हथियार तीन जिलों – इंफाल पूर्व, चुराचांदपुर और बिष्णुपुर में स्थित पुलिस और राज्य शस्त्रागार से थे। इन तीन जिलों के बीच, इंफाल पूर्व 3,500 से अधिक चोरी हुए हथियारों (कुल 5,600 में से) और लगभग 4 लाख लूटे गए गोला–बारूद (लगभग 6.5 लाख में से) के साथ सबसे आगे है।

केवल 5 प्रतिशत गोलाबारुद पकड़ा जा सका

मणिपुर राइफल्स की 7वीं बटालियन, 8वीं इंडिया रिजर्व बटालियन (दोनों खाबेइसोई गांव में) और मणिपुर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पांगेई गांव में) के परिसर इंफाल पूर्वी जिले में स्थित हैं। बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों के शस्त्रागारों से लगभग 1,000 हथियार (5,600 में से) चोरी हुए। यह देखते हुए कि लूटे गए अधिकांश हथियार इम्फाल पूर्व से हैं, अनुमानत: अब तक बरामद किए गए अधिकांश हथियार भी इम्फाल पूर्व जिले (650 से अधिक) से हैं।

सूत्रों के मुताबिक, हथियार और गोला–बारूद की लूट ज्यादातर मई में हुई जब हिंसा चरम पर थी। एक सूत्र ने कहा, कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर, मई के बाद कोई लूटपाट नहीं हुई। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

कजाखस्तान में 30 अक्तूबर से 11 नवंबर तक संयुक्त सैन्य अभ्यास, भारतीय सुरक्षा बल दिखाएंगे दमखम

नई दिल्ली। कजाखस्तान में 'काजिंद' सैन्य अभ्यास का 7वां संस्करण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भारतीय सेना के सुरक्षा बल प्रतिभाग करेंगे। यह अभ्यास 30 अक्तूबर से 11 नवंबर तक ओटारा में चलेगा। भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के 120 कर्मियों की टुकड़ी इसमें शामिल होगी। भारतीय सेना के दल में डोगरा रेजिमेंट की एक बटालियन के नेतृत्व में 90 कर्मी शामिल हैं। कजाखस्तान दल का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से कजाख ग्राउंड फोर्सेज के दक्षिण क्षेत्रीय कमान के कर्मियों द्वारा किया जाता है। अभ्यास के वर्तमान संस्करण में सेना की टुकड़ियों के साथ दोनों पक्षों से वायु सेना के 30 कर्मी भी भाग लेंगे। 'काजिंद अभ्यास' भारतीय सेना एवं कजाखस्तान सेना के बीच रक्षा सहयोग के स्तर को बढ़ाएगा।

श्रीनगर में आतंकी हमला, पुलिस इंस्पेक्टर शहीद

आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

श्रीनगर, (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में रविवार को ईदगाह इलाके में आतंकी हमले में एक पुलिस इंस्पेक्टर शहीद हो गया। उनकी पहचान मसरूर अली वानी के रूप में हुई है। मसरूर येचिपोरा ईदगाह इलाके के रहने वाले थे। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है।

हमला उस समय हुआ, जब मसरूर वानी स्थानीय लड़कों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी। मसरूर को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हमले के बाद से ईदगाह इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उधर, कुपवाड़ा जिले में सेना ने आतंकियों के घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। इस दौरान एक आतंकी को मार गिराया। फिलहाल अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

पिछले महीने भी 3 अफसर, 2 जवान शहीद हुए थे-जम्मू-कश्मीर में 13 सितंबर को आतंकियों के साथ दो मुठभेड़ों में 3 अफसर और दो जवान शहीद हो गए थे। शहीद अफसरों में सेना के एक कर्नल,

एक मेजर और पुलिस के एक डीएसपी शामिल थे। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर उस वक्त गोली चला दी, जब वे सर्च ऑपरेशन चला रहे थे।

सूझबूझ से 48 यात्रियों की जान का खतरा बचा गया बस चालक

दिल का दौरा पड़ते ही दीवार से सटाकर रोक दी बस

कंधमाल। ओडिशा में रात भर के लिए बस चला रहे ड्राइवर की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भुवनेश्वर जा रही बस में 48 यात्री सवार थे। लेकिन, मरने से पहले ड्राइवर ने सूझबूझ से 48 यात्रियों की जान बचा ली। जब तक बस रुकी, यात्री कुछ समझ पाते, ड्राइवर की मौत हो चुकी थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भुवनेश्वर जा रही एक बस के 48 यात्री बाल-बाल बच गए। उनकी बस के ड्राइवर को दिल का दौरा पड़ा लेकिन, उसने अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल किया और गाड़ी को एक दीवार से सटाकर रोक दिया, यह घटना शुक्रवार रात कंधमाल जिले के पाबुरिया गांव के पास हुई। पुलिस अधिकारी कल्याणमयी सेंधा के मुताबिक बस के चालक की पहचान सना प्रधान के रूप में हुई है, जिसे गाड़ी चलाते समय सीने में दर्द होने लगा और उसने स्टीयरिंग से नियंत्रण खो दिया।

उसे एहसास हुआ कि वह आगे गाड़ी नहीं चला पाएगा। इसलिए उसने वाहन को सड़क के किनारे की दीवार से सटा दिया, उन्होंने कहा, प्राइवेट बस मां लक्ष्मी, आमतौर पर कंधमाल के सारंगढ़ से जी उदयगिरि के रास्ते भुवनेश्वर तक हर रात चलती है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद ड्राइवर को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां डॉक्टरों ने हृदय गति रुकने से उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इजराइल-हमास संघर्ष : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुलाई आपातकालीन बैठक

इजरायल ने गाजा पर हवाई हमले तेज किए

गजा, (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने परिषद में अरब प्रतिनिधि संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर सोमवार दोपहर को एक आपातकालीन बैठक बुलाई है. एपी के अनुसार यह बैठक सोमवार दोपहर को गाजा पर इजरायल के जमीनी हमले को लेकर है।

अस्पताल के आसपास की बमबारी - इजरायल ने गाजा पर हवाई हमले और टैंक गोले तेज कर दिए. अलजजीरा के मुताबिक वहां के अस्पताल के आसपास तेज बमबारी हो रही थी। अस्पताल पर सीधा हमला नहीं हुआ, लेकिन उसके आसपास के इलाकों को निशाना बनाया गया।

वेस्ट बैंक से 23 संदिग्ध गिरफ्तार- इजरायली सेना ने कहा कि कब्जे वाले वेस्ट बैंक से रात भर में कम से कम 23 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें चार हमास लड़ाके भी शामिल हैं। अलजजीरा के मुताबिक युद्ध शुरू होने के बाद से कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 700 हमास लड़ाकों सहित 1,030 से अधिक फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया था।

गाजा में मरने वालों की संख्या 7,950 हुई- इजरायली हमले में गाजा पट्टी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7,960 हो गई है। रामल्ला में फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को हमास-नियंत्रित क्षेत्र के स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि 7 अक्टूबर से इस क्षेत्र पर इजरायली हमले हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप 20 हजार से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

नेतन्याहू ने खुफिया प्रमुखों की खोली पोल

हमास हमले के बारे में नहीं दी गई थी चेतावनी

तेलअवीव। इजरायल और हमास के बीच सात अक्टूबर के बाद से जंग जारी है। इजरायल ने पलटवार करते हुए गाजा पट्टी में जमकर बमबाजी की है। हालांकि, इस दौरान इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और वहां की खुफिया एजेंसी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। नेतन्याहू ने रविवार को अपने खुफिया प्रमुखों की पोल खोलते हुए कहा है कि उन्होंने उन्हें कभी चेतावनी नहीं दी कि हमास 7 अक्टूबर को व्यापक पैमाने पर हमले की योजना बना रहा है और युद्ध मंत्रिमंडल के भीतर राजनीतिक उथल-पुथल और दरार पैदा कर रहा है।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पहले यह पोस्ट सोशल मीडिया साइट एक्स पर की, लेकिन बाद में इसे डिलीट कर दिया। इजरायली शीर्ष अधिकारियों - सेना के प्रमुखों, घरेलू जासूसी सेवा से लेकर उनके वित्त मंत्री तक - सभी ने सात अक्टूबर के हमले को लेकर अपनी विफलताओं को स्वीकार किया है, लेकिन नेतन्याहू ने अब तक ऐसा नहीं किया। उन्होंने केवल इतना कहा है कि युद्ध के बाद कठिन प्रश्न पूछने का समय होगा। पत्रकारों के साथ ब्रीफिंग के दौरान नेतन्याहू की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर इजरायल के सैन्य प्रवक्ता ने जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हम अब युद्ध में हैं, युद्ध पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

नेतन्याहू की पोस्ट में कहा गया था, किसी भी समय और किसी भी मंच पर हमास के युद्ध के इरादों के बारे में प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चेतावनी नहीं दी गई थी। इसके विपरीत, सेना के खुफिया प्रमुख और शिन बेट के प्रमुख सहित सभी सुरक्षा अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि हमास भयभीत था और एक व्यवस्था में रुचि रखता था। इस टिप्पणी की तुरंत वर्तमान और पूर्व सहयोगियों ने निंदा की, जिसमें पूर्व रक्षा मंत्री बेनी गैंज भी शामिल थे, जो अब नेतन्याहू के युद्ध मंत्रिमंडल में हैं। गैंज ने एक्स ने कहा कि नेतन्याहू को अपनी बात वापस लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम युद्ध में होते हैं, तो नेतृत्व को जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, सही काम करने का निर्णय लेना चाहिए और बलों को इस तरह से मजबूत करना चाहिए कि वे हमारी मांगों को पूरा कर सकें।

इसके अलावा, नेतन्याहू के रक्षा मंत्री रहे एविग्डोर लिबरमैन ने कहा, मैंने रात में उनका अकाउंट देखा, जो केवल एक ही बात की ओर इशारा करता है- उन्हें सुरक्षा में कोई दिलचस्पी नहीं है, उन्हें बंधकों में कोई दिलचस्पी नहीं है, केवल राजनीति में है। पिछली नेतन्याहू सरकारों के तहत मोसाद जासूसी एजेंसी का नेतृत्व करने वाले योसी कोहेन ने इजरायली रेडियो से कहा, आप अपनी नौकरी की शुरुआत से जिम्मेदारी लेते हैं, बीच से नहीं। हमास के आतंकियों ने इजरायल पर सात अक्टूबर को अचानक हमला बोल दिया था। समुद्र, जमीन आदि से किए गए इन हमलों में 1400 इजरायली लोगों की जान चली गई थी।

सदमे में बच्चे, पत्नी बीमार, कतर में मौत की सजा से पूर्व नेवी अफसर के परिवार का बुरा हाल

केंद्र सरकार से है परिवार को उम्मीद

नई दिल्ली। दो दिन पहले भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को कतर की अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने कहा था कि वह इस फैसले से बेहद हैरान है और इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। ये सभी आठ भारतीय नागरिक अल दाहरा कंपनी के कर्मचारी हैं जिन्हें पिछले साल जासूसी के कथित मामले में हिरासत में ले लिया गया था। अब भारत में इन कर्मियों के परिवार बेहद चिंतित और परेशान हैं। विशाखापत्तनम के पूर्व नौसेना अधिकारी पी सुगुनाकर के परिवार के सदस्यों ने कहा कि कतर की एक अदालत द्वारा उन्हें और सात अन्य पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद वे हैरान और परेशान थे।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सुगुनाकर के बहनोई के कल्याण चक्रवर्ती ने कहा, हम सभी संकट में हैं, और इस खबर से टूट गए हैं। उनकी पत्नी वैजयंती और उनके बेटे और बेटी सदमे में हैं और बीमार हैं। वे डर में जी रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि क्या करना है। सबसे बुरी बात यह है कि वे नहीं जानते कि उन्होंने खता क्या की है। आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों पर लगे आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। चक्रवर्ती ने कहा, परिवार केंद्र (सरकार) से कतर के साथ इस मुद्दे को उठाने और उसकी और अन्य लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह कर रहा है।

अपनी गिरफ्तारी से पहले, सुगुनाकर रोजाना अपने परिवार को फोन करते थे। चक्रवर्ती ने कहा, अचानक, हमें पता चला कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है, और जुलाई 2022 से (अब से लगभग 15 महीने) उनसे कोई संपर्क नहीं हुआ है। यह उनकी पत्नी और दो बच्चों के लिए नरक जैसा है, जिन्हें उनके बारे में कुछ भी नहीं पता है। उन्होंने कहा, क्या चल रहा है, इसकी जानकारी लेने के लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं। एक अन्य पूर्व नौसेना अधिकारी और सुगुनाकर के मित्र ने कहा कि वह विशाखापत्तनम में रक्षा कर्मियों के बीच अच्छी तरह से जाने जाते हैं और अत्यधिक सम्मानित हैं। मित्र ने कहा कि सुगुनाकर ने आईएनएस तरंगिनी सेल जहाज पर सवार होकर भूमध्य रेखा को दो बार पार किया।

हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के लिए भी किया था काम- उनके परिवार ने कहा कि सुगुनाकर के माता-पिता, दोनों शिक्षकों थे। सुगुनाकर 18 साल की उम्र के तुरंत बाद नौसेना में शामिल हो गए और नौसेना इंजीनियरिंग कोर में काम किया।

उन्होंने नेवल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से बीटेक (मैकेनिकल) की उपाधि प्राप्त की, और डिफेंस सर्विसेज कॉलेज, वेलिंगटन से रक्षा और रणनीतिक अध्ययन में एमएससी भी की। उनके परिवार के अनुसार, वह नवंबर 2013 में रिटायर हुए और दोहा स्थित अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज में शामिल होने से पहले कुछ महीनों तक हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के लिए काम किया।

उन्हें घर लाने के प्रयास में परिवार ने शुक्रवार को विशाखापत्तनम में भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव से भी मुलाकात की। नरसिम्हा राव ने कहा, मैं परिवार के संपर्क में हूं और अपडेट दे रहा हूं। मैंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और कतर में भारतीय राजदूत से भी बात की है। भारत सरकार परिवार को पूरी सहायता प्रदान करेगी।

विभिन्न विकल्पों पर काम कर रहा है भारत?-

इस बीच भारत फैसले के खिलाफ अदालत में अपील करने समेत विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहा है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मुद्दे का समाधान खोजने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पता चला है कि भारत को कतर की अदालत के फैसले की प्रति अभी तक नहीं मिली है। अदालत के फैसले पर कतर की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। मामले से वाकिफ लोगों ने कहा कि फैसले की गहन जांच के बाद नयी दिल्ली अपने विकल्पों पर आगे बढ़ेगी। सूत्रों ने बताया कि भारत मामले को कूटनीतिक या राजनीतिक तौर पर भी सुलझाने पर विचार कर सकता है। भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को कतर की अदालत की ओर से बृहस्पतिवार को मौत की सजा सुनाए जाने पर भारत ने कहा था कि वह इस फैसले से बेहद हैरान है और इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

लूटे गये हथयारों.... लूटपाट की घटनाओं के बाद से राज्य सरकार ने सभी शस्त्रागारों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया है। सूत्र ने कहा, महत्वपूर्ण और तनावपूर्ण क्षेत्रों में स्थित शस्त्रागारों में जहां सीआरपीएफ कर्मियों को तैनात करना संभव नहीं था, वहां से हथियार पूरी तरह से हटा दिए गए हैं। मणिपुर में हाई कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार को संघ को एक सिफारिश प्रस्तुत करने का निर्देश देने के बाद मणिपुर के ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शन के बाद चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों की सीमा पर क्षेत्र में पहली बार 3 मई को झड़पें हुईं।

केरल में प्रार्थना.... हुए बम विस्फोटों के बाद राज्य की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने एनआईए और एनएसजी को भी मौके पर पहुंचकर घटना की जांच करने का निर्देश दिया। वहीं, दूसरी ओर केरल के एलओपी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वीडी सतीसन ने कहा, पता चला है कि दो धमाके हुए और आग लग गई। पहला बड़ा धमाका था। दूसरा छोटा था। सीएम विजयन ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं।

रैली में हमास नेता के संबोधन के एक दिन बाद हुए धमाके -यह घटना आतंकवादी समूह हमास के पूर्व प्रमुख खालिद मशाल द्वारा केरल की एक रैली को ऑनलाइन संबोधित करने के बाद हुई है। सोशल मीडिया पर खालिद द्वारा लोगों को भड़काने के भी दावे किए गए। फलस्तीन के स्पोर्ट में हुए इस विरोध प्रदर्शन में हमास नेता की भागीदारी पर भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत की आतंकवादी सूची में हमास का नाम जोड़ा जाए।

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आया भारत- इंग्लैंड को 100 रन से हराकर भारत पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया। टीम सभी 6 मुकाबले जीतकर 12 अंकों के साथ नंबर-1 पर है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम 10वें नंबर पर ही है। टीम को 6 में से एक ही मुकाबले में जीत मिली है।

230 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम की शुरुआत अच्छी रही। 4 ओवर में टीम ने 26 रन बना लिए थे, मोहम्मद सिराज के 2 ओवर में तो 18 रन बन गए। लेकिन 5वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने लगातार गेंदों पर डेविड मलान और जो रूट के विकेट लेकर भारत को ब्रेक-थ्रू दिलाया।

उधर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा विश्व कप 2023 में प्रचंड फॉर्म से गुजर रहे हैं। रोहित शर्मा ने रविवार को खेले जा रहे इंडिया वर्सेस इंग्लैंड मुकाबले के दौरान अंतरराष्ट्रीय कि केट में 18000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बना लिया। बता दें कि इससे पहले भारत के सिर्फ 4 बल्लेबाज ऐसा कारनामा कर चुके हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ के इकाना स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा ने शानदार शुरुआत दी।

इस दौरान रोहित शर्मा ने अपनी पारी में 10 चौके और 3 छक्के मारे हैं। रोहित शर्मा से पहले भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और सौरभ गांगुली ने यह कारनामा किया है। रोहित शर्मा ने 457 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 18000 रन का यह आंकड़ा छुआ है।

जंग के बीच मानवीय सुरक्षा का संकट गहराया... मिस्र के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से बात कर जताई चिंता

नई दिल्ली। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बात की। इस दौरान दोनों दिग्गज नेताओं ने गाजा पट्टी में इजरायली सैन्य अभियानों के घटनाक्रम पर अपने-अपने विचार रखें। एजेंसी भाषा के मुताबिक, मिस्र द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने नागरिकों के जीवन पर युद्ध के भयानक प्रभाव और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा पर खतरे को देखते हुए मौजूदा तनाव के जारी रहने की गंभीरता पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति अल-सिसी ने बताया कि उनके पास प्रधानमंत्री मोदी का फोन आया जिसके बाद दोनों नेताओं ने गाजा पट्टी में इजरायली सैन्य अभियानों के नए प्रयासों को लेकर नए विचार साझा किए।

नए प्रयासों पर किए विचार साझा

राष्ट्रपति पद के प्रवक्ता काउंसलर अहमद फहमी ने कहा कि राष्ट्रपति अल-सिसी ने इस बात की पुष्टि की है कि मिस्र संघर्ष विराम तक पहुंचने के लिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों एवं आपसी समझ के लिए सभी प्रयास आगे बढ़ा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने गाजा पट्टी में जमीनी हमले के गंभीर मानवीय और सुरक्षा परिणामों को लेकर आगाह किया है। उन्होंने राजनयिक स्तर पर तत्काल समाधान खोजने के लिए एकीकृत अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की जरूरत है। अतः इसके लिए सभी लोगों को एक साथ आगे आना होगा। इस संबंध में बीते कल संयुक्त राष्ट्र महासभा में सीजफायर से संबंधित प्रस्ताव पास हुआ। इसमें गाजा पट्टी को मानवीय सहायता प्रदान कराने का प्रावधान है।

राष्ट्रपति अल-सिसी और प्रधान मंत्री मोदी ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी के उत्कृष्ट स्तर पर राहत व्यक्त की। मिस्र के बयान में कहा गया है कि मिस्र और भारत के बीच संयुक्त सहयोग को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों के संस्थानों का नेतृत्व जारी रखने के अपने दृढ़ संकल्प पर जोर दिया।

मुझे छर्रे लगे, सौभाग्य से बच्चे बच गए, महिला ने पाकिस्तान की गोलीबारी के खौफनाक मंजर को किया बयां

जम्मू-कश्मीर। एक महिला ने जम्मू-कश्मीर में भारतीय गांवों पर पाकिस्तानी गोलीबारी के खौफनाक मंजर को बयां किया और कहा कि उन्हें इस बात को लेकर राहत है कि गोलीबारी में उनके बच्चे बच गये। रजनी देवी ने कहा,मैं अपने बच्चों को खाना खिला रही थी, तभी एक मोर्टार गोला तेज आवाज के साथ फट गया। मुझे छर्रे लगे, लेकिन सौभाग्य से मेरे बच्चे सुरक्षित बच गए। पाकिस्तानी रेंजर्स ने आर एस पुरा सेक्टर के अरनिया इलाके में बृहस्पतिवार रात लगभग आठ बजे गोलीबारी शुरू की थी और यह लगभग सात घंटे तक चली थी जिसमें 38 वर्षीय देवी और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान घायल हो गया था। यह लगभग पांच साल में अरनिया में पाकिस्तान द्वारा किया गया संघर्ष विराम का सबसे बड़ा उल्लंघन था।

काशीपुर की रहने वाली देवी के दाहिने हाथ में चोट लग गई और उनका जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज जारी है। देवी ने एक निजी एजेंसी से कहा, मैं अपने बच्चों को खाना खिला रही थी तभी एक गोला तेज आवाज के साथ फट गया। मुझे छर्रे लगे लेकिन सौभाग्य से मेरे बच्चे सुरक्षित बच गए। उन्होंने कहा कि बच्चे विस्फोट से डर गये थे। उन्होंने कहा, मेरे आठ वर्षीय बड़े बेटे को मेरे भाई के घर छोड़ दिया गया था। मेरा छोटा बेटा डेढ़ साल का है और मुझसे बहुत अधिक जुड़ा हुआ है और जाने को तैयार नहीं है। दरअसल, घटना वाले दिन से ही उन्हें बुखार आ रहा है। देवी ने बताया कि उनके पति और सास अस्पताल में उनकी देखभाल कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही घर लौट आएंगी।

उन्होंने कहा, हमने लगभग पांच साल के बाद अपने गांव में पाकिस्तानी गोलाबारी का सामना किया, जिससे स्थानीय लोगों में डर पैदा हो गया। मेरे नाबालिग बच्चे हैं और मैं उनकी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हूं। देवी की सास रानी ने कहा कि पाकिस्तान ने छोटे हथियारों से गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन शुरू किया और बाद में मोर्टार से गांव पर हमला करना शुरू कर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनी सिंह ने कहा कि महिला और बीएसएफ जवान की हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1090/ अ-6/2023-24

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुधीर कुमार छिब्बर पिता स्व. ओ.पी. छिब्बर निवासी- 2936 ग्वारीघाट रोड जबलपुर गिरिराज कपूर वार्ड के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 12/11/08 के माध्यम से मौजा रामपुर प.ह.नं. 24/2 खसरा नं. 70 में से नं.बं. 1 प्लाट नं. 157 रकबा 6092 वर्गफुट विक्रेता म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र/वसीयतनामा/हकत्याग पत्र/दानपत्र/ फौती एवं एवं नक्शा बटांक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 03/11/2023 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 20/10/2023 को जारी।

जारी दिनांक 20/10/2023

पेशी दिनांक 03/11/2023

नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

र.नं. 1480

मणिपुर से असम लाई गई 5 करोड़ की ड्रग्स जब्त

गुवाहाटी। असम पुलिस ने कार्बी आंगलोंग जिले में एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए 5 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। वहीं, ड्रग तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस के मुताबिक ड्रग्स की खेप मणिपुर से आ रही थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने एक सूचना मिलने के बाद लाहौरिजन चौकी क्षेत्र के पास एक कार को रोका।

देश-प्रदेश

उवाच

राजस्थान की तर्ज में मध्यप्रदेश में भी पड़ेंगे छापे : दिग्विजय

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ने दावा किया कि राजस्थान की तरह मध्यप्रदेश में भी अगले 4 दिनों में केंद्रीय एजेंसियां छापेमारी करेंगी। भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी पीसी शर्मा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए श्री सिंह ने कहा, एक तरफ वे भाजपा अधिकारियों को डरा रहे हैं, दूसरी तरफ, वे राजस्थान की तरह मध्य प्रदेश में भी छापेमारी करने जा रहे हैं. अगर ऐसा हुआ तो आपको पता चल जाएगा कि दिग्विजय सिंह को सारी जानकारी कहां से मिलती है। श्री सिंह ने यह भी कहा, अगले चार दिनों में इसे स्वयं देख लें।

सार-समाचार

खड़गे ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तंज किया। खड़गे ने अपने एक्स अकाउंट पर एक कार्टून शेयर करते हुए हिंदी में लिखा, 'पिछले 9.5 सालों से बीजेपी बढ़ती महंगाई और ऊंची कीमतों के खिलाफ जनता के आक्रोश का मजाक उड़ा रही है, हर बार महंगाई के मुद्दे पर मोदी सरकार ने लोगों का मजाक उड़ाया है।' महंगाई दिखाई नहीं देती, मैं प्याज नहीं खाता, हम दूसरे देशों से बेहतर हैं।'

एक नवंबर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामलों की होगी ई-फाइलिंग

प्रयागराज, एजेंसी। अब किसी भी जिले से बैठकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में ऑनलाइन मुकदमे की ई-फाइलिंग की जा सकेगी। यह सुविधा मेरठ से शुरू होगी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने प्रशासनिक पक्ष से एक अधिसूचना के माध्यम से सभी जिला न्यायाधीशों को अपने-अपने जिलों में ई-सेवा केंद्र उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए हैं ताकि कोई भी वकील/वादी उस सुविधा से अपना मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय या उसकी लखनऊ पीठ में दाखिल कर सके।

डेंगू की चपेट में आए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को डेंगू हो गया है और चिकित्सकों ने उन्हें अगले कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से कुछ राजनीतिक और आधिकारिक कार्यक्रमों में पवार के नजर नहीं आने के बाद तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि पवार को डेंगू हो गया है।

श्रीलंका ने 37 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

रामनाथपुरम/तमिलनाडु, एजेंसी। श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) का उल्लंघन करने और गैरकानूनी तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 37 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया तथा पांच मछली पकड़ने वाले नावों को जब्त कर लिया। श्रीलंकाई नौसेना ने शनिवार और रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में इन भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने रविवार सुबह यहां कहा कि गिरफ्तार मछुआरे रामनाथपुरम जिले के थंगाचिमादम और रामेश्वरम के रहने वाले हैं। इस बीच, श्रीलंकाई नौसेना ने दावा किया कि उसने शनिवार की शाम और रविवार की सुबह श्रीलंकाई जलक्षेत्र से भारतीय शिकार करने वाले ट्रॉलरों को खदेड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया था। पकड़े गए मछुआरों और अवैध शिकार करने वाले ट्रॉलरों को तलाईमन्नार पियर और कंकासंथुरई हार्बर ले जाया गया और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मत्स्य अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।

शिवराज ने बुधनी क्षेत्र में किया रोड शो, सभाओं में बोले-

कमलनाथ अरबपति उद्योगपति सेठ हैं, राजनीति उनके लिए रोजगार है

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र बुधनी के रेहटीनगर, सतनारा, भैरूंदानगर और गोपालपुर में रोड शो कर जनसभाओं को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कमलनाथ जी भी कुछ भी कहते रहते हैं। कहते हैं, हमारे लिए राजनीति कोई रोजगार का माध्यम थोड़ी है। राजनीति हमारा धंधा नहीं है। हम रोजगार के लिए राजनीति नहीं करते हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि, कमलनाथ जी रोजगार के लिए राजनीति आप करते होंगे। आप उद्योग जगत से आते हैं, आप अरबपति हैं, आप सेठ हैं। आपका काम करने का स्टाइल अलग है। जनता से आपको कोई लेना-देना नहीं है। आप कभी गाँव में नहीं गए। गाँव की गलियां, खेत, खेत की पगडंडियां इन सबसे आपका कोई वास्ता नहीं है। प्राकृतिक आपदा भी आती है, तो कहते हैं मैं वहां नहीं जाता और मैं अगर जाता था तो कहते थे ये ओला टूरिज़्म कर रहें हैं। राजनीति रोजगार का माध्यम, आपके लिए होगी। भारतीय जनता पार्टी के लिए ये सेवा का साधन है, हम सेवा के लिए राजनीति करते हैं। यह एक अजूबा है कि, कई नेताओं से लोग पैसा मांगते हैं, लेकिन शिवराज सिंह को लोग पैसे दे रहें है कि, तुम चुनाव लड़ों। ये मेरी जनता का असीम प्रेम है। मैं सरकार नहीं परिवार चलाता हूं। यह परिवार की सरकार है और परिवार की सरकार का मतलब है परिवार की पूरी व्यवस्था।

प्रियंका गांधी ने सौ झूठ में एक सच बोला

श्री चौहान ने प्रियंका गांधी के मध्यप्रदेश दौरे को लेकर कहा कि, प्रियंका जी मध्यप्रदेश आकर लगातार झूठ बोल रही थी, लेकिन 100 झूठों में एक सच बोला कि, उनके स्वर्गीय पिताजी ने भी अमेठी का विकास नहीं किया। कांग्रेस का विश्वास विकास में नहीं है। जब श्रीमान बंटाधार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब मध्यप्रदेश को उन्होंने तबाह और बर्बाद कर दिया था। ना बिजली थी ना सड़कें थी ना पानी था। चारों तरफ केवल हाहाकार था। तो प्रियंका जी ने ये तो स्वीकार कर लिया कि, कांग्रेस विकास नहीं करती। विकास केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही करती है।

कांग्रेस काल में बुधनी को सौतेली नजरों से देखा गया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, कांग्रेस के जमाने में बुधनी को सौतेली नज़रों से देखा गया। कांग्रेस ने कभी यहां विकास के नाम का एक पत्थर तक नहीं लगाया था। काकर्दा, बोगदा, बरखेड़ा होते हुए रतनपुर से जाजनामट्ठा गाँव का रोड एक जमाना था जब उसे काला पानी कहा जाता था। इतनी धूल जमती थी लोग कहते थे ये तो काला पानी है। सवा साल में भी एक भी काम नहीं हुआ, लेकिन अब आपका आशिर्वाद मिल रहा है। सड़कों का जाल पूरे क्षेत्र में बिछा है। यहां सीएम राइज़ स्कूल, आईटीआई, कॉलेज, नर्मदा जी का पानी, जो कुछ दिया वो केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने ही दिया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, स्कूटी वाली बेटी, लैपटॉप वाली बेटी और लाड़ली लक्ष्मी बेटियां आज स्नेह देने आई थी। हर गली, हर दुकान और हर घर से मेरा स्वागत हुआ। आपने फूलों की वर्षा कर मेरा स्वागत सत्कार किया। मैं आपके पैरों में कभी काटे नहीं चुभने दूंगा। ये वही माटी है जहां से मुझे बहुत प्यार मिला है।

रायसेन और कुरवाई की सभाओं में कमलनाथ ने कहा-

युवाओं को रोजगार चाहिए तो भाजपा नेताओं को बेरोजगार करना होगा

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आज रायसेन और कुरवाई में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार चाहिए तो भाजपा को बेरोजगार करना होगा।

भाजपा की 18 साल की सरकार ने मध्य प्रदेश को चौपट प्रदेश बना दिया है। इस सरकार ने युवाओं के भविष्य और किसानों की खुशहाली पर ताला लगा रखा है। अब आपको यह ताला 17 तारीख़ को कांग्रेस को वोट देकर खोलना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस, पैसा और प्रशासन की दम पर ये 18 साल से सरकार चला रहे है। शिवराज सिंह चौहान को चुनाव के समय पर नौजवान याद आ रहे है, बहने याद आ रही है, कर्मचारी याद आ रहे हैं। मैं नौजवानों से कहना चाहता हूं कि आप इनकी झूठी घोषणाओं को जरूर याद रखिएगा। कमलनाथ ने कहा कि मैं आपसे बस इतना ही कहना चाहता हूं कि चुनाव के लिए 20 दिन बचे हैं और आपको इन 20 दिनों में चिंतन करने की आवश्यकता है, आपको तय करना है कि आप आगे आने वाली पीढ़ी को किस तरह का प्रदेश देना चाहते हैं। श्री कमलनाथ ने कहा कि ज़ब आप वोट देने जाए तो हमारे वचनपत्र को जरूर ध्यान में रखे और प्रदेश की आज की तस्वीर भी सामने रखें। कांग्रेस की सरकार आने पर हम किसानों नौजवानों और महिलाओं के लिए प्राथमिकता से काम करने वाले हैं। कमलनाथ ने कहा कि आप एक बार कांग्रेस पार्टी का वचनपत्र जरूर ध्यान से पढियेगा, इसके माध्यम से हम महिलाओं को 1500 रूपये महीने देंगे, किसानों का कर्ज माफ़ करेंगे, हमारी सरकार धान का समर्थन मूल्य 2500 रूपये देगी और उसे बाद में बढ़ाकर 3000 किया जाएगा। हमारी सरकार आने पर 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख का दुर्घटना बीमा हर परिवार को देने का काम करेगी।

कमलनाथ नें कहा कि हमने अपनी पिछली सरकार में एक हजार गौशालाएँ बनवाई,कन्या विवाह की राशि बढ़ाने का काम किया था और अब सरकार आने पर हम उस राशि को बढ़ाकर एक लाख एक हजार करने वाले हैं। हमने 100 यूनिट फ्री बिजली दी थी और अब हम 5 हॉर्स पावर तक के बिजली पंप के लिए फ्री बिजली अपने किसान भाइयों को देने का काम करने वाले है। हमने अपने नौजवान साथियों के लिए रोजगार देने का काम किया क्योंकि हमारी नियत और नीति थी कि हम प्रदेश को पटरी पर लाएं। उन्होंने कहा कि जहाँ नदी ना हो, वहां भी ये शिवराजसिंह जी पुल की घोषणा कर देते है। शिवराज सिंह चौहान ने 18 साल में केवल जनता को गुमराह करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश के 3.5 लाख करोड़ का कर्ज तो लिया लेकिन इस कर्ज का कोई भी हिसाब इनकी सरकार के पास नहीं है। आज प्रदेश के नौजवानों का भविष्य दाव पर लगा है।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने उज्जैन की सभा में कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले-

कांग्रेस ने किया बंटाढार, भाजपा शासन में हुआ प्रदेश का विकास

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें जनता अपना मत प्रकट करेगी। इस चुनाव में आपके सामने दो ही विकल्प हैं। एक तरफ कांग्रेस पार्टी है, जिसने प्रदेश का बंटाढार कर दिया था। उसे बीमारू राज्य बना दिया था। रविवार को उज्जैन में जनसभा को संबोधित करते श्री शाह ने यह बात कही। सभा को प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। श्री शाह ने कहा कि दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी है, जिसने अपने 18 साल के शासन में प्रदेश के कोने-कोने में विकास किया है। आप विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट मत दीजिए। आपका एक वोट मध्यप्रदेश और देश का भविष्य तय करने वाला है।

श्री शाह ने कहा कि बंटाढार की सरकार के समय जैसे ही गाड़ी मध्यप्रदेश की सीमा में आती थी, तो इतने गड्ढे आते थे कि नींद खुल जाती थी। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया। श्री शाह ने कहा कि बंटाढार की सरकार के समय 2002 में मध्यप्रदेश का बजट 23000 करोड़ रुपये होता था। भाजपा की सरकार ने उसे बढ़ाकर 3,15000 करोड़ तक पहुंचाया। उस समय शिक्षा का बजट 2456 करोड़ हुआ करता था, जिसे भाजपा की सरकार ने 38000 करोड़ तक पहुंचाया। तब प्रति व्यक्ति सालाना आय 11 हजार रुपये होती थी, जिसे भाजपा की सरकार ने 1.40 लाख तक पहुंचाया। श्री शाह ने कहा कि बंटाढार की सरकार मध्यप्रदेश में 60 हजार किलोमीटर टूटी-फूटी सड़कें छोड़कर गई थी, जिन्हें भाजपा की सरकार ने 5,10,000 किलोमीटर तक पहुंचाया है। बंटाढार की सरकार समर्थन मूल्य पर 4.40 लाख टन गेहूं खरीदती थी, लेकिन अब शिवराज जी की सरकार 71 लाख मीट्रिक टन गेहूं समर्थन मूल्य पर खरीदती है। उस समय मेडिकल की सीटें 620 होती थीं, जिन्हें भाजपा की सरकार ने 4000 तक पहुंचाया है। प्रदेश में उस समय 159 आईटीआई थे, अब भाजपा की सरकार में 1014 आईटीआई हैं। श्री शाह ने कहा कि किसी भी राज्य में आने वाले पर्यटक उसके विकास का पैमाना होते हैं। बंटाढार की सरकार के समय हर साल प्रदेश में 64 लाख पर्यटक आते थे, जबकि अब हर साल 9 करोड़ पर्यटक मध्यप्रदेश आते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बीते 9 सालों में देश में भारी बदलाव किए हैं, विकास किया है। धारा 370 को कांग्रेस 70 सालों तक अटकाती रही, लेकिन मोदी जी ने 5 अगस्त 2019 को उसे एक झटके में हटा दिया। उस समय राहुल बाबा कहते थे कि 370 मत हटाइये, खून की नदियां बह जाएंगी। लेकिन एक कंकड़ तक चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। मोदी जी ने भारतमाता के मुकुटमणि कश्मीर को हमेशा के लिए भारत से जोड़ दिया। राम मंदिर के मुद्दे को कांग्रेस सालों से अटका, लटका और भटका रही थी मोदी जी ने न्यायलयीन प्रक्रिया के माध्यम से यह मामला सुलझाया और एक दिन मंदिर के लिए भूमिपूजन भी कर दिया। पहले कांग्रेस वाले हम पर ताने मारते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, पर तारीख नहीं बताएंगे। अब तारीख भी आ गई है। 22 जनवरी को भव्य राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

कांग्रेस को विरोध करने की आदत

गृह मंत्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के जो भी काम करती है, कांग्रेस उसका विरोध करती है। हमारी सरकार ने उज्जैन में भव्य महाकाल महालोक बनाया है। जो भी इसके दर्शन करता है, वो उसकी प्रशंसा करता है। लेकिन कांग्रेस महाकाल लोक का भी विरोध करती है। उज्जैन वालो मुझे बताओ, महाकाल लोक का जो लोग विरोध करते हैं उन कांग्रेसियों को मध्यप्रदेश में शासन का अधिकार देना चाहिए क्या? श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के शासन में काशी विश्वनाथ का गलियारा बना, बद्रीनाथ और केदारनाथ का पूर्ण विकास हुआ। भारत चन्द्रयान से चंद्रमा पर भी पहुंच गया। लेकिन कांग्रेस को तो विरोध करने की आदत पड़ी है। हम ट्रिपल तलाक बंद करते हैं, हम धारा 370 हटाते हैं, हम पाकिस्तान को सीधा करने का काम करते हैं और कांग्रेस इन पर सवाल उठाती है। जी-20 समिट के आयोजन से सारी दुनिया में भारत का यश बढ़ा है, लेकिन कांग्रेस ने इसका भी विरोध किया। महात्मा गांधी की समाधि पर जब दुनिया के सारे राष्ट्राध्यक्ष एक साथ खड़े होकर महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि दे रहे थे।

मराठा आरक्षण की मांग ने पकड़ा जोर

11 दिन में 13 लोग कर चुके हैं खुदकुशी, एनसीपी शरद गुट ने की विशेष सत्र की मांग

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर रविवार को एक अन्य युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बीड जिले के परली तालुका के रहने वाले गंगाभीषण रामराव के रूप में हुई है। यह जिले में पिछले दो दिनो में आत्महत्या की दूसरी घटना है।

वहीं, राज्य में 11 दिनों में 13 लोग आत्महत्या कर चुके हैं। इससे पहले, शनिवार को एक पंचायत सदस्य ने खुदकुशी की थी। मरने वाले का नाम महेश कदम था। वह अहमदनगर की ढालेगांव तहसील का रहने वाला था। महेश ने सुसाइड नोट में लिखा था कि लगातार सूखे के चलते स्थिति खराब होती जा रही है। मुझे मराठा रिजर्वेशन नहीं मिला, जिसके चलते बच्चों की फीस भरना मुश्किल हो गया है। इधर, एनसीपी शरद गुट के महाराष्ट्र अध्यक्ष जयंत पाटिल, सांसद सुप्रिया सुले और विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मराठा आरक्षण को लेकर राज्यपाल रमेश बैस से राजभवन में मुलाकात की है। उन्होंने इसे लेकर उनसे विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। वहीं, मराठा आरक्षण के नेता मनोज जारांगे ने 27 अक्टूबर को कहा था कि राज्य सरकार आरक्षण के विरोध में हैं।

अमरपाटन : मुश्किल में हैं मंत्रीजी

सतना, देशबन्धु। सतना जिले में अमर पाटन की विधानसभा सीट इसलिए महत्वपूर्ण है कि यहां से भाजपा की शिवराज सरकार के एक राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल चुनाव लड़ रहे हैं। उनके मुकाबले में कांग्रेस के डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह हैं। उन्हें क्षेत्र के लोग दादा भाई कहते हैं। वे पिछला चुनाव हार गए थे, लेकिन उसके पहले 2013 में वे न केवल विजयी हुए थे बल्कि विधानसभा के उपाध्यक्ष भी चुने गए थे। पिछली दफा विस उपाध्यक्ष पराजित हुए थे तो क्या इस बार राज्यमंत्री पराजित होंगे? अमर पाटन में सचेत मतदाताओं के सामने यह सवाल है। इसका जवाब भी मतदाताओं को ही देना है, लेकिन इसका खुलासा तीन दिसम्बर को होगा।

मध्यप्रदेश में भाजपा का जलवा ऐसा है कि वह हमेशा मुकाबले में रहती है, सो राज्यमंत्री का जीतना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन क्षेत्र के लोग इसे बड़ी बात ही बता रहे हैं। ककरा गांव के राजेंद्र कुमार साकेत कहते हैं कि मंत्रीजी को बस अपनी जाति वालों का ही ध्यान रहा इसलिए दूसरी जातियों के लोग उनसे नाखुश हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा कि भाजपा के सर्वे में भी यह नाराज़गी उजागर हुई थी, लेकिन मंत्रीजी अपनी टिकट बचाने में कामयाब हो गए। फिर भी उनकी राह आसान नहीं है। उन्होंने बताया कि ककरा गांव में चार हज़ार मतदाता हैं।

नादन टोला में जब हमने किसरिया बाई से पूछा कि लाडली बहना का पैसा मिल रहा है, तो वे बोली कि मिल तो रहा है, लेकिन इतनी देर सरकार सोई रही और चुनाव आ गए तो जाग गई। यही बात रामगोपाल साहू ने भी कही। उन्होंने कहा कि थोड़ा अनाज दो, थोड़े से पैसे दो, पर इससे कब तक गुजर होगी? अच्छा होता सरकार हमें काम देती। रोजी रोटी कमाने के मौके तो सभी को मिलने चाहिए। फिर वे धीरे से कहते हैं 'इसलिए सरकार बदलना जरूरी है।' इससे आगे की बात बर्रेह के अरुण कुमार पटेल ने पूरी की। वे लालपुर के सरपंच भी रह चुके हैं। वे कहते हैं कि देखो अब लाड़ली बहना कर रहे हैं, लेकिन जब लाड़ली बहना परेशानी में थी तो कुछ नहीं किया। कोरोना और लॉक डाउन के समय किसी को कुछ क्यों नहीं दिया। तब तो ज़्यादा ज़रूरत थी। तब न बहनों की और न भाइयों की याद आई। उस समय सब परेशान थे। तब कभी मदद के बारे में नहीं सोचा और अब जब चुनाव सामने हैं तो मददगार बन रहे हैं। 18 साल तक बैठे रहे, इसलिए सत्ता बदलना जरूरी है। वहीं पास में बैठे अजीत सनाढ्य कहते हैं कि मंत्रीजी को इस बार ब्राह्मण वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने कारण नहीं बताया लेकिन ज़ोर देकर कहा कि देख लेना इस बार ऐसा ही होगा। फिर वे महंगाई की बात करने लगे। टमाटर 80 रुपए किलो हो गया और प्याज भी महंगी हो गई है। बसपा से यहां छंगेलाल कोल चुनाव लड़ रहे हैं। वे आदिवासी हैं और पिछली बार भी चुनाव लड़ चुके हैं। तब उन्हें करीब 37 हजार वोट मिले थे। उधर अजीत सनाढ्य का कहना है कि इस बार उनके वोट भी घटेंगे। बसपा का मध्यप्रदेश में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से गठबंधन है। अमर पाटन के शब्बीर भाई खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में मुस्लिम आबादी छह हज़ार से नौ हज़ार के बीच है। ज़्यादातर मुस्लिम अमर पाटन, मुकुंदपुर और रामनगर में रहते हैं। ये सभी मंत्रीजी के ख़िलाफ़ जायेंगे इसलिए इस समय दादा भाई आगे नज़र आ रहे हैं। यह शुरुआत है, आगे क्या होगा कहा नहीं जा सकता पर आज की स्थिति यही है।

• सतना से नरेंद्र कुमार मौर्य

नवगवां के अशोक कुशवाहा ने बताया कि इस क्षेत्र की यह विशेषता है कि यह दुबारा मौका नहीं देता। हर बार अपना प्रतिनिधि बदल देता है इसलिए इस बार मंत्रीजी की नहीं, दादा भाई के जीतने की बारी है। अभी तो चुनाव की शुरुआत है। आगे स्थितियां बदलेंगी। नामांकन जारी है। कुछ नये उम्मीदवार भी नमूदार हो सकते हैं। जैसे शुक्रवार को नारायण त्रिपाठी ने विंध्य जनता पार्टी बनाकर अमर पाटन से श्रीमती शशि सत्येंद्र शर्मा को टिकट दिया है। अब देखना यह है कि वे कितने ब्राह्मण वोटों को अपनी तरफ खींच पाती हैं और दूसरी बात वे नुकसान किसका करेंगी – कांग्रेस का या भाजपा का?

रामपुर बघेलान : 'हार जाते हैं मगर मैदान में हैं'

सतना, देशबन्धु। लंबे अरसे से कांग्रेस के लिए यह क्षेत्र चुनौती बना हुआ है। शुरुआत के चार चुनाव और उसके बाद 1980 और 1985 में ही कांग्रेस यहां से जीती थी। उसके बाद जनता दल एक बार, बसपा दो बार और भाजपा तीन बार चुनाव जीत चुकी है। निवर्तमान विधायक विक्रम सिंह के पिता हर्ष नारायण सिंह 2013 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में विजयी हुए थे। कांग्रेस के लिए अच्छी ख़बर यही है कि बसपा के रामलखन सिंह पटेल कांग्रेस में आ गए हैं।

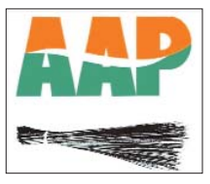

कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह के पुराने प्रतिद्वंदी रामशंकर पयासी को ही फिर मैदान में उतारा है। बसपा से मणिराज सिंह पटेल उम्मीदवार हैं। आम आदमी पार्टी ने शशि दीपक सिंह बघेल को अपना प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस के लिए पहली कोशिश मुकाबले में आने की है। 2013 में तो कांग्रेस उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई थी। हालात ऐसे बन गए हैं कि यहां कांग्रेस तीसरे और चौथे नंबर की पार्टी बनकर रह गई है इसलिए जरूरी है कि पहले वह मुकाबले में आए, जीतना तो बाद की बात है।

यही बात शिवपुरवा गांव के राघव द्विवेदी कहते हैं कि बसपा ने यहां कांग्रेस को नीचे धकेल दिया है। वे तो यहां तक कहते हैं कि मध्यप्रदेश में बसपा की शुरुआत इसी क्षेत्र से हुई है। यहां वह न केवल मुकाबले में बनी हुई है बल्कि दो बार चुनाव जीत भी चुकी है। कांग्रेस ने इसकी काट रामलखन सिंह पटेल के रूप में ढूंढ़ ली है। अब देखना यह है कि वे कांग्रेस के लिए कितने उपयोगी सिद्ध हो पाते हैं। राघव द्विवेदी कहते हैं कि रामलखन सिंह पटेल बड़ी हस्ती हैं। उन्होंने विक्रम सिंह के पिता हर्ष नारायण सिंह को हराया था। वे साथ दे पाए तो कांग्रेस का कुछ भला हो सकता है, लेकिन विक्रम सिंह को हराना मुश्किल है। उनके पिता तीन बार चुनाव जीते थे। विक्रम सिंह भी फिर जीतेंगे। उनके परिवार का इलाके में अच्छा प्रभाव है।

उधर कुरमिहा टोला वाले लल्लू सिंह साफ साफ कह देते हैं कि वे भाजपा वाले हैं और इस बार फिर विक्रम भैया जीत रहे हैं। वहां एक और सज्जन मौजूद थे जो आदिवासी हैं और उनका भी नाम लल्लू है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ सोचा नहीं है। गांव में जैसा तय होगा, वैसा करेंगे। करही गांव के अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा ब्राह्मण मतदाता हैं, लेकिन कभी किसी दल ने उन्हें टिकट नहीं दिया। ब्राह्मण मतदाता जिसकी तरफ गया, हमेशा उसी की जीत हुई है। पिछले दो चुनाव से वह भाजपा के साथ है इसलिए भाजपा लगातार जीत रही है। उसके पहले बसपा और जनता दल की तरफ भी ब्राह्मण वोट गया तो वे भी जीते।

कांग्रेस को राहत देने वाली बात रामपुर के एक मतदाता विद्या भूषण त्रिपाठी ने बतायी। उन्होंने कहा कि इस बार ब्राह्मण मतदाता का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस में जा रहा है। उनके अलावा कुशवाहा वोट भी उधर ही जाने वाले हैं। इससे कांग्रेस प्रत्याशी रामशंकर पयासी मुकाबले में आ सकते हैं। साथ में उन्होंने यह भी जोड़ा कि यहां भी मुकाबला कड़ा होने जा रहा है।

जबलपुर, सोमवार 30 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

70 घंटे काम की निष्ठुर सलाह

प्रसिद्ध आईटी कम्पनी इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति भारत के सफलतम व्यवसायियों में से एक है जिन्हें ऐसा स्वप्नदृष्टा और महत्वाकांक्षी कारोबारी कहा जाता है जिन्होंने देश का नाम ऊंचा किया है। उनकी और इन्फोसिस की कामयाबी की कथाएं आधुनिक प्रबन्धन के पाठों के रूप में दर्ज हैं। वैसे तो उन्हें एक उदार मालिक के रूप में समझा जाता था लेकिन उन्होंने यह कहकर अपना और समस्त भारतीय उद्योग जगत का क्रूर व शोषक चेहरा सामने ला दिया है, जिसमें वे कहते हैं कि चीन से मुकाबला करने के लिये हर युवा को सप्ताह में 70 घंटे काम अवश्य करना चाहिये। यह परामर्श उन्होंने इंफोसिस के ही एक पूर्व सीएफओ मोहनदास पई से एक यूट्यूब शो पर बातचीत के दौरान दिया। कई कारोबारियों ने इसका समर्थन किया है। बड़ी संख्या में ऐसे भी उद्यमी व प्रबन्धन सलाहकार हैं जिन्होंने इसे अमानवीय करार देते हुए इसका विरोध किया है।

नारायण मूर्ति की यह सलाह इसलिये हैरान कर देने वाली है क्योंकि वह आधुनिक कार्य संस्कृति के विरूद्ध है। उनकी सलाह ऐसे समय में आई है जबकि विश्व भर में कर्मचारियों पर से काम का बोझ घटाने तथा उन्हें अपने व परिवारजनों के साथ समय बिताने के लिये अधिक प्रेरित किया जा रहा है। अधिकतम काम लेना मध्ययुगीन सोच है। पहले जब श्रम कानून नहीं बने थे और कामगारों के अधिकारों की सोच विकसित नहीं हुई थी, अधिकतम उत्पादन लेने के लिये उनसे कसकर काम लिया जाता था। वे लगभग गुलामी के हालात थे। जैसे-जैसे प्रबन्धन अधिक वैज्ञानिक एवं मानवीय होता गया और नई शोधें सामने आईं, यह पाया गया कि संतुष्ट कर्मचारी अधिक उत्पादन करता है। तभी से लोगों के काम के घंटे घटाये जाने लगे, उन्हें कार्य स्थल से बाहर सुविधाएं दी जाने लगीं। आज आदर्श कार्य पद्धति (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रेक्टिसेस- एसओपी) कर्मचारियों को निचोड़ने में नहीं वरन उन्हें बेहतर वातावरण प्रदान करने में भरोसा करती है। तीसरी दुनिया के ज्यादातर और तानाशाही शासन प्रणाली वाले देशों को छोड़ दिया जाये तो लोगों से दुनिया में कहीं भी इतना काम लेने की परम्परा नहीं है और न ही नियम हैं। डेनमार्क, आस्ट्रिया, नार्वे, फिनलैंड जैसे देशों में अधिकतम 31 घंटे काम लिया जाता है और वे सबसे अधिक उत्पादकता वाले देश हैं। वहां सप्ताह में 5 दिन ही काम करने का रिवाज है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा तथा यूरोपीय देशों में भी अधिकतम 41 घंटों का चलन है। इन देशों में भी उत्पादकता की दर बहुत ऊंची है।

इसके विपरीत भारत समेत तृतीय विश्व कहलाने वाले एशियाई, अफ्रीकी, लातिन अमेरिकी के ज्यादातर देशों के औद्योगिक एवं कारोबारी प्रतिष्ठान कर्मचारियों से निष्ठुरतापूर्वक काम लेते हैं। उनके वेतनमान विकसित देशों की तुलना में बहुत कम हैं। अन्य सुविधाएं भी न्यूनतम हैं। संगठित क्षेत्र में तो फिर भी उन्हें ठीक-ठाक तनख्वाह एवं अन्य सुविधाएं मिलती हैं लेकिन असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मानव संसाधन का एक तरह से कोई माई-बाप ही नहीं है। फिर, ठेका कम्पनियों में और भी बुरा हाल होता है। गिनती के उद्योग-धंधों में श्रमिकों के कल्याण पर ध्यान दिया जाता है। उन्हें बहुत कम वेतन में और कानूनी रूप से तयशुदा काम के घंटों से अधिक समयावधि तक काम करना होता है।

नारायण मूर्ति की सलाह एक ऐसे व्यक्ति के विचार हैं जो खुद के तथा अपने वर्ग के लोगों के लिये लाभ के नये तरीके ढूंढ़ रहा है। वह भी कम खर्च में। उनकी सलाह अगर मान ली जाये तो साप्ताहिक अवकाश को छोड़कर छह दिन हर कर्मचारी-मजदूर को करीब 12 (11.66) घंटे काम करना होगा। भारत के निजी क्षेत्र में अमूमन 6 दिन का ही कार्य-सप्ताह होता है। कहीं-कहीं ही 5 दिन का है। सम्भवत: नारायण मूर्ति को यह गलतफहमी है कि भारत के हर व्यक्ति के पास उनकी तरह नौकर-चाकरों की फौज है। ज्यादातर बड़े शहरों में, खासकर जहां बड़े आईटी हब हैं, काम की जगह तक आने-जाने के लिये औसतन तीन-चार घंटे लग जाते हैं। ये केन्द्र बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, गुड़गांव आदि शहरों में हैं जहां अधिकतर कर्मचारी 25-50 किलोमीटर की यात्रा कर काम के स्थान पर पहुंचता है और उन्हें घरों को लौटने में उतना ही समय लगता है। कोई भी सहज ही यह हिसाब लगा सकता है कि 11-12 घंटे काम करने के लिये कर्मचारियों को कितने बजे सुबह घर से निकलना होगा और वे कितने बजे काम खत्म कर अपने घरों को पहुंचेंगे। क्या इसके बाद उनके पास अपने परिवारजनों के लिये कोई समय बच पायेगा? इंसान के पास उसके सैकड़ों तरह के निजी काम होते हैं। अगर उनके घरों में निजी कामों को निपटाने के लिये और कोई नहीं है तो वे ये काम कैसे कर सकेंगे? मां-बाप की देखरेख से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सम्बन्धी काम भी उनकी जिम्मेदारियों के हिस्से हैं।

फिर, नारायण मूर्ति ने इस सलाह को राष्ट्रवाद से जोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने 70 घंटे काम करना चीन से मुकाबला करने के लिये ज़रूरी बताया है। लोगों को उकसाकर उनसे अधिक काम लेने का प्रयास उद्योगों एवं व्यवसायों के लिये कम पैसों में अधिक काम के घंटे निर्मित करना है। भला देश की आम जनता को चीन से स्पर्धा किसलिये करनी है? इससे उसे क्या लाभ होगा, यह समझ से परे है। दरअसल नारायण मूर्ति भारत के क्रूर नियोक्ताओं के प्रतिनिधि की भाषा बोल रहे हैं जिनका जनकल्याण से कोई वास्ता नहीं है। अमेरिका में व्यवसाय जगत अपने लाभ का करीब 9 फीसदी लोककल्याण (सीएसआर) के लिये खर्च करता है, जबकि भारत में यह केवल 4 प्रतिशत है। नारायण मूर्ति उन्हीं के नुमाईंदे हैं।

प्रयोग के लिए प्रयोग राजनीति में नुकसानदायक

हिन्दी बेल्ट जहां की जीत हार ही 2004 के लोकसभा चुनाव का माहौल बनाएगी वहां सबसे पहले छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को मतदान होगा। पहले चरण का। वहां के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मतदान के ठीक पहले एक बड़ा जायज सवाल उठाया है। नोटा को खत्म करने का।

बहुत सही मांग है। हालांकि ठीक मतदान से पहले इसे उठाने से इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। यह सरकार में रहते हुए, केन्द्र सरकार में खत्म करने का काम है। मगर विडंबना यह है कि इसे लाया ही यूपीए सरकार के द्वारा था। और यह भी मजेदार है कि सबसे पहले इसे लागू भी छत्तीसगढ़ में किया गया था। 2009 में।

दरअसल भारत के अधिकांश चुनाव सुधार अति आदर्शात्मक और अव्यवहारिक सोच के शिकार रहे। सबसे पहले शेषन ने बिना यह सोचे कि भारत में लोकतंत्र गरीबों का है वाल राइटिंग (दीवारों पर लिखने) झंडे बैनर, नारों, जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने, नियंत्रित करने का काम किया। जाहिर है कि वह उस समय की सरकार, जो नरसिम्हा राव की थी, के बिना अनुमोदन के नहीं हुए। उनके अच्छे पक्ष भी हैं। मगर गरीबों के चुनाव लड़ने के जो मुख्य साधन होते थे दीवारों पर खुद रात-रात भर लिखना। छोटे-छोटे झंडे बैनर लगा देना वह सब बंद हो गया।

चुनावों का वह सबसे खूबसूरत पहलू था। आज भाजपा के पास बहुत पैसा साधन हैं। मगर पहले उसके उम्मीदवार भी प्रचार के परंपरागत साधनों दीवारों पर लिखने झंडा बैनर लगाने पर निर्भर थे। ऐसे ही लेफ्ट पार्टियां। उनके पास और कम साधन हुआ करते थे। मगर शहर गांव की दीवारें रंगते हुए वे लड़ते और जीतते भी थे। आज भी पुराने मोहल्लों में दूरदराज के गांवों के खंडहरों की दीवारों पर पुराने नारे, चुनाव चिन्ह और प्रत्याशियों के नाम लिखे दिख जाएंगे।

आज तो चुनाव मीडिया लड़ाता है। और वह केवल एक पार्टी के साथ है। बाकी दलों और प्रत्याशियों के पास क्या है? कैसे प्रचार करें वे अपना?

चुनाव सुधार के नाम पर दूसरा बड़ा काम ईवीएम लाना हुआ। यह 2004 से पूरी तरह शुरु हुआ। इसका भी अब कांग्रेस खुल कर विरोध कर रही है। मगर लाने वाली वही थी। दुनिया के विकसित देशों में इस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी जैसे प्रमुख देशों में। भारत के अलावा मशीन पर मतदान केवल 2 -4 छोटे देशों में ही हो रहा है।

बिना सोचे समझे इस तरह के प्रयोग भाजपा नहीं करती है। वह इलेक्टोरल बांड लाती है। जिसका फायदा उसे ही होता है। जबकि कांग्रेस के लाए नोटा, ईवीएम, आरटीआई, अपने अग्रिम संगठनों यूथ कांग्रेस एनएसयूआई में आन्तरिक चुनाव, अभी विधानसभा चुनावों के टिकट सर्वे के आधार पर देना विवादों में आ जाते हैं। और खुद उसके लिए लाभदायक नहीं होते।

पहले समाज को नए विचारों के लिए ढालने की प्रक्रिया शुरू करना पड़ती है। जनता के थोड़ा तैयार होने और अनुकूल व्यवस्था बनने के बाद लाया कोई जनहितकारी कानून ही उपयोगी हो पाता है। केवल किताबी सिद्धांत से लाया कानून नहीं। आरटीआई यूपीए लाई और यूपीए के खिलाफ ही इसका खूब उपयोग हुआ। कई आरटीआई एक्टिविस्ट बन गए। देश में और बाहर खूब प्रचार ले लिया। पुरस्कार और अन्य लाभ भी। मगर 2014 के बाद आरटीआई और आरटीआई एक्टिविस्ट कहां हैं? सरकार के खिलाफ तो कोई पूछ नहीं सकता। और पूछता है तो जवाब आता नहीं है। पीछे से कोई धमकी या चेतावनी जरूर आ जाती है। बड़े आन्दोलनजीवी, क्रान्तिकारी बन रहे हैं!

इसी तरह एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस का संगठन चुनाव के जरिए करवाने का राहुल गांधी का फैसला है। वे जब 2007 में कांग्रेस महासचिव बने और इन अग्रिम संगठनों का प्रभार मिला तब से उन्होंने इन दोनों संगठनों के आन्तरिक चुनाव करवाना शुरू किए। इसमें भी समस्या यह है कि जो ताकतवर पृष्ठभूमि से आए हुए लड़के या लड़कियां हैं उन्हें इसका और ज्यादा फायदा मिला। गरीब का कमजोर पृष्ठभूमि से आया लड़का या लड़की आन्तरिक चुनाव कैसे लड़ेगा? लड़ ही नहीं पाता है।

कालेज यूनिवर्सिटी में जाते ही खासतौर से एडमिशन के समय जुलाई-अगस्त में लड़के -लड़कियों की भीड़ में नेतृत्व क्षमता रखने वाले अलग ही नजर आ जाते हैं। ऐसे ही किसी भी पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में आने वाले युवाओं में से युवा नेतृत्व अलग ही दिखने लगता है। राजीव गांधी ने युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किए थे। इन्दिरा गांधी एक नजर में प्रतिभाशाली लोगों को पहचान जाती थीं। भाजपा में आडवानी बहुत पारखी थे। सबसे ज्यादा नेता उन्होंने बनाए हैं। यह अलग बात है कि आज के उनके शिष्य ने उनका ही अंगूठा मांग लिया! गुरु आडवानी को उनके प्रतिद्वन्दी वाजपेयी इतना नुकसान नहीं पहुंचा पाए जितना शिष्य ने पहुंचा दिया। 2014 में वाजपेयी स्वस्थ और प्रभावी होते तो आडवनी को राष्ट्रपति तो जरूर बनवाते। मगर मोदीजी ने उन्हें उपराष्ट्रपति भी नहीं बनाया।

2017 में आडवानी को उम्मीद थी कि उन्हें गुरु दक्षिणा के रूप में राष्ट्रपति नहीं तो उपराष्ट्रपति तो जरूर बना दिया जाएगा। मगर 2019 में उनको लोकसभा का टिकट भी नहीं दिया गया। खैर यह अलग मुद्दा है। मगर नेता बनाने में जिन लोगों का नाम सबसे ऊपर आएगा उनमें इन्दिरा गांधी और लालकृष्ण आडवानी हैं। दोनों प्रतिभाओं को पहचानने वाले, तराशने वाले और मौका देने वाले नेता निर्माता रहे। आज कोई किसी को नहीं बनाता है।

तो बात हो रही थी प्रयोग के लिए प्रयोग की। किताबी उसूलों की। अति आदर्शवाद से निकले तरीकों की। कांग्रेस ने इन विधानसभा चुनावों में सर्वे की प्रक्रिया शुरू की थी। हर विधानसभा क्षेत्र में तीन सर्वे करवाए गए। जाहिर है प्राइवेट कंपनियों से। तो इसमें भी वही हुआ कि जो प्रभावशाली थे वे हर बार अपना नाम ऊपर रखवाने में सफल हुए। सर्वे गोपनीय था। और सही में बहुत मेहनत करने वाले जनता के काम करवाने वाले कमजोर, आर्थिक स्थिति के उम्मीदवार के लिए वह गोपनीय ही रहा। सर्वे टीम कब आई चली गई उसे पता ही नहीं चला। मगर हर बार टिकट लेने में सफल होने वालों ने उन्हें सेटल भी कर लिया।

समस्या यह है कि आज नेता कार्यकर्ताओं से ही नहीं मिलते हैं तो जनता के बीच तो संपर्क होने का तो सवाल ही नहीं है। पहले पत्रकारों के भी जनता से सीधा संपर्क होता था। नेता उनसे भी फीडबैक ले लेते थे। मगर आज पत्रकार जो बताया जाता है लिख देते हैं। जनता के बीच जाते ही नहीं हैं। पहले नेता हर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, जनता के तमाम लोगों और वहां के काम करने वाले नेताओं को अच्छी तरह जानता था। मगर अब संपर्क संबंध की राजनीति खत्म हो रही है। और जाहिर है इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस को हो रहा है। क्योंकि भाजपा में तो आरएसएस के माध्यम से एक पुल है। जो नेता कार्यकर्ता और जनता को जोड़ता है। मगर कांग्रेस में बहुत गैप पैदा हो गया है।

राहुल प्रियंका ने कार्यकर्ताओं से मिलने का सिस्टम नहीं बनाया। फिर जनता से तो सवाल ही नहीं। यह जनसभाओं में जाना या यात्रा से वह भावनात्मक जुड़ाव और विश्वास नहीं आता जो कार्यकर्ता या जनता के नेता से उसके आफिस या घर पर मिलने से आता है। खरगे जी को भी एक साल हो गया। मगर मुलाकातों का सिलसिला उन्होंने भी शुरू नहीं किया।

कांग्रेस ने एक काम और किया कि अपने मुख्यालय से अलग एक वार रूम बना लिया। सब गतिविधियां वहीं होने लगीं। मगर वहां कार्यकर्ता, जनता, पत्रकार का प्रवेश वर्जित है। इससे 24 अकबर रोड के मुख्यालय का महत्व खत्म हो गया। यह ऐतिहासिक जगह है जहां इन्दिरा गांधी को 1977 में हारने के बाद कांग्रेस का आफिस लेकर आना पड़ा था। और फिर यहीं से उन्होंने ग्रेट वापसी की थी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

शकील अख्तर

बात हो रही थी प्रयोग के लिए प्रयोग की। किताबी उसूलों की। अति आदर्शवाद से निकले तरीकों की। कांग्रेस ने इन विधानसभा चुनावों में सर्वे की प्रक्रिया शुरू की थी। हर विधानसभा क्षेत्र में तीन सर्वे करवाए गए। जाहिर है प्राइवेट कंपनियों से। तो इसमें भी वही हुआ कि जो प्रभावशाली थे वे हर बार अपना नाम ऊपर रखवाने में सफल हुए। सर्वे गोपनीय था।

संघ ने मध्यप्रदेश में संभाली अनेक निर्वाचन क्षेत्रों की कमान

जैसे-जैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ रहा है, राजनीतिक दल एक-दूसरे के खिलाफ अधिक से अधिक अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा कांग्रेस नेताओं को रावण कहती है, कांग्रेस भी उसी तरह भुगतान करती है। स्थानीय स्तर पर स्थिति सबसे खराब है।

इस बीच भाजपा के प्रचार को कुछ कमजोर पाते हुए आरएसएस ने भाजपा के लिए दो दर्जन विधानसभा क्षेत्रों की कमान अपने हाथ में ले ली है और अपने सारे संसाधन वहां झोंक दिये हैं। आरएसएस के सदस्य घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं और छोटी-छोटी बैठकें कर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बना रहे हैं। क्योंकि इन निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है, आरएसएस जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए काम करेगा।

इन सीटों पर आरएसएस से जुड़े कुछ उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं। यही कारण है कि आरएसएस के सदस्य सक्रिय हो गये हैं। आरएसएस भोपाल दक्षिण-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में भगवानदास सबनानी, भोपाल मध्य में ध्रुवनारायण सिंह, बेरेसिया में विष्णु खत्री और भोपाल उत्तर में आलोक शर्मा के लिए काम कर रहे हैं।

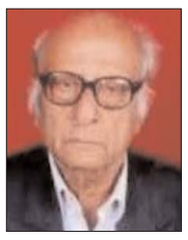

एल एस हरदेनिया

संघ परिवार ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा क्षेत्रों में हिंदू या सनातनी मतदाताओं को भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में एकजुट करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता आरएसएस कार्यकर्ताओं की मदद कर रहे हैं। इस परियोजना को क्रार्यान्वित करने के लिए एमपी-सीजी आरएसएस प्रमुख अशोक सोहनी 'लोक जागरण 2023' नामक अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।

इनके अलावा मधु वर्मा (राऊ), उषा ठाकुर (महू), हेमंत खंडेलवाल (बैतूल), प्रेमशंकर वर्मा (सिवनी मालवा), चिंतामणि मालवीय (आलोट), मोहन शर्मा (नरसिंहगढ़), अरविंद पटेरिया (राजनगर), राकेश सिंह (जबलपुर पश्चिम), गणेश सिंह (सतना), श्याम व्रदे (पानसेमल), शैलेन्द्र जैन (सागर), योगेश पंडाग्रे (आमला), मोहन यादव (उज्जैन दक्षिण), लाल सिंह आर्य (गोहद), विजय आनंदरावी (बिछिया), राजकुमार कर्रये (लांजी), प्रकाश उइके (पांडुर्णा) और देवेन्द्र जैन (शिवपुरी) के लिए भी वे काम कर रहे हैं।

हालांकि आरएसएस और उसके संगठन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के लिए काम करते हैं, लेकिन वे हर चुनाव में सीधे कुछ सीटों की कमान अपने हाथ में ले लेते हैं। पिछले चुनाव में भी आरएसएस ने सीधे तौर पर महू और अन्य सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के लिए काम किया था। इसलिए, संगठन ने वही कवायद शुरू कर दी है, लेकिन वह आगामी चुनाव पर पहले की तुलना में अधिक ध्यान दे रहा है।

संघ परिवार ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा क्षेत्रों में हिंदू या सनातनी मतदाताओं को भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में एकजुट करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता आरएसएस कार्यकर्ताओं की मदद कर रहे हैं।

इस परियोजना को क्रार्यान्वित करने के लिए एमपी-सीजी आरएसएस प्रमुख अशोक सोहनी 'लोक जागरण 2023' नामक अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने इस संबंध में उज्जैन के एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान में आरएसएस और उसके फ्रंटल संगठनों के 150 से अधिक पदाधिकारियों की एक मैराथन बैठक बुलाई थी।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में किसी भी भाजपा नेता को आमंत्रित नहीं किया गया था और जब एक कैबिनेट मंत्री और उज्जैन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तो उन्हें विनम्रतापूर्वक वापस जाने के लिए कहा गया।

बैठक में, सोहनी ने कथित तौर पर उपस्थित लोगों से कहा कि उन्हें उन उम्मीदवारों के लिए काम करना चाहिए जो राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के समर्थक हैं और हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा करते हैं। उन्होंने आगाह किया कि चयनित भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ बोलने के बजाय उन्हें ऐसे तरीके सुझाने चाहिए जिनसे वे भाजपा उम्मीदवारों के लिए सकारात्मक लहर पैदा कर सकें।

हालांकि बाद में, जब संघ परिवार के पदाधिकारी छोटे समूहों में मिले, तो उनमें से कई ने भाजपा द्वारा उज्जैन विभाग के तहत मैदान में उतारे गये एक कैबिनेट मंत्री, एक मौजूदा विधायक और एक पूर्व विधायक के खिलाफ शिकायत की, जिसमें उज्जैन और आगर-मालवा जिलों की विधानसभा सीटें शामिल हैं।

हाल में कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए हैं जिन्होंने पार्टी नेतृत्व को चौंका दिया है। ऐसा ही एक घटनाक्रम उमा भारती का चुनाव प्रचार से दूर रहने का निर्णय है। उमा ने गुरुवार को ट्वीट किया कि वह अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हो रही हैं, जहां से वह ओरछा जाकर राम राजा सरकार के दर्शन करेंगी और फिर हिमालय के लिए रवाना होंगी।

उन्होंने आगे ट्वीट किया कि वह राज्य में भाजपा की सरकार बनने के लिए भगवान से प्रार्थना करेंगी। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर राज्य और केंद्र सरकार की भी आलोचना की। उमा के मुताबिक, धार के भोजशाला स्थित उनके निवास स्थान पर देवी सरस्वती की मूर्ति नहीं खरीदी जा सकी, जबकि राज्य में भाजपा की सरकार है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी के आश्वासन के बावजूद रायसेन में सोमेश्वर मंदिर और विदिशा में विजय मंदिर के दरवाजे नहीं खोले गये। उमा ने कहा कि वह इस बात पर विचार करेंगी कि भाजपा सरकार ने लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए क्या किया है। उन्होंने गौ संरक्षण के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों पर नाखुशी जाहिर की।

एक और आश्चर्य पेश किया भजापा के दिग्गज नेता गौरीशंकर बिसेन ने। उन्होंने अपने पारंपरिक निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया, हालांकि पार्टी ने उनकी बेटी को टिकट दिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि चूंकि उनकी बेटी मौसम की तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए उन्होंने कवर के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा ने बालाघाट से उम्मीदवार बदला है, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ. हितेश बाजपेयी ने कहा, 'नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने डमी उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया है और इससे ज्यादा कुछ नहीं।'

आज प्रकाश पर्व

ऐह मानस जनम दुर्लभ है नाम बिना बिरथा सब जाए

चौथे नानक गुरु रामदास जी आपका इस धरा पर आगमन 26 असोज संवत 1591 को चूना मंडी लाहौर में हुआ था। माता दया कौर और पिता श्री हरदास मल सोढ़ी के घर इनका जनम हुआ। आपके बचपन का नाम जेठा भाई था। बचपन में ही माता-पिता के देहांत के बाद आपका पालन पोषण बासर गांव में आपकी नानी के घर में हुआ। नानी आपको चने उबाल कर देतीं फेरी लगा कर बेचते इस तरह दोनों का उदर पोषण होता रहा। आप गुरु अमरदास के दरबार में कथा, कीर्तन श्रवण करते रहते। जब तीसरे नानक गुरु अमरदास गोइंदवाल साहिब में चले गए और वहां पर प्रचार के साथ साथ बावली साहिब का भी निर्माण कराने लगे। तब भाई जेठाजी भी गोइंदवाल साहिब निर्माण में सेवा करते। उनकी सेवा, नम्रता और हर प्रकार से योग्य समझकर गुरु अमरदासजी ने अपनी छोटी बेटी बीबी भाणी के साथ उनका विवाह कर दिया। एक दिन गुरु अमरदासजी स्नान कर रहे थे तब उनकी बेटी ने देखा कि जिस चौकी में उनके पिता बैठ कर स्नान कर रहे हैं उसका एक पाया हिल रहा था। अपने पिता के वृद्ध शरीर को तकलीफ न हो यह सोचकर अपना हाथ उस पाये के नीचे रख दिया। स्नान के बाद उनके पिता ने देखा बेटी भाणी के हाथ से खून निकल रहा है। चौकी को देखकर सारा माजरा समझ में आ गया। उन्होंने बेटी से वरदान मांगने कहा। तब बीबी भाणी जी ने कहा आप प्रसन्न हैं तो गुरु गद्दी घर में ही रहे। गुरुदेव ने कहा-ठीक है तब उन्होंने जेठा जी की कई प्रकार से परीक्षा लेकर अंत में उन्हें योग्य समझ कर इस संसार से विदा लेने से पहले चौथे नानक रामदासजी बना दिया। अमरदास जी चक का जो अब अमृतसर है अपने सिख धर्म का काफी प्रचार किया। गुरवाणी की रचना की जो गुरुग्रंथ साहिब में दर्ज है। गुरुदेव ने अहंकार को त्याग करने का ईश्वर की सेवा करने नेक कमाई कर दीनदुखियों की सेवा करने इत्यादि की शिक्षा दी। इस संसार से विदा ली।

गुरु रामदासजी अपने छोटे बेटे अर्जुन देव को गद्दी सौंपकर इस संसार से 46 वर्ष की आयु में विदा ली। आपकी रचित सारी वाणी में आज्ञा पालन समस्त मानवों की तरफ से प्रभु परमात्मा से बिना सेवा भाव प्रभु सिमरन बंदगी इच्छापूर्वक सरब सुख दाता-हरि जाके बस है कामधेनु सो ऐसा।

हरि धिआइये मेरे जीओ।. तां सरब सुख पाबे।
जिनि ऐसा हरि नाम न सेविये से काहे जग आए राम राजे।
ऐह मानस जनम दुर्लभ है नाम बिना बिरथा सब जाए।।
जिनके हिरदे नाम न बसिया तिन मात कीजै हरि बांझा।

लंगर प्रसादि के लिए दान देने हेतु प्रयास करने पर आपने बादशाह अकबर से कहा कि- लंगर एक व्यक्ति के दान से नहीं वरना समस्त साध संगत के तिल फुल मेहां से चलना चाहिए। भट कीरतजी ने आप के बारे में कुछ इस तरह लिखा है जो गुरुग्रंथ साहिब में दर्ज है।

हम अवगुण ऐक गुण नाहिं अमृत छांड़ि बिरवे बिख खांही।
माया मोह भरम बह भूले सुत दारा सिओं प्रीति लगाई।
इक अरदास भाट कीरत की गुरु रामदास राखहो सरणाई।

आपके द्वारा 678 शब्दों की रचना की गई है जो गुरु ग्रंथ साहिब में 30 रागों में दर्ज है। आज गुरुदेव के प्रकाश पर्व दिवस पर हम यह प्रण करें कि उनके बताए मार्ग पर चलकर जीवनयापन करेंगे तभी हमारा यह प्रकाश पर्व मनाना सार्थक समझा जाएगा।

- इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

राजनैतिक चौपड़ पर बिछी गोटियां

राजस्थान में एक बार फिर प्रदेश में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस हर हाल में सीटों पर अपना कब्जा जमाने के लिए कांग्रेस ने अपवाद को छोड़कर पुराने चेहरों को ही तवज्जो दी है। कांग्रेस में जिनको टिकट नहीं मिला है उस विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता और मंडल अध्यक्ष चिंतातुर हैं। भाजपा दूसरे टर्म की जीत की आशा रखकर जीतने वाले घोड़े पर ही दांव लगाया है। राजस्थान में कांग्रेस हाईकमान ने तीन सूची जारी कर टिकट आवंटित किए है। अभी चौथी बार की सूची जारी नहीं हुई है। इस सूची में अनेक नामों के खुलने की आशा रखे हुए है। भाजपा ने सूची जारी कर दी है लेकिन इसके पलट राजस्थान में हर मोर्चे पर शिकस्त देने की गरज से उनके उम्मीदवारो की टक्कर में अपने प्रत्याशी इस तरह से तय किये है कि यदि सीट न निकले तो न सही पर विपक्ष को न मिले। राजस्थान में दोनों ही पार्टी की परंपरागत सीटे है। जहां से भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और कांग्रेस के वर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहले कई बार से जीतते आ रहे हैं। सीटों को कब्जे में बरकरार रखने के लिए भाजपा और कांग्रेस के दिग्गजों को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा आसानी से इन सीटों को कांग्रेस की झोली में जाते हुए नहीं देखना चाहती। लिहाजा, पहले से घोषित उम्मीदवारों को ऐन वक्त पर बदलकर क्षेत्रीय गणित के हिसाब से नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया है। राजस्थान में गोगुन्दा विधानसभा सीट पर पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया को टिकट आवंटन में लेटलतीफी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए सिरदर्द बना हुआ है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आलाकमान से अपील की है कि डॉ मांगीलाल गरासिया को टिकट दिया जाए। अगर उनको टिकट नहीं मिलता है तो मांगीलाल को निर्दलीय उम्मीदवार खड़ा कर जीत दिलाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता और गोगुन्दा मंडल अध्यक्ष की सहमति आलाकमान के लिए सोचनीय विषय बन गया है। इस पर मंथन चल रहा है। इससे सीधा फायदा भाजपा को मिल रहा है। कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई में बाज नजर रखे हुए भाजपा नेताओं को फायदा होता दिख रहा है। राजस्थान में दलित आदिवासी को एक मंच पर लाकर राजनैतिक जमीन तलाश रहे हैं। कांग्रेस का मानना है कि दलित आदिवासी एक ताकत के रूप में जुड़ेंगे तभी उनका राज होगा। राजस्थान में गोगुन्दा विधानसभा सीट पर गरासिया समाज और भील समाज को साधने के लिए कांग्रेस और भाजपा ने मिशन की शुरुआत कर दी है। दो टर्म से विधायक रहे प्रताप गमेती को इस बार उनको फिर से तीसरी टर्म के लिए टिकट दिया गया है। उनके कार्यकाल में विकास के कार्यो को सराहा गया। उदयपुर के आदिवासी बहुल क्षेत्र गोगुन्दा भाजपा का अब तक गढ़ बना हुआ है।

विधायक प्रताप गमेती को अपना हितैषी जताने की पुरजोर कोशिश की और लोगों के उत्थान की दिशा में किए गए अपने कार्यो की फेहरिस्त पेश की और सर्वे में प्रताप गमेती सबसे अग्रणी रहे। राजस्थान में राजनैतिक लाभ तलाशे जा रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा जीत का दावा कर रही है। राजस्थान में भाजपा वोटरों के दिमाग में यह बैठाने का प्रयास किया जा रहा है कि उनका आधार केवल राजस्थान तक ही नही है। देश में मजबूत सरकार के रूप में प्रतिष्ठित हुई है। देश में भाईचारे की मिसाल दी जा रही है। जनता के हित में किए गए और लिए गए निर्णयों को गिनाया जा रहा है। कांग्रेस अपनी प्रारम्परिक जनकल्याणकारी योजनाओं को चुनाव के रूप में देख रही है। प्रदेश में स्वतंत्र हैसियत बनाने के लिए दोनों दल सेंधमारी करता नजर आ रहा है। 25 नवम्बर को राजस्थान में चुनाव है। भाजपा और कांग्रेस चुनाव में कैसे प्रदर्शन कर पायेगी ? यह समय की बलिहारी है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

आज फिर गिर सकता है भाजपा का एक और विकेट

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी को दूसरा झटका आज सोमवार को लगने वाला है। पार्टी नेता एवं नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन भरने वाले हैं। जिसकी तैयारी कर ली गई है। अग्रवाल अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन भरेंगे।

विधानसभा चुनाव के बीच ननिज के नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल निर्दलीय के रूप में ठोंक सकते हैं ताल

यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि रविवार को भाजपा के नगराध्यक्ष प्रभात साहू ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। इसमें उन्होंने पार्टी के कुछ नेताओं पर निशाना साधते हुये कहा है कि 21 अक्टूबर को भाजपा के संभागीय कार्यालय में जिन नेताओं के समर्थकों ने हंगामा मचाकर पार्टी की किरकिरी कराई थी, उन पर अनुशासन की कार्रवाई की जानी चाहिये थी, वहीं ऐसे नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व के नेताओं से मुलाकात कराई जा रही है। इससे ऐसे लोगों को बढ़ावा मिलेगा जो आने वाले समय के लिये पार्टी की सेहत के लिये सही नहीं माना जा सकता है। श्री साहू पूर्व महापौर भी हैं। इसलिये उनकी शहर में अच्छी खासी पकड़ से इंकार नहीं किया जा सकता है।

इधर पार्टी का एक और विकेट युवानेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके कमलेश अग्रवाल के निर्दलीय के रूप में उत्तर मध्य से चुनाव लड़ने के ऐलान ने भाजपा की समस्या को बढ़ा दिया है। जिसे लेकर पार्टी गलियारों में चर्चाओं का दौर चल रहा है। अब देखने वाली बात होगी घोषणा के अनुरूप कमलेश अग्रवाल अपना नामांकन किस तरह जमा करेंगे या सुबह होते तक अपना निर्णय बदल देंगे यह कहना अभी जल्दबाजी होगी।

इस बीच पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस की नजर है और पल-पल बदल रहे समीकरणों का गुणा- भाग लगाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार कमलेश अग्रवाल ने भी टिकट मांगी थी, उन्हें भरोसा भी दिलाया गया था, पूर्व में महापौर के चुनाव में मौका देने की बात कही गई थी, उस समय भी ऐसा नही हुआ और डाक्टर जितेंद्र जामदार को महापौर प्रत्याशी बना दिया गया था। अब पुन: अग्रवाल को अवसर नहीं मिला है इससे वे नाराज हैं, ऐसा समर्थकों का मानना है।

पचास फीसदी मतदान केन्द्रों पर बेबकास्टिंग से रखी जायेगी नजर

तीन या तीन से अधिक मतदान केन्द्रों वाले भवनों पर लगाये जा सकेंगे अतिरिक्त कैमरे

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विधानसभा का निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव कराने प्रदेश के प्रत्येक जिले में न्यूनतम पचास फीसदी मतदान केन्द्रों पर बेबकास्टिंग के जरिये निगरानी रखने के निर्देश दिये हैं। मुख्य निवार्चन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा है कि मतदान केन्द्रों की बेबकास्टिंग का कार्य चयनित वेण्डरों के माध्यम से कराया जाये।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने हाल ही में एक पत्र जारी कर कहा है कि ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में जहां एक ही लोकेशन पर तीन या तीन से अधिक मतदान केन्द्र स्थापित हैं आवश्यकता पड़ने पर वहां बेबकास्टिंग द्वारा मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं की कतार और मतदान केन्द्र के परिधीय क्षेत्रों को कवर किये जाने हेतु एक-एक पृथक कैमरे और स्थापित किये जा सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार उनके जिले में चिन्हित चेकपोस्टों पर बेबकास्टिंग के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग कराकर निगरानी का कार्य कराया जाये। इसके लिये उन्होंने चिन्हित चेकपोस्टों की बेवकास्टिंग हेतु आवश्यकतानुसार एक या दो कैमरे लगाने कहा है ताकि इनके माध्यम से रोड के दोनों ओर वाहनों की गतिविधियों की सुलभ निगरानी हो सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि यदि किसी जिले में चयनित चेकपोस्टों के अलावा भी अन्य नाकों पर 24 घंटे निगरानी कराया जाना अति आवश्यक प्रतीत होता है तो इस संबंध में पूर्ण औचित्य के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को अवगत कराते हुये ऐसे नाकों पर स्थानीय वैण्डर्स के माध्यम से सीसीटीव्ही कैमरे लगाकर निगरानी कराई जा सकती है।

सुगम्य निर्वाचन हेतु गठित जिला स्तरीय मॉनीटरिंग कमेटी की बैठक कल

विधानसभा चुनाव के तहत सुगम्यू निर्वाचन हेतु गठित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक 30 अक्टूबर को शाम 4 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन करेंगे। समिति के सभी सदस्यों को बैठक में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के निर्देश दिये गये है।

भारतीय ब्राह्मण एकता मिशन का वन भोज का कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय ब्राह्मण एकता मिशन द्वारा गोपालपुर स्थित गौतम गौशाला में संस्कारधानी के समस्त ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारियों को संयुक्त रुप से बुलाकर विप्र समागम एक भव्य कार्यक्रम रखा गया, इस कार्यक्रम में मां नर्मदा मैया जी एवं परशुराम जी के पूजन अर्चन उपरांत भजन कीर्तन का आयोजन किया गया, इस आयोजन में समस्त ब्राह्मणों का वन भोज रखा गया, सभी ब्राह्मणों ने अपनी अपनी बात रखी, ब्राह्मण विप्रो ने ब्राह्मण उत्थान एवं भविष्य में होने वाले यगोपवीर संस्कार एवं अगले महीने ब्राह्मणों की विशाल संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, इस संदर्भ में भी चर्चा हुई, इस अवसर पर डाक्टर संजय गौतम, शोभा तिवारी, जगदीश दुबे, चंद्रशेखर शर्मा, कल्पना तिवारी, अमित दुबे, नंदा शर्मा, सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण संगठन के पदाधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे ।

अजय ग्रोवर कांग्रेस सेवा दल के ब्लाक मुख्य संगठक, अध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर, देशबन्धु। कांग्रेस सेवादल जिला शहर कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक राजेन्द्र मिश्रा एडवोकेट ने कांग्रेस सेवा दल के प्रति लगनशीलता कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए अजय ग्रोवर को पश्चिम विधानसभा क्रमांक 100 के अंतर्गत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मदनमहल सेवादल का मुख्य संगठक /अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अजय ग्रोवर की नियुक्ति पर जिला शहर कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की है।

रेलवे के स्काउट एवं गाइड ने प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक धोखा सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे में जारी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील के मुख्य अतिथि में रेलवे के स्काउट एवं गाइड के सदस्यों के द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। रेलवे परिसर में आयोजित इस नुक्कड़ नाटक धोखा सिंह के माध्यम से प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के संबंध में शानदार ढंग से संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वय प्रदीप कुमार, आनंद कुमार ,वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर मनीष पटेल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर श्री जे. पी. सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक यशवंत कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजेश शर्मा एवं सभी विभागों के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे । नाटक में स्काउट एवं गाइड के आत्मानंद श्रीवास्तव,अनिल पाली, संजीव तिवारी, रजनीश यादव,कृष्णा उपाध्याय,ज्ञानेश,विनीता धाकड़,जगदीप पाण्डेय आदि की भूमिका प्रशानीय रही। नाटक के उपरांत अपने संबोधन में डी आर एम श्री शील ने इस नाटक को भ्रष्टाचार पर एक प्रहार बताते हुए इसकी प्रशंसा की।

जबलपुर नगर निगम जे.सी.टी.एस.एल. को मिला राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार

पूरे प्रदेश में नाम रोशन हुआ जबलपुर नगर निगम का

सेमीनार नई दिल्ली में आयोजित अर्बन मोबिलिटी में मिला पुरस्कार

जबलपुर, देशबन्धु। भारत सरकार के शहरी विकास एवं आवास मंत्रालय द्वारा आयोजित 16 वीं अर्बन मोबिलिटी इंडियन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली में जे.सी.टी.एस.एल. के द्वारा जबलपुर नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार दिया गया है। यह अवार्ड भारत सरकार शहरी विकास एवं आवास मंत्रालय के सचिव मनोज जोशी द्वारा प्रदान किया गया। नई दिल्ली में जे.सी.टी.एस.एल. को मोटर इन्होवेटिव फाइनेंसिंग मेकैनियम कैटेगरी में यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

विदित हो कि नगर निगम जबलपुर कमिश्नर स्वप्निल वानखड़े के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल हुई है। जिससे पूरे प्रदेश में जबलपुर नगर निगम का नाम रोशन हुआ है। जे.सी.टी.एस.एल. द्वारा जबलपुर शहर में अमृत योजना के अंतर्गत ग्रास कास्ट कॉन्ट्रैक्ट हाइब्रिड मॉडल पर स्थिति बस सेवा का संचालन किया गया था। इस कांफ्रेंस में सचिन विश्वकर्मा मुख्य कार्यपाल अधिकारी जे.सी.टी.एस.एल., शीतल उपाध्याय, अंकित गुप्ता, सूर्य प्रकाश वाल्मीकि आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रगतिशील कुशवाहा समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। प्रगतिशील कुशवाहा समाज, जबलपुर का युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं सामाजिक मिलन समारोह श्रीराम मन्दिर तिरसिया बाई ट्रस्ट बारात घर, आधारताल में आयोजित किया गया है, किया गया जिसमें जिले के ही नहीं जिले के बाहर के स्वजातीय बंधुओ ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई एवं कार्यक्रम सफल बनाने में अपना बहूमूल्य सहयोग एवं समय प्रदान किया समिति उन सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करती है कार्यक्रम में समिति समिति द्वारा समाज के दिवंगत समाज सेवियों का भी सम्मान भी उनके सम्मान मैं उन्हें 卐स्मृति शेष समाज गौरव सम्मान卐 उनके परिवारों को प्रदान किया गया एवं समिति में अनवरत सहयोग करने हेतु सामाजिक बांधुओं समिति सदस्यों को भी सम्मान किया गया साथ ही पढ़ाई लिखाई खेलकूद में बच्चों के अच्छे उत्कृष्ट कार्य हेतु उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया, कार्यक्रम में निम्न सामाजिक अतिथिगण शामिल हुए।

अस्थायी कार्यालय में लहराएगा सिर्फ एक झंडा

चुनाव प्रचार को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश जारी, लोडिंग वाहन में नहीं ढो सकेंगे प्रचार सामग्री

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में आचार संहिता प्रभावी रहने के दौरान राजनैतिक दल प्रचार सामग्री ढोने वाले वाहनों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार में नहीं कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने राजनैतिक दल अपने कार्यालयों में प्रचार सामग्री ढोने के लिए व्हीकल परमिट देने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को अधिकृत किया है। वाहन के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए राजनैतिक दल को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को आवेदन देना होगा। इस वाहन का उपयोग चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इस वाहन पर आने वाले खर्च को संबंधित विधानसभा उम्मीदवार के चुनाव खर्च में जोड़ा जाएगा।राजनैतिक दल अपने पदाधिकारियों को चुनावी अभियान के उद्देश्य से जिले के विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने के लिए वाहन संबंधी आवेदन देंगे। इस वाहन का खर्च उम्मीदवार के खाते में नहीं जुड़ेगा, बल्कि यह खर्च राजनैतिक दल को वहन करना होगा।

ये होगा झंडे का साइज

भारत निर्वाचन आयोग प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालय को लेकर भी निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर खोले जाने वाले अस्थायी कार्यालय में केवल एक झण्डा और 4 गुना 8 फीट के आकार का एक बैनर ही लगा सकेगा। झंडे और बैनर में अभ्यर्थी केवल पार्टी का प्रतीक अथवा फोटोग्राफ ही लगा सकेगा। अस्थायी कार्यालय खोलने के लिए विधिवत अनुमति भी प्राप्त करनी होगी। स्थायी कार्यालय सार्वजनिक या निजी संपत्ति पर अतिक्रमण कर नहीं खोला जाएगा। अस्थायी कार्यालय किसी भी धार्मिक स्थान या धार्मिक स्थल के परिसर तथा शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों में भी नहीं खोला जा सकेगा। मौजूदा मतदान केंद्रों से 200 मीटर के दायरे में भी नहीं खोल सकेंगे।

ओएफके में सीएनसी मशीनों के लिए पूरे अनुभाग को एयरकूल्ड बनाया

जबलपुर, देशबन्धु। निर्माणी ने एक अच्छे पीसवर्क के साथ काम करते हुए लगभग 1200 करोड़ का उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। वहीं वित्तीय वर्ष समाप्त होते-होते यह 2600 से 2700 करोड़ तक का हो जाएगा।आयुध निर्माणी खमरिया (ओएफके) महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित हुई स्थानीय उत्पादकता समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जो कि खमरिया का एक ऐतिहासिक अचीवमेंट होगा।

इस दौरान प्रेजेंटेशन में लगभग सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने हेतु योजना बनाई गई। सबसे महत्वपूर्ण पिछले वर्ष की अपेक्षा बिजली, पेट्रोल,डीजल,फर्निश में खपत की मात्रा बेहद कम हुई है। खमरिया द्वारा अन्य देशों को एक्सपोर्ट के लिए भी एक अच्छा आर्डर प्राप्त हुआ है। जिसकी आपूर्ति हेतु तेजी से कार्य आरंभ है। आर एंड डी के क्षेत्र में 84 एमएम, 30 एम एम, 125 एमएम को लगातार अत्याधुनिक बनाया जा रहा है। एमआईएल प्रतिनिधि आनंद शर्मा बताया कि जल्द ही फीलिंग भवनों में गोले फर्निश लगाने का काम संपन्न होगा। ए-3 अनुभाग में सीएनसी मशीनों के लिए पूरे अनुभाग को एयरकूल्ड बनाया जाएगा।

निर्माणी में रिचार्जेबल बल्ब अतिशीघ्र वितरीत किए जाएंगे। ऑटोमेशन के नाम पर जो प्लांट लगाए गए हैं उन कंपनियों द्वारा सही रिस्पांस ना देने पर कंपनी को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा। वित्तीय वर्ष को देखते हुए सभी कार्मियों को पे पॉकेट का ख्याल रखा जाएगा।

निर्माणी में फीलिंग भवनों में लगी हुई प्रेस मशीन जिनकी आयु समाप्त हो चुकी है। वह बदलकर अतिशीघ्र नई मशीन लगाई जाएगी। कर्मचारियों के स्थानांतरण पर तय किया अनुभवी कर्मचारी है उसका स्थानांतरण बार-बार ना किया जाए एवं केमिकल ट्रेड से जुड़े हुए कार्यवेक्षकों को फीलिंग में स्थानांतरित किया जाए।

विवरणिका 2023 का विमोचन

जबलपुर, देशबन्धु। श्री विश्वकर्मा महासंगठन म,प्र, जबलपुर के द्वारा आयोजित युवक युवती सम्मेलन 2023 में आये शादी योग्य बायोडेटा को संकलित कर पत्रिका विवरणिका का विमोचन सुपर मार्केट कॉफी हाउस जबलपुर में हुया। इसमे श्री संतोष विश्वकर्मा , रविन्द्र विश्वकर्मा , श्रीमती शिवकली मालवीय, के के विश्वकर्मा, मुकेश विश्वकर्मा अरविंद विश्वकर्मा,अम्बिका विश्वकर्मा अध्यक्ष राम बाबू विश्वकर्मा उपस्थित थे ।

आम नागरिक सामान्य व व्यय प्रेक्षकों को मोबाइल फोन पर दे सकेंगे चुनावी गतिविधि व खर्च सबंधी जानकारी

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 को स?वतंत्र, निष?पक्ष, पारदर्शी एवं शांति पूर्वक संपन?न कराने के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले की आठों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिये भारतीय प्रशासनिक सेवा के पांच सामान?य प्रेक्षक व भारतीय राजस?व सेवा के चार व?यय प्रेक्षक नियुक?त किये है। इस दौरान नागरिकों द्वारा चुनावी गतिविधि?यों व निर्वाचन व्यय सबंधी जानकारी या शिकायतों के लिये प्रेक्षकों के मोबाईल नंबर भी दिये गये है। विधानसभा पाटन के लिये के सामान?य प्रेक्षक श्रीमती अरूणिमा डे, जिनका मोबाईल नंबर 9009978194 है। विधानसभा क्षेत्र बरगी एवं जबलपुर पूर्व के लिये सामान?य प्रेक्षक श्री सुहर्ष भगत, जिनका मोबाईल नंबर 7746009972 है। विधानसभा क्षेत्र जबलपुर उत?तर एवं केंट के लिये सामान?य व?यय

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पांच सामान्य प्रेक्षक व भारतीय राजस्व सेवा के चार व्यय प्रेक्षक नियुक्त

प्रेक्षक श्री सौरभ जैन, जिनका मोबाईल नंबर 9584009957 है। विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम और पनागर के लिये सामान?य व?यय प्रेक्षक सुश्री आकांक्षा रंजन, जिनका मोबाईल नंबर 9009938491 है। विधानसभा क्षेत्र सिहोरा के लिये सामान?य व?यय प्रेक्षक श्री मनीष कुमार बंसल, जिनका मोबाईल नंबर 9522268331 है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के ये पांचो प्रेक्षक सर्किट हाउस क्रमांक-एक में ठहरे हैं।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र पाटन और जबलपुर पूर्व के लिये नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्री कुमार आदित्य को मोबाइल नम्बर 6263438210 पर नागरिकों द्वारा इन विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के निर्वाचन व्यय सबंधी जानकारी या शिकायत दी जा सकेगी। इसी प्रकार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बरगी एवं जबलपुर पश्चिम के व्यय प्रेक्षक श्री अभिषेक यादव को मोबाइल नम्बर 6261365979 पर, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पनागर एवं सिहोरा के व्यय प्रेक्षक श्री राजेश कोठारी को मोबाइल नम्बर 6268306169 पर तथा विधानसभा क्षेत्र जबलपुर केंट एवं जबलपुर उत्तर के व्यय प्रेक्षक श्री पियुष भारद्वाज को मोबाइल नम्बर 6268398626 पर नागरिकों द्वारा सबंधित विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के चुनावी खर्च सबंधी जानकारी या शिकायत दी जा सकेगी। भारतीय राजस्व सेवा के ये चारों अधिकारी सर्किट हाउस क्रमांक-दो में ठहरे हैं। सर्किट हाउस में मौजूदगी के दौरान नागरिकों द्वारा सबंधित सामान?य व व्यय प्रेक्षक से भेंटकर भी निर्वाचन संबंधी व व्यय के बारे जानकारियां या शिकायत दी जा सकेगी।

शहर कांग्रेस सेवादल में नई नियुक्तियां

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में संगठन को गति प्रदान करने हेतु तथा सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करने हेतु शहर कांग्रेस सेवादल में नई नियुक्तियां की गई है, जबलपुर कांग्रेस सेवादल प्रवक्ता जितेंद्र यादव की विज्ञप्ति के अनुसार जिसमें कैंट विधानसभा अंतर्गत गौरैया यादवङ्क प्रभारी कैंट विधानसभा, मनोज लोधी अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रांझी खमरिया, सोहनलाल कटारे अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोकलपुर अधारताल एवं अजय कुमार कुशवाहा अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कैंट को नियुक्त किया गया है, इसी तरह पश्चिम विधानसभा में उमेश पटेलङ्क प्रभारी पश्चिम विधानसभा के साथ अजय ग्रोवर अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मदन महल, शुभम शुक्ला अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी इंदिरा गांधी, स्नेह यादव अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शंकर शाह तथा सुरेश पटेल अध्यक्षङ्क ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जवाहरलाल नेहरू को नियुक्त किया गया है तथा पंडित राजीव तिवारी को उत्तरङ्क मध्य विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया गया इन सभी की नियुक्तियां अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवा दल के महामंत्री डॉ सत्येंद्र यादव जी एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष योगेश यादव जी की की अनुशंसा पर शहर कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र मिश्रा जी के द्वारा किया गया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो को निर्देशित किया गया है, कि सक्रियता से अपने-अपने क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशियो को जिताने के लिए कार्य करें।

मुशायरे मे अनेक शायरों ने पेश किये कलाम

जबलपुर, देशबन्धु। ग्यारहवीं शरीफ के मौके पर गत रात्रि गढ़ा काजी मुहल्ला स्थित ख़ानकाहे कादरिया, हुसैनिया मे 60 वा माहाना हल्का ए जिक्र व तरही मनक़बती मुशायरे का एहतेमाम किया गया। मुशायरे की सरपरस्ती डॉ. सैय्यद अब्दुल मुहेमिन कादरी हैदराबाद ने की । असलम माजिद की सदारत मे आयोजित आयोजन मे मौलाना फज़्ले रब अशरफी, अल्हाज खलील शाह ने कयादत फरमाई । मुशायरे मे अनेक शायरों ने गौसे आज़म की शान मे अपने कलाम पेश किये। अंत मे कन्वीनर हाफिज फजल हुसैन कादरी ने तमाम हज़रात का इस्तकबाल कर शुक्रिया अदा किया।

करवाचौथ की सामग्री से सज गए बाजार

1 नवंबर को पति की दीर्घायु के लिए महिलाएं रखेगीं निर्जला व्रत

जबलपुर, देशबन्धु। विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए करवाचौथ का व्रत रखकर करवा माता का पूजन-अर्चन कर पति की दीर्घायु के लिए प्रार्थना करती है। सबसे पहले करवाचौथ का व्रत उत्तर भारत के पंजाब और हरियाणा में मनाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे करवाचौथ का व्रत भारत के अधिकांश राज्यों में मनाया जाने लगा है। हालांकि करवाचौथ का व्रत 1 नवंबर को है, लेकिन करवाचौथ की सामग्री के बाजार अभी से सज गए है, जहां महिलाएं बाजारों में जाकर व्रत में उपयोग होने वाली सामग्री की जमकर खरीददारी कर रही हैं। करवाचौथ के दिन महिलाएं निर्जला व्रत करती है, और रात्रि को चौथ का चांद निकलने पर महिलाएं छलनी में से चांद देखकर पति का पूजन कर उनके हाथों से पानी पीकर अपना व्रत पूर्ण करती है।

करवा चौथ का व्रत 1 नवंबर को है, लेकिन महिलाएं अभी से करवा चौथ की तैयारियों में जुट गई है। करवा चौथ को लेकर शहर के बाजारों में अभी से रौनक दिखाई पड़ रही है। व्रत को लेकर महिलाओं में अच्छा-खासा उत्साह है, तथा इसे यादगार बनाने के लिए महिलाओं ने जमकर खरीदारी करना शुरू कर दिया।

महिलाएं करवाचौथ की तैयारी के लिए बाजारों से साड़ियां, चूड़ियां, ज्वेलरी व नए सूटों की खरीदारी कर रही है। महिलाएं सुहाग की सारी सामग्री के साथ-साथ मेहंदी लगवाने वालों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है। बाजारों में महिलाओं के साज-सज्जा के लिए जगह-जगह दुकानें सजी हुई हैं। करवा-चौथ पूजन के लिए खास माने जाने वाले मिट्टी के करवा भी बाजारों में उपलब्ध हैं।

बता दें कि जीवन साथी की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत महिलाओं के लिए खास होता है। शहर के बाजार महिलाओं के सामान से सज गए हैं। चाहे वह ज्वेलरी हो या फिर कपड़े की दुकान हर जगह महिलाओं की भीड़ दिखाई पड़ रही है। शहर के ब्यूटी पार्लरों में महिलाओं की ओर से एडवांस बुकिग की जा रही है। इसके अलावा मेहंदी लगाने के लिए भी बाजारों में जगह-जगह दुकानें लगी हुई हैं।

गायत्री शक्ति पीठ परिसर भक्ति गीतों से गूंज उठा

जबलपुर, देशबन्धु। हर वर्ग के बच्चों को निशुल्क संगीत सिखाकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का कार्य गायत्री परिवार द्वारा किया जा रहा है। गायत्री परिवार के संस्थापक वेद मूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का कहना है कि प्रज्ञा गीतों में भक्ति एवं राष्ट्रीय हित समाहित रहता है। गीत संगीत के माध्यम से व्यक्ति के अंतर्मन हृदय तक पहुंचा जा सकता है, संगीत के द्वारा व्यक्ति के विचारों को बदलने का एक महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकता है। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रमोद राय द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतिभागियों द्वारा बहुत ही सुंदर गीत प्रस्तुत किए गए जैसे की चंदन सी इस देश की माटी बच्चा-बच्चा हर राम हो,,,,,,ना सोचो अकेली किरण क्या करेगी,,,,,कर रहे हैं साधना हम गुरुवर_यह प्रतियोगिता तीन भागों में आयोजित की जाती है। ग्रुप ए के 14 में से चार प्रतिभागी ग्रुप बी 12 में से चार प्रतिभागी एवं ग्रुप सी 10 में से चार प्रतिभागियों को फाइनल के लिए चयनित किया गया है। वॉइस ऑफ प्रज्ञा के राष्ट्रीय संयोजक एवं निर्णायक मंडल प्रमुख गोविंद श्रीवास्तव ने बताया संगीत जीवन को सार्थक बनाता है। बच्चों-युवाओं में आंतरिक शक्ति के जागरण तथा प्रसन्न रहने के लिए संगीत अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि संगीत को गुनगुनाने मात्र से ही शरीर में शक्ति प्रदान करने वाले हार्मोन्स अपने आप जागृत होकर पॉजिटिव एनर्जी से व्यक्ति को भर देते हैं, एवं छुपी हुई प्रतिभा को जागृत करते हैं। अनेकों बार व्यक्ति की जटिल बीमारियां भी संगीत के माध्यम से ठीक करने के प्रमाण हमारे ग्रंथों में मौजूद हैं। इस दौरान गायत्री शक्ति पीठ का संपूर्ण परिसर भक्ति गीतों से गूंज उठा एवं सभी ने उनकी प्रशंसा की। इस मौके पर विजय वर्मा, नीता चक्रवर्ती और पूजा झा के द्वारा प्रतिभागियों को चयनित किया गया। कार्यक्रम में पूनम दुबे, श्रीमति मधु नामदेव, दीप्ति मिश्रा, रमेश पटेल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन वंदना राजपूत द्वारा किया गया।

शरद पूर्णिमा पर जीवन की स्थिति का आव्हान : विमला दीदी

जबलपुर, देशबन्धु। शरद पूर्णिमा का सम्पूर्ण चन्द्रमा हमें याद दिलाता है कि हमें संपूर्णता का वरण करने के लिए अपने अंतर की सूक्ष्म चेकिंग कर के विकारों को लेश मात्र को भी हटाने का पुरुषार्थ करना होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी विमला दीदी ने कहा कि अपनी बुद्धि में सदा सकारात्मक संकल्प कर के हम अपने जीवन को सकारात्मक बना सकते है। कार्यक्रम में शरद पूर्णिमा के अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था के सभी भाई बहनों ने विशेष आध्यात्मिक गरबा रास के आयोजन के साथ-साथ गहन शांति की अनुभूति करते हुए सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना के संकल्प के साथ राजयोग का अभ्यास किया।

आध्यात्मिकता की निशानी है चेहरे में दिव्यता: कैलाश दीदी-गांधीनगर गुजरात से नगर आई ब्रह्माकुमारी कैलाश दीदी के सान्निध्य में शिव वरदान भवन कटंगा कॉलोनी में गहन आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। जीवन में परिस्थितियां तो आना ही है, इन परिस्थितियों का सामना करते हुए भी सहज और सरल रहना और अपनी मनोस्थिति को सकारात्मक रख पाना जीवन का सबसे बड़ा पुरुषार्थ है।

इस तरह के उक्त विचार गांधीनगर गुजरात से संस्कारधानी आयीं ब्रह्माकुमारी कैलाश दीदी ने शिव वरदान भवन कटंगा कॉलोनी में गहन आध्यात्मिक सत्संग में व्यक्त किये। उन्होंने आगे बताया कि अपने आप को परमात्मा की छत्र छाया में रखने का सबसे उत्तम साधन है, अपने आप को उस परमपिता परमात्मा का बच्चा समझना, बच्चा समझने का मतलब दुनिया की उलझनों से बचे रहना। हम भारत को स्वर्णिम बनाने की सेवा के लिए तत्पर है, तो हमे अपने जीवन के हर कर्म को, हर संकल्प को, हर बोल को, सत्य स्वरूप में स्थित हो कर करना होगा। इस अवसर पर जबलपुर और आस पास के सेवा केन्द्रों के भाई बहन ब्रह्माकुमारी बाला दीदी, ब्रह्माकुमारी आरती दीदी, रतन भाई, कमल मोहन भाई, सुमित भाई, अनूप भाई, समीक्षा बहन, मोनिका बहन, स्वीकृति बहन आदि उपस्थित थे।

श्री सिद्ध महाकाली शक्ति पीठ में पूजन और भंडारा आज

जबलपुर, देशबन्धु। श्री सिद्ध महाकाली पीठ रैंगवा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माता महाकाली का द्वितीय प्रकटोत्सव मनाया जा रहा है। इस महापर्व में आज सोमवार को दोपहर 2 बजे से कन्याभोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। पंच ज्योति काली संस्थान ट्रस्ट के संस्थापक पंडित सुधीर दुबे शास्त्री ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महापर्व का आयोजन श्री सिद्ध काली पीठ किया गया है। श्री सिद्ध काली पीठ ग्लोबल कॉलेज के पास, सुधा सागर विहार पाटन बायपास रोड में आयोजित कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं से महाकाली मां का आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

निशान साहिब की सेवा सम्पन्न

5 नवम्बर को प्रकाश पर्व

जबलपुर,देशबन्धु। हरमिंदर साहिब अमृतसर के संस्थापक सिक्खों के चौथे गुरु श्री गुरु रामदास के आयामी 5 नवम्बर को मनाये जाने वाले पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर रविवार को सिक्ख धर्मावलंबियों द्वारा गरुद्वारा अधारताल में धर्मध्वजा के सरिया निशान साहिब के पावन चोले की सेवा पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ सम्पन्न की गई।

जिसमें भारी संख्या में उपस्थित संगत ने सेवा में हिस्सा लेकर पुण्यलाभ अर्जित किया। यह सेवा स.गुरुचरण सिंघ चावला , रमेश कुमार रोहरा

परिवार की तरफ से की गई थी। इस मौके पर सभी सिंघों के द्वारा गुरवाणी कीर्तन प्रस्तुत किया गया , समापन पर ग्रंथी साहिबान द्वारा समस्त मानवता के कल्याण विश्व शांति आपसी प्रेम व भाईचारे की अरदास सम्पन्न कर मिष्ठान प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष स.हरमिंदर सिंघ सैनी, गुरुदीप सिंघ सोढ़ी, कुलजीत सिंघ दुग्गल,भूपिन्दर सिंघ भारज,रजिन्दर सिंघ, रघुवीर सिंघ आदि उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने समस्त संगत व सेवादारों का खासा योगदान रहा।

महर्षि वाल्मीकि जी का मनाया गया प्रकोटोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। महर्षि वाल्मीकि जयंती के प्रकोटोत्सव समारोह के दौरान समस्त वाल्मीकि समाज ने एकत्रित होकर सामाजिक एकता का परिचय दिया। महर्षि वाल्मीकि जी का प्राकोटोत्सव संस्कृति थियेटर भंवरताल गार्डन में रामायण पाठ से शुरूआत करते हुए कार्यक्रम आरंभ हुआ। कार्यक्रम के अगले चरण में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ समाज के वरिष्ठ समाज सेवियों का समाज के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों के लिए महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सम्मानित किया गया। वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष रूप किशोर चौहान ने अपने उद्बोधन में बताया कि

महर्षि वाल्मीकि जी वंश के रघुकुल की वंशावली में श्रीराम के पुत्र लव-कुश का पालन-पोषण किया, और राजाराम के कुलदीपों को शिक्षित किया। वाल्मीकि जयंती के तीसरे और अंतिम चरण में स्वच्छ भारत थीम पर नाट्य रूपांतरण किया गया। वंदेभारतम् गायन किया। शिव पार्वती नृत्य किया गया और अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महर्षि वाल्मीकि प्राकोटोत्सव सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे मौजूद- राज्य सांसद सुमित्रा वाल्मीकि ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम आरंभ किया। विशिष्ठ अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, निगम अध्यक्ष रिंकू विज, कांग्रेस नेता सौरभ नाटी शर्मा सहित अन्य समाज सेवियों ने कार्यक्रम में शामिल होकर महर्षि वाल्मीकि जी एवं बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया।

समाज के अध्यक्ष रूपकिशोर चौहान, महामंत्री दिनेश मछंदर, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र पथरील, बलराम सपेरा, उमाशंकर करोसिया, धर्मदास बघेल, गोविंद डागौर, संतलाल खरे, छन्नू पारोचे, नीरज तामोर, रीतेश मौर्य, अमित सुलेमान, अरविंद चौहान, दिलीप पारोचे, रविकांत डागौर, अखिलेश करोसिया, आशीष डागौर, रवि करोसिया, एड. देवकरण चंदेल, शंभू कछवाहा, कमलेश खरा, संध्या चौहान, दया ठाकुर, शालिनी चौहान, शकुन कुशवाहा, आरती सिहोते, आशा खरे एवं सैंकड़ों की संख्या में सामाजिक बंधुओं ने प्रकोटोत्सव मनाया।

दैनिक राशिफल

सोमवार 30 अक्टूबर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक कृष्णपक्ष की द्वितीया। नक्षत्र-कृतिका

मेष
आज का दिन आनंद और उल्लास से भरा हुआ होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा होगा।

वृषभ
शारीरिक तथा मानसिक रुप से आज आप चिंता में रहेंगे। चिंताओं के कारण मानसिक दबाव होगा, जिससे आपको थकान महसूस हो सकती है।

मिथुन
आपका आज का दिन विविध लाभों की प्राप्ति करानेवाला होगा। परिवार में पुत्रों और पत्नी की तरफ से लाभदायक समाचार मिलेंगे।

क.

तुला
आज का दिन प्रणय, रोमांस, मनोरंजन और मौज-मस्ती से भरपूर है। सार्वजनिक जीवन में आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक
पारिवारिक सुख- शांति के कारण शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। निर्धारित कामकाज में आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

धनु
आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आपको पेट संबंधी समस्या हो सकती है। संतान का स्वास्थ्य और उनकी पढ़ाई के संबंध में चिंता से मन व्यग्र रहेगा।

कर्क
नौकरी या व्यवसाय करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायक है। नौकरीपेशा लोगों पर उच्च पदाधिकारियों की कृपादृष्टि रहने से पदोन्नति की संभावना है।

सिंह
आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। आप धार्मिक और मांगलिक कार्यों में जा सकते हैं। आपका व्यवहार न्याय प्रिय रहेगा।

कन्या
आज नए काम हाथ में लेना हितकर नहीं है। बाहर के खाद्यपदार्थों से तबीयत खराब होने की आशंका रहेगी। क्रोध को नियंत्रण में रखने के लिए मौन रहना सही साबित होगा।

मकर
आप का आज का दिन मध्यम फलदायी है। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आज प्रतिकूलता का अनुभव करेंगे।

कुंभ
चिंताओं के बादल हटने से आप मानसिक हल्कापन महसूस करेंगे। मन में उत्साह का संचार होगा, जिस वजह से दिनभर का समय आनंदपूर्वक गुजरेगा।

मीन
आज आप को खर्च पर संयम रखने की सलाह दी जाती है। क्रोध और जिह्वा पर संयम रखें। अन्यथा किसी से विवाद होने की आशंका है।

मा.

यूनियन वेरिफिकेशन और वर्क्स कमेटी चुनाव का नोटिफिकेशन जारी

जबलपुर, देशबन्धु। आयुध निर्माणी खमरिया में इन दिनों वेरिफिकेशन और कार्य समिति चुनाव को लेकर यूनियनों में बड़ी असमंजस स्थित बनी हुई है। एक ओर जहां वेरिफिकेशन का चुनाव 24 जनवरी 2024 के पहले करना है, तो वहीं 9 दिसंबर 2023 को कार्य समिति के चुनाव का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में संघर्ष समिति जहां तीन यूनियन से मिलकर बनी हुई है उनके साथ कार्य समिति चुनाव में आगे बढ़ना अत्यंत कठिन हो गया है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा कर्मचारी यूनियन (इंटक) अपना अकेले दम भर रही है। गौरतलब है कि इस चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा प्रमोशन का छाया रहेगा। जिसमें कर्मचारियों को दो वर्षों का नुकसान हो चुका है। साथ ही सोसाइटी में किए गए वादों को पूरा न कर पाना भी मुश्किल का कारण बनेगा। ऐसी परिस्थिति में यह चुनाव चार यूनियनों के बीच भी हो सकता है। इंटक के आनंद शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव में चार्जमैन भी वोट डाल सके, इसके लिए इंटक यूनियन प्रयास कर रही है, क्योंकि ओ एफ शाहजहांपुर के कैंटीन कमेटी चुनाव में चार्जमैनों ने भी अपने मतों का प्रयोग किया था। सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक के आनंद शर्मा ,अमित चौबे, राकेश रंजन, अखिलेश पटेल, राकेश जायसवाल, अनुपम भौमिक, मोहम्मद नसीम, ह्रदेश यादव, अनिल गुप्ता, रोहित सेठ, मुकेश विनोदिया, महेंद्र रजक, धर्मेंद्र रजक, जीजो जेकब, मुकेश मुखिया, राहुल चौबे, मुकेश पाण्डेय, रमेश यादव, आशीष तिवारी, उदय जायसवाल, अजब सिंह, संतोष सिंह, दुर्गेश सोनी, प्रमोद यादव, अजीत यादव, टी राबिन, जीवन सिंह, मंजू सिंह, रिचा सिंह, सविता ठाकुर, पुष्पा शर्मा, रविकांत मिश्रा, अभय झारिया ने कहा की इंटक यूनियन हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा पत्रक का हुआ पूजन-

27 नवंबर को वृहद पंचकोसी परिक्रमा निकाली जाएगी

जबलपुर, देशबन्धु। नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा 27 नवम्बर कार्तिक पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से वृहत रूप से निकाली जाएगी।

यह 396 वीं परिक्रमा है, जो सैकड़ों वर्षों से निकाली जा रही है। जिससे मूर्त रूप 1996 में दिया गया। जिसका पत्रक पूजन ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज ने बटुक ब्राह्मणों के साथ बगलामुखी मंदिर सिविक सेंटर में विधि विधान से पूजन अर्चन कराया। महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया। सफल कार्यक्रम के लिए बगलामुखी माता की साधना की गई।

इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल, अध्यक्ष डॉ. शिव शंकर पटेल, पंडित मनमोहन दुबे, श्याम मनोहर पटेल, मनोज, गुलाब, सुरेश विश्वकर्मा, प्रशांत जैन, मोहित तिवारी आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में 19 दिन में 150 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की हुई कार्रवाई

एनफोर्समेंट एजेंसियों ने अवैध शराब, मादक पदार्थ, नकद रुपये, अमूल्य धातु, सोना चांदी, ज्वेलरी सहित अन्य सामग्रियां बड़ी मात्रा की जब्त

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के बाद से प्रदेश में एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से विधानसभा निर्वाचन 2023 की प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए उड़नदस्ता दल (एफएसटी), एसएसटी और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अवैध शराब, मादक पदार्थ, नकद रुपये, अमूल्य धातु, सोना चांदी, ज्वेलरी सहित अन्य सामग्रियां जब्त की गई है।

संयुक्त टीमों द्वारा 9 से 27 अक्टूबर तक 150 करोड़ 58 लाख 36 हजार 316 रुपये की कार्रवाई की गई है। इमसें 19 करोड़ 74 लाख 18 हजार 994 रुपये की नकद राशि, 28 करोड़ 90 लाख 15 हजार 533 रुपये की 16 लाख 62 हजार 511 लीटर से अधिक की अवैध शराब, 10 करोड़ 12 लाख 3 हजार 350 रुपये के मादक पदार्थ, 53 करोड़ 55 लाख 82 हजार 585 रुपये के अमूल्य धातु, सोना-चांदी, ज्वेलरी और 38 करोड़ 26 लाख 15 हजार 854 रुपये की अन्य सामग्रियां जब्त की गई है। प्रदेश में वर्ष 2018 के विधानसभा निर्वाचन में (6 अक्टूबर से 28 नवंबर के बीच) आदर्श आचरण संहिता के दौरान 72 करोड़ 93 लाख रुपये की एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की गई थी, जबकि इस वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में 19 दिन में 150 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की कार्रवाई की गई है।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

दीपचंद साहू का निधन

नव निवेश कॉलोनी, गंगा नगर गढ़ा निवासी दीपचंद साहू का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वे संजय साहू और विवेक साहू के पिता थे। अंतिम यात्रा 30 अक्टूबर को सोमवार की सुबह 10 बजे निज निवास से चौहानी शमशानघाट के लिये रवाना होगी।

आशीष भाटिया- भीम नगर पोलीपाथर निवासी आशीष भाटिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में संपन्न हुआ।

विमला माली- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी जगदीश माली की धर्मपत्नी श्रीमती विमला माली (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

अनिल असाटी- बीटी कम्पाउंड गढ़ा निवासी अनिल असाटी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

नरेंद्र यादव- नया मोहल्ला मढ़ाताल निवासी नरेंद्र यादव (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

राधे लाल सूर्यवंशी- आजाद नगर गोकलपुर निवासी राधे लाल सूर्यवंशी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

ममता कोरी- भानतलैया निवासी प्रदीप कोरी की धर्मपत्नी ममता कोरी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरीश मक्कड़- दीनदयाल चौक के पास माढ़ोताल निवासी हरीश मक्कड़ (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

मुकेश गोंटिया- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी मुकेश गोंटिया (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

गोपी चंद यादव- घसिया कॉलोनी ठक्कर ग्राम निवासी गोपी चंद यादव (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

शिव चरण गोंड़- सदर निवासी शिव चरण गोंड़ (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

बाबू लाल विश्वकर्मा- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी बाबू लाल विश्वकर्मा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

भागवती- पटेल नगर महाराजपुर निवासी गूरू प्रसाद की धर्मपत्नी भागवती (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

तरूण रैकवार- गुप्तेश्वर मंदिर के सामने निवासी लखन लाल रैकवार के पुत्र तरूण रैकवार (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कैंट, गोराबाजार के संवेदनशील क्षेत्रों में सीआईएसएफ व पुलिस ने किया पैदल फ्लैग मार्च

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुये मतदान शांति पूर्वक सौहाद्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के लिये रविवार को पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिह के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक कैंट उदयभान बागरी के नेतृत्व में थाना कैंट एवं गोराबाजार के संवेदनशील इलाकों में पैदल फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च में सीआईएसएफ की 2 कम्पनियों के साथ थाना प्रभारी कैंट राजकुमार खटीक एवं थाना प्रभारी गोराबाजार लवकेश उपाध्याय थाने के बल के साथ मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतदान शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से हो, और मतदाताओं को इस बात की पूरी स्वतंत्रता हो कि वे बिना किसी डर/भय/परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, इसके लिये फ्लैग मार्च कराया जा रहा है। इसके साथ ही असामाजिक तत्वों को संदेश देना है कि यदि किसी भी प्रकार की कोई अनैतिक गतिविधि को अंजाम देने का प्रयास किया गया तो कड़ी से कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जायेगी। किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा। फ्लैग मार्च प्रतिदिन सीआईएसएफ की 2 कम्पनी जिसमें लगभग 150 अधिकारी/कर्मचारी हैं के द्वारा शहर एवं देहात के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में किया जा रहा है एवं किया जाता रहेग। ताकि मतदाता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

अधिवक्ताओं ने ली शत प्रतिशत मतदान की शपथ

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश अधिवक्ता क्रीड़ा परिषद द्वारा रविवार को शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में अधिवक्ता खेल कुंभ का आयोजन किया गया। जिला स्वीप नोडल एवं परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र योगेश शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत अधिवक्ताओं ने शत-प्रतिशत मतदान करने की एवं अन्य लोगों को भी विधानसभा चुनाव में मतदान के प्रति जागरुक करने की शपथ ली।

इस दौरान राज्य अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष एडव्होकेट प्रेम सिंह भदोरिया, उपाध्यक्ष अधिवक्ता आरके सिंह सैनी एवं अधिवक्ता राजेश

पांडे, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत अवस्थी, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव राजेश तिवारी, मध्य प्रदेश अधिवक्ता क्रीड़ा परिषद के संस्थापक डॉ. प्रशांत मिश्र, महाकौशल कॉलेज के प्राचार्य एसी तिवारी सहित मध्यप्रदेश हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जिला अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

सराफा कारोबारी से बरामद किए 6.50 लाख रुपए, दमोह से लौटते वक्त पाटन पुलिस ने रोका

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए प्रदेश के साथ जबलपुर में भी पुलिस की टीमें सक्रिय हैं। जिसमें जबलपुर की सीमा पर चेकिंग प्वाईंट लगाये हैं। साथ ही शहरी और ग्रामीण इलाकों पर भी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन व संदिग्ध स्थानों पर भी चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत पाटन पुलिस ने दमोह की ओर से आ रहे एक सराफा कारोबारी से 6.50 लाख रुपए बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दमोह से सराफा कारोबारी कार जबलपुर के लिए रवाना हुआ। रविवार को जब वह पाटन की ओर बढ़ रहा था। तभी चेक पोस्ट पर पुलिस व एसएसटी ने रोककर कार की जांच की तो 6.50 लाख रुपए बरामद किए गए। पुलिस ने

सराफा कारोबारी से रुपयों के संबंध में पूछताछ की, लेकिन कारोबारी कोई भी संतोषजनक जबाव नहीं दे पाया है। पुलिस द्वारा सराफा कारोबारी से रुपयों के संबंध में पूछताछ की जा रही है कि वह उक्त राशि जबलपुर में किसे देने के लिए ला रहा था। इस कार्रवाई के पूर्व में भी पुलिस ने शहर में ऐसी कार्रवाईयों को अंजाम दिया है।

फोन नहीं उठाने पर युवक को घर में घुसकर बदमाशों ने पीटा

जबलपुर, देशबन्धु। कटंगी थाना अंतर्गत ग्राम तमोरिया में रहने वाले एक युवक को गांव के कुछ बदमाशों ने घर में घुसकर सिर्फ इसलिये पीटा क्योंकि उसने उन लोगों का फोन नहीं उठाया। जिसके बाद बदमाशों ने युवक के घर में घुसकर उसे बुरी तरह पीटा और जातिगत रूप से अपमानित कर जान से मारने की धमकी दी। घायल अवस्था में युवक ने थाने पहुंचकर बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार कटंगी थाना में देर रात मनोज सिंह गोंड़ उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम तमोरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है। बीती रात लगभग 8 बजे वह घर में खाना खाकर लेटा था तभी पुरानी बुराई को लेकर राजू बर्मन, भारत रजक, गौरव चक्रवर्ती, सतीष बर्मन उसके घर के अंदर आकर जातिगत रूप से अपमानित कर बोले कि फोन क्यों नहीं उठाता है। उसने कहा कि किसका फोन, तो चारों गालीगलौज करने लगे, आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने आकर बीच बचाव किया तो चारों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग निकले। मनोज की रिपोर्ट पर पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट व अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

खेत में काम रहे किसान को डंडों से पीटा

जबलपुर, देशबन्धु। चरगवां थाना में पहलवान बर्मन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम भीकमपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सुबह लगभग 9 बजे अपने खेत में चारा काट रहा था। तभी रामाधार लोधी एवं रामकेश लोधी उसके खेत में लाठी लेकर आये, दोनों के खेत उसके खेत से लगे हैं। दोनों बोले कि तुमने मेरे खेत में राहर कैसे बोई है कहते हुये गालीगलौज करने लगे। उसने विरोध किया तो दोनों ने लाठियों से हमलाकर उसे सिर, सीना, हाथ, पैर में चोट पहुंचा दी। तथा जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

घर से लापता युवक का शव तालाब में उतराता मिला

जबलपुर, देशबन्धु। बरेला थाना क्षेत्र स्थित तालाब में एक युवक की लाश तालाब में उतराते मिली। मृतक युवक नरसिंहनगर कछियाना मोहल्ला रांझी का रहने वाला है। बरेला थाना में 28 अक्टूबर को तालाब में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस को अमित कश्यप उम्र 27 वर्ष निवासी नरसिंहनगर रांझी ने बताया कि बिस्सू कश्यप उम्र 37 वर्ष निवासी नरसिंहनगर कछियाना मोहल्ला उसकी बुआ का लड़का है, जो 26 अक्टूबर को तालाब में मछली पकड़ने गया था, जो वापस नहीं आया। वह एवं परिवार के लोग बिस्सू की तलाश करते रहे जो नहीं मिला। 28 अक्टूबर को बिस्सू का शव तालाब के पानी में तैरते दिखा जिसे परिवार के लोगों ने पानी से बाहर निकाला। बिस्सू कश्यप की मृत्यु पानी में डूबने से हुयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम लिये भेजते हुये मामले को जांच में लिया है।

ट्रेन से कटकर अज्ञात युवक की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। घमापुर में रविवार की शाम अमित पटैल उम 34 वर्ष ने सूचना दी, कि रविवार दोपहर लगभग 2 बजे टेस्टिंग रोड के पास डाउन ट्रेक पर ट्रेन से टकराने से एक अज्ञात युवक उम्र लगभग 35 वर्ष की मृत्यु हो गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिये भिजवाते हुये मर्ग कायम कर अज्ञात मृतक की शिनाखत्गी के प्रयास कर रही है।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। केण्ट थाना में रविवार को अरविन्द विश्वकर्मा उम्र 35 वर्ष निवासी कुदवारी अमखेरा गोहलपुर ने सूचना दी, कि 28 अक्टूबर दोपहर में मोबाइल पर उसके मामा बाबूलाल विश्वकर्मा के मोबाइल नम्बर से कॉल आया, किसी व्यक्ति ने सूचना दी, कि जिनका मोबाइल है उनका सदर में एक्सीडेण्ट हो गया है एवं बताया कि घायल को केण्ट अस्पताल ले जा रहे हैं। फिर 1-33 बजे फोन आया और बताया कि घायल को विक्टोरिया अस्पताल ले जा रहे हैं। विक्टोरियां पहुंचो, तो वह विक्टोरिया अस्पताल पहुंचा जहां एक ऑल्टो कार से 2 लड़के उसके मामा बाबूलाल विश्वकर्मा को विक्टोरिया अस्पताल लेकर आये थे। विक्टोरिया अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने मामा को उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उसने मामा बाबूलाल को उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान मामा बाबूलाल विश्वकर्मा उम्र 65 वर्ष निवासी कालीमठ मंदिर आमनपुर मदनमहल की मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिये भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

अज्ञात कारणों से युवक फांसी पर झूला

जबलपुर, देशबन्धु। गौरीघाट थाना अंतर्गत सांईधाम पुरानी बस्ती में एक युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को राकेश कोल निवासी सांईधाम पुरानी बस्ती गौरीघाट ने बताया कि रविवार को वह एवं उसकी पत्नी घर पर थे। पत्नी एवं मां दूजा बाई कोल अपने काम से घर से सुबह काम पर निकल गयी थी, छोटा भाई नरेन्द्र कुमार कोल उम्र 36 वर्ष घर पर अपने कमरे में था नरेन्द्र सुबह उठकर चाय नाश्ता किया तथा कमरे में चला गया। दरवाजा बंद था उसने दोपहर देखा तो उसका भाई नरेन्द्र कमरे के अंदर सीलिंग के कुंदे से स्वयं के गमछे से फांसी लगा चुका था। उसने देखा भाई की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिये भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

कलयुगी बेटे ने लट्ठ मारकर पिता का सिर फोड़ा

जबलपुर, देशबन्धु। गोसलपुर थाना अंतर्गत वार्ड नंबर-11 में एक कलयुगी बेटे ने घरेलू बातों को लेकर अपने पिता से विवाद कर लिया। विवाद इतना बढ़ा कि बेटे ने आवेश में आकर आव देखा न ताव घर में रखा लट्ठ उठाकर पिता को पीटना शुरू कर दिया। जिससे उसके पिता का सिर फट गया। बताया जा रहा है कि बेटे की अपने पिता से नहीं बनती, वह छोटी-छोटी बातों को लेकर अपने पिता से झगड़ा करता था। इसके पूर्व भी कई बार अपने पिता से विवाद कर चुका है। बेटे द्वारा मारपीट किये जाने के बाद घायल पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार गोसलपुर थाना में रविवार शाम छोटेलाल बर्मन उम्र 58 वर्ष निवासी वार्ड नम्बर-11 गोसलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खाना बनाने का काम करता है और शादी पाटी में खाना बनाने का ऑर्डर लेता है। रविवार दोपहर लगभग 3-30 बजे वह ऑर्डर लेकर घर आया तभी उसका लड़का शंकर बर्मन उम्र 28 वर्ष आकर घरेलू बातों को लेकर उसके साथ गालीगलौज करने लगा। उसने विरोध किया तो बेटे ने लाठी से हमलाकर उसके सिर में चोट पहुंचा दी तथा जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। घायल पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जिसके लिये पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिये संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। लेकिन आरोपी पकड़ा नहीं जा सका। पुलिस ने इस संबंध में बताया कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जायेगा।

आभूषण देखने आयी महिला ने दुकान से पार किये सोने के टॉप्स

जबलपुर, देशबन्धु। गोरखपुर थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलर्स की शॉप से एक शातिर महिला ने आभूषण दिखाने के बहाने कान के टॉप्स पार कर दिये। जब तक दुकान संचालक को इस बात का पता चलता तब तक महिला दुकान से नौ दौ ग्यारह हो चुकी थी। जिसके बाद दुकान संचालक के बेटे को इस बात की जानकारी लगी तो वह थाने पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई।

जानकारी के अनुसार गोरखपुर थाना में रविवार सुबह आकाश सोनी उम्र 32 वर्ष निवासी सराफा बाजार पटैरिया का बाड़ा कोतवाली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह हाथीताल में लक्ष्मी ज्वेलर्स नाम से दुकान चलाता है। 25 अक्टूबर की शाम लगभग 6-19 बजे उसके पिता रमेश सोनी दुकान पर थे, तभी एक महिला उसकी दुकान पर आयी और उसके पिता से बोली कि कान के टॉप्स दिखाओ, तो उसके पिता ने एक ट्रे में रखकर सोने के टॉप्स महिला को दिखाये। तभी महिला और डिजाइन दिखाने के लिये कहने लगी। उसके पिता पीछे मुड़े तभी 15 जोड़ी सोने के टॉप्स में से उस महिला ने एक जोड़ी टॉप्स अपने पास छुपा लिये और एक जोड़ी पसंद कर बोली कि एटीएम से पैसे लेकर आती है और 100 रूपये देकर टॉप्स बुक करने के लिये बोली और चली गयी। उसके पिता ने वापस रखने के लिये सामान मिलान किया तो एक जोड़ी सोने के टॉप्स गायब थे। सीसीटीवी फुटेज चैक करने पर उक्त महिला टॉप्स छुपाकर रखते हुये दिखाई दे रही है। दुकान संचालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

दुकान की शटर तोड़कर चोर ने उठाये 8 हजार रूपये

जबलपुर, देशबन्धु। चरगवां थाना अंतर्गत ग्राम बिजौरी स्थित एक किराना दुकान में चोरों ने हाथ साफ कर दिया। जिसमें 8 हजार रूपये पार कर दिये। जानकारी के अनुसार रविवार की दोपहर लगभग 3:30 बजे रूपेश राय उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम बिजौरी जमुनिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ग्राम बिजौरी में उसकी रोड किनारे किराना दुकान है। दुकान नीचे है तथा ऊपर उसका निवास है। 28 अक्टूबर की शाम लगभग 7 बजे वह अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। रविवार सुबह लगभग 6 बजे घर से नीचे दुकान आया तो देखा कि दुकान की शटर मुड़ी हुयी खुली थी, उसने शटर खोलकर अंदर जाकर देखा तो दुकान के अंदर ड्रॉज में रखे नगदी 8 हजार रूपये कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। दुकान संचालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

खेत में सूख रहा मक्का चुरा ले गये चोर

जबलपुर, देशबन्धु। कटंगी थाना में रविवार शाम सिंह लोधी उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम बक्सवाही ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि खेती किसानी करता है। 25 एकड़ जमीन का मक्का उसके खेत में सूख रहा है, जिसकी देखरेख गांव का बसोरी लाल करता था। उसे 21 अक्टूबर को गांव के जाहर लोधी ने बताया कि तुम्हारे खेत का मक्का बसोरी लोधी चोरी करके एक कट्टी मेरे खेत के बोर के पास तथा एक कट्टी मक्का पप्पू पटैल के बोर के पास 21 अक्टूबर को रात लगभग 10 बजे रखा था। उसका और कितना मक्का उसका चोरी गया है उसे जानकारी नहीं है बसोरी लोधी से पूछताछ करने पर बसोरी लोधी बतायेगा कि कितना मक्का चोरी किया है। चोरी गये 2 कट्टी मक्का कीमती लगभग 1200 रूपये होगी। रिपोर्ट पर धारा 379 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल

जलबपुर, देशबन्धु। शहर में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। माढोताल, कोतवाली और खमरिया क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में आधा दर्जन लोग घायल हो गये हैं। जिन्हें उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार माढोताल थाना में 28 अक्टूबर को सड़क हादसे में घायल अनूप जैन उम्र 31 वर्ष एवं मनीषा उसरेठे उम्र 33 वर्ष दोनों निवासी पुरानी बस्ती सुहागी को उपचार के लिये स्वास्तिक अस्पताल में भर्ती कराये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को मनीषा उसरेठे ने बताया कि 28 अक्टूबर की वह अपने पति के दोस्त अनूप जैन के साथ मोटर सायकिल से ग्राम सूरतलाई प्रोगाम में जा रहे थे। जैसे ही शाम 5 बजे कटंगी बायपास आस्था ढाबा के पास पहुंचे तभी मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एमजेड 6677 का चालक तेज गति से चलाते हुये पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे वह एवं अनूप जैन गिर गये। और दोनों को हाथ, पैर एवं शरीर में चोट आ गयी है। टक्कर मारने वाला मोटर सायकिल चालक वहां से भाग गया। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर अज्ञात मोटर सायकिल चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कार ने बाइक को टक्कर मारी

कोतवाली थाना में बीती रात कमलेश कहार उम्र 29 वर्ष निवासी यादव कॉलोनी पटैल मोहल्ला लार्डगंज ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मिस्त्री का काम करता है। 28 अक्टूबर को वह कटंगी बायपास में टाईल्स का काम समाप्त करके अपनी मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एनडब्ल्यु 1079 से अपने साथी

तुषार पटैल को गाड़ी में पीछे बैठाकर अपने घर यादव कॉलोनी जा रहा था रात लगभग 8 बजे उखरी चौराहा के पास पहुंचा तभी बल्देवबाग तरफ से आ रही कार का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये सामने से उसकी मोटर सायकिल में टक्कर मार दिया, जिससे उसे एवं तुषार को पैर में चोट आयी है। वह कार का नम्बर नहीं देख पाया। कार चालक एक्सीडेण्ट करने के बाद भाग गया। घायल की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर लिया है।

सुंदरपुर में मोटर सायकिलों में भिड़ंत

खमरिया थाना में 28 अक्टूबर की रात लगभग 10:15 बजे सोनू चौधरी उम्र 26 वर्ष निवासी कांचघर नई बस्ती घमापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 अक्टूबर को शाम लगभग 6:30 बजे अपनी मां शकुन बाई पड़ोसी इंद्रपाल झारिया, राजू झारिया के साथ 2 अलग-अलग मोटर सायकिल से कुण्डम से वापस अपने घर कांचघर नई बस्ती जा रहे थे जैसे ही आमाखोह सुंदरपुर मोड के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रही मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एनएस 0804 का चालक तेज गति से चलाते हुये ओवरटेक करते हुये पीछे से इंद्रपाल झारिया की मोटर सायकिल में टक्कर मार दिया। जिससे इंद्रपाल झारिया और मोटर सायकिल में पीछे बैठी उसकी मां शकुन बाई चौधरी गिर गये जिससे दोनों को हाथ, पैर एवं शरीर में चोटें आयीं हैं। उसने एवं राजू ने दोनों घायलों को उपचार के लिये श्री शुभम हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर लिया है। तीनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आसपास के 25 ग्रामों के नागरिकों की लगाई गुहार बंद हुई मेट्रो बस सेवा पुनः संचालित करने की मांग

बायपास से मिल रही और बायपास पर छोड़ रही सवारी, रात में यात्रियों को होती है परेशानी

गांधीग्राम, देशबन्धु। 7 महीने से बंद पड़ी मेट्रो बस सेवा को पुनः संचालित करने की क्षेत्र वासियों ने मांग की है। इस सम्बन्ध में लोगों का कहना है कि मार्च 2023 से गांधीग्राम, गोसलपुर आने आने वाली मेट्रो बस सेवा को अचानक बन्द कर दिया गया फिर इसे संचालित करने की शासन प्रशासन सहित किसी को फिक्र ही नही है।जबकि वर्तमान में पाटन, बरेला,बरगी आदि की मेट्रो बस सेवा अनवरत रूप से चल रही है।

लोगों का कहना है कि यदि आप रात्रि के समय कहीं से गांधीग्राम आ रहे हैं तो आपको गांधीग्राम से लगभग 2 किलोमीटर दूर ह॥ 7 फोरलेन बायपास पर उतरना पड़ेगा।फिर वहाँ से पैदल ही चलकर आना पड़ेगा।इसी प्रकार यदि गांधीग्राम या आसपास के लोगों को यदि कटनी या जबलपुर की ओर यात्रा करनी है तो रात के अंधेरे में फोरलेन बायपास पर ही जाना पड़ेगा।यही नही एकांत,अंधेरे व सुनसान स्थान पर यात्री वाहनों का इंतजार करना पड़ेगा।दरअसल बात यह है कि गांधीग्राम से जबलपुर व कटनी की ?र यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानियां कई गुना बढ़ गयी है।यात्रियों ने बताया कि उन्हें गांधीग्राम से 2 किलोमीटर दूर बायपास मार्ग पर बस में जाने के लिए पहुंचना पड़ता है।रात में बस वाले बायपास पर छोड़कर चले जाते है।पढ़ने जाने वाले छात्रों को बायपास तक बस पकड़ने जाना पड़ता है।बहुत ही कम बसों के आने की वजह से लोगों की मांग है कि मेट्रो बस चलाकर प्रशासन यात्रियों को राहत दे सकता है।प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 20 ग्रामों का केंद्र होते हुए गांधीग्राम व आस-पास के आने वाले लोग इन दिनों नियमित रूप से बस में कष्ट पूर्ण यात्रा करते हैं। गांधीग्राम तक सुविधाजनक यातायात को दृष्टिगत रखते हुए मेट्रो बस चलाने की बुद्धिजीवियों द्वारा मांग की गई है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने प्रतिदिन जबलपुर जाते हैं छात्र-छात्राएं प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधीग्राम से लगे हुए लगभग 20 ग्राम ओके छात्र-छात्राएं बारहवीं के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से जबलपुर जाते छात्र छात्राओं को यात्रा करना असुविधाजनक होता है तथा छात्रों को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने में परेशानी होती है। गांधीग्राम से लगे हुए ग्राम देवनगर, मालहा, मिढासन हिरदेनगर, धरमपुरा, उमरिया, केलवास, सहजपुरा, ताला, तपा,खुडॉवल, कुसनेर मोहनियां, पिपरिया,पठरा, पथरई, देवरी, रामपुर, बम्होरी, बेला इत्यादि ग्रामो के विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को आगे जारी करने के लिए कालेजों में एडमिशन ले तो लेते हैं किंतु उन्हें यात्रा में बहुत ही असुविधा होती है।

पान कृषक पान लेकर जाते हैं मंडियां- प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधीग्राम के पान बरेजो का मुख्य आय का स्त्रोत पान बरेजे बनाकर पान की खेती करना है। वे सप्ताह में दो से तीन बार अपने पानों के गट्ठे लेकर बसों वा मिनी बसों में असुविधा पूर्ण तरीके से लेकर पान की मंडी जबलपुर जाते हैं। उपडाउनर्स कर्मचारी, मजदूर करते हैं यात्रा- गांधीग्राम से वह आस-पास के ग्राम से कर्मचारी प्रतिदिन फैक्ट्री, शासकीय अशासकीय कार्यालयों के कर्मचारी, मजदूर व कामगार भी परेशान हो रहे हैं।

गांधीग्राम प्रबुद्ध जनों की मांग है कि मेट्रो बस पनागर तक आती है।पनागर से गांधीग्राम की दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। यदि मेट्रो बस को गांधीग्राम तक चलाया जाता है तो इस बस के चलने से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं,शासकीय अशासकीय कर्मचारियों, फैक्ट्री कर्मचारियों,मजदूरों,पान कृषको आदि को सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध हो सकेगी। शासन प्रशासन से मांग करने वालों में कमलेश असाटी,रजनीश पटेल,जयकुमार चौबे, योगेंद्र मिश्रा, मनीष त्रिपाठी, प्रकाश मिश्रा,पंडित वासुदेव मिश्रा, उत्तम तिवारी, राम निरंजन दुबे,आशीष असाटी, विजय दुबे, शिवदत्त मिश्रा,उमाकांत पटेल, विजय दुबे, सुधीश त्रिपाठी, संजय चौरसिया, पंकज चौरसिया, अजय चौरसिया, राजकुमार असाटी, उमेश शुक्ला आदि ने मांग की है।

सार-समाचार

भगवान शांतिनाथ स्वामी का महामस्तकभिषेक सानंद संपन्न

दोपहर निकला नगर में श्री जी का बिहार घर-घर हुई आरती

पनागर, देशबन्धु। नगर में अपनी सैकड़ो वर्ष की परंपरा के अनुरूप आज दोपहर श्री 1008 भगवान शांतिनाथ स्वामी जी का महा मस्तकाभिषेक महोत्सव सानंद मनाया गया दोपहर श्री जी का विमान बिहार संपूर्ण नगर में भ्रमण हुआ घर-घर में श्री जी की आरती भक्ति भाव के साथ की गई ढोल बजा एवं भगवान की जय जयकार के साथ विमान बिहार बड़े जैन मंदिर पहुंचा वहां वह एक धर्म सभा में परिवर्तित हो गया गुरुकुल के ब्रह्मचारी भैया नरेश भैया जी के सानिध्य में विविध आयोजन किए गए श्री संतोष चौधरी जी के द्वारा भगवान की शांति धारा अभिषेक छत्र चढ़ाने के कार्यक्रम कराए गए शांति धारा का प्रथम कलश नगर के प्रतिष्ठित मोदी परिवार अजय अभिषेक प्रभात मोदी के द्वारा लिया गया द्वितीय कलश नगर के समाज के अध्यक्ष राजेश राकेश संजय पर्व कटंगहा परिवार ने लिया नगर के अलावा दूर-दूर से आए हजारों भक्त जनों ने भगवान का महामस्तकाभिषेक किया तथा कार्यक्रम की अंत में आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्यासागर महाराज जी का 78 व वर्ष वर्धन दिवस मनाया महाराज श्री की आरती पूजन समस्त भक्त जनों ने हर्ष उल्लास के साथ की कार्यक्रम में समाज के मंत्री अभिनंदन चौधरी आनंद जन्मदिन के अलावा महिला मंडल की ओर से श्रीमती समीक्षा चौधरी श्रीमती रजनी मोदी बालिका मंडल की ओर से सुशिमा मोदी युवक मंडल की ओर से राहुल जैन है नैप्पी चौधरी रजनीश चौधरी सनी लसगरी मुकुल लश्करी सेहत सभी लोगों ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

शासकीय महाविद्यालय कुंडम जनभागी समिति के अध्यक्ष श्री रवि महोबिया भाजपा में शामिल हुए

कुंडम,देशबन्धु। ग्राम तिलसानी में भाजपा जिला अध्यक्ष सुभाष रानू तिवारी एवं जिला महामंत्री राजेश दहिया ने पार्टी सदस्यता दिलाई श्री महोबिया पूर्व में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा, मण्डल अध्यक्ष युवा मोर्चा, अध्यक्ष व्यापारी संघ रह चुके है आप प्रदेश अध्यक्ष बी. डी. शर्मा जी के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सक्रिय रूप में काम कर चुके हैं केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं पूर्व मंत्री अजय विश्नोई जी के खास माने जाते हैं इन्हे शामिल होने पर विजय बहादुर परस्ते, श्रीमती अर्चना सिंह कोरचे, सुरेन्द्र सिंह धुर्वे कमलेश साहू राधेश्याम साहू, हुब्बी लाल चक्रवर्ती,अशोक जैन, रब्बू जैन, रमेश साहू दिनेश सोनी, राकेश पटेल, प्रदीप साहू, रमेश विश्वकर्मा, ने हर्ष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन गोसलपुर में आयोजित

गोसलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन कल रविवार को नगर में आयोजित किया गया।इस अवसर पर संघ में शामिल स्वयंसेवकों ने सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण से पथ संचलन प्रारंभ किया जो नगर को प्रमुख मार्गो से होते हुए क्रमशः कछपुरा पंचायत से होते हुए, खिन्नी तिराहा,बस स्टैंड गोसलपुर पहुंचा ग्राम की महिला पुरुषों ने पथ संचलन के दौरान सव्यंसेवकों को पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर झंडा बाजार में आयोजित सभा में वक्ताओं ने संघ की कार्यशैली एवं पथ संचलन का महत्व पर प्रकाश डाला।पथ संचलन का झंडा बाजार में समापन हुआ। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से वरिष्ठ प्रचारक, विस्तारक प्रमोद सिंह, संजू श्रीवास, बलराम पटेल, पुष्पराज बघेल, धर्मेंद्र सिंह राजपूत आदि लोग उपस्थित थे।

मिनी आंगनबाड़ी का निर्माण लंबित

गोसलपुर,देशबन्धु। ग्राम पंचायत कछपुरा के अंतर्गत पालीटोरिया में विगत लंबे समय से मिनी आंगनवाड़ी का निर्माण कार्य होना था जिसका निर्माण अभी तक नहीं हुआ है ग्राम पंचायत कछपुरा उप सरपंच सरोज श्रीवास्तव ,अनुज श्रीवास्तव, विक्रम, पंच गोविंद विश्वकर्मा आदि ने मिनी आंगनवाड़ी की मांग की है ताकि क्षेत्र के लोगों को असुविधा न हो एवं रेलवे फाटक क्रॉस करके बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र नहीं जाना पड़ेगा

प्रशांत चौबे का निधन

सिहोरा,देशबन्धु। वार्ड नम्बर 3 निवासी के प्रशांत चौबे पिता श्री प्रकाश चौबे उम्र 72 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार शनिवार को गंजताल मार्ग स्थित मुक्तिधाम में किया गया।

गड्ढे में फंसकर टीनशेड से टकराया हार्वेस्टर, बड़ा हादसा टला

सड़क पर फंसा हार्वेस्टर, मशक्कत के हाद निकला

सिवनी, देशबन्धु। सिवनी जिले के लखनादौन विकासखंड के मढ़ी गांव की ओर से आदेगांव की ओर आ रहे हार्वेस्टर का अगला चक्का एक गड्?ढे में फंस गया। हार्वेस्टर अनियंत्रित हो गया और मकान के टिनशेड से टकरा गया। जिस गड्ढे

में हार्वेस्टर का चक्का फंसा, वो गड्ढा पंचायत ने नाली निर्माण के लिए खोदा था।गनीमत रही कि आंगन में उस समय कोई नहीं था। अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना भी घट सकती थी। बताया जाता है कि अक्सर इस आंगन में बच्चे को खेलते हुए दिखाई देते हैं। यदि जिस समय हादसा हुआ उस समय बच्चे मौजूद होते तो बड़ी घटना घट सकती थी। लगभग चार से पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस हार्वेस्टर को यहां से निकाला जा सका। क्षेत्र के लोगों ने बताया है कि आदेगांव ग्रामपंचायत ने एक पखवाड़े पूर्व नाली निर्माण के नाम पर इस मुहल्ले की सडक को खोद रखा है। सड़क की खुदाई में निकली मिट्टी, पत्थर और सारा मटेरियल सड़क के एक किनारे पर तो दूसरे किनारे पर रेत, गिट्टी के ढेर लगा दिए गए है। बीते दस बारह दिनों से काम भी बंद है, इससे यहां के निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

2 दिन में 3 स्थायी वारंटियों को किया गिरफ्तार

सिवनी, देशबन्धु। सिवनी की कोतवाली पुलिस ने दो दिनों में कार्रवाई करते हुए 3 स्थायी वारंटियों को छिंदवाडा और बरघाट से गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने 2 दिनों में अलग अलग टीमों के सहयोग से 3 स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिन्हें जिला छिंदवाडा और थाना बरघाट से पकड़ा गया है। स्थायी वारंटियों में आसिफ (31), संतोष पाल निवासी ग्राम भमाडा थाना उमरेठ जिला छिंदवाड़ा और प्रकाश भट्ट (42) निवासी ग्राम भमाडा थाना उमरेठ जिला छिंदवाडा शामिल हैं।

बासन चैक पोस्ट नाके पर जांच दल ने पकड़े 6.50 लाख रुपए नकद

संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर राशि सहित कार जप्त

पाटन देशबन्धु। जिले की पाटन तहसील में निष्पक्ष और शांति पूर्ण ढंग से विस चुनाव को संपन्न करवाने के लिए आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है.इसी को दृष्टिगत रखते हुए जबलपुर-दमोह मार्ग की सीमा से लगी हुई बासन चैक पोस्ट पर निर्वाचन उड़नदस्ता टीम, स्थैतिक सर्विलांस टीम, पुलिस एवं आबकारी अमले के द्वारा चौबीस घंटे वाहनों की चेकिंग की जा रही है। वाहन चेकिंग के दौरान पाटन पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली जब एक कार की तलाशी लेने पर कार में 6ण्50 लाख रुपए की नगदी बरामद की गई और चालक के द्वारा पुलिस को संतोष जनक जवाब नहीं देने पर नगद राशि सहित उक्त वाहन को जप्त करके थाने में खड़ा करा दिया गया है।

ये है मामला- पाटन थाना प्रभारी नवल आर्य ने बताया कि लगभग 4 बजे के आस पास बासन चैक पोस्ट नाके पर एक सफेद रंग की रेनॉल्ट कंपनी की क्विड कार जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 20 सीएच 0243 जो सचिन गुप्ता पिता ब्रज मोहन गुप्ता निवासी 3608 मन मोहन नगर, गायत्री मंदिर जबलपुर की बताई गई वही कार को ऋषि कांत सराफ हटा दमोह से जबलपुर आ रहा था। बासन चैक पोस्ट नाके पर उक्त कार को रोका गया अंदर से चैक करने पर नगद 6ण्50 लाख रुपए की राशि कार से बरामद की गई चालक ऋषि कांत सराफ से उक्त राशि के संबंध में पूछताछ की गई लेकिन चालक पुलिस को कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे पाया जिसकी वजह से राशि सहित कार को जप्त करके वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पेड़ में जा घुसा वाहन, दो लोगों की मौत

शहडोल, देशबन्धु। जिले के सीधी थाना क्षेत्र अंतर्गत छकता गांव के पास एक तेज रफ्तार तूफान वाहन पेड़ से जा टकराया जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और वहीं आठ लोग घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि एक तूफान वाहन में एक ही परिवार के 10 लोग सवार होकर किसी कार्यक्रम में गए थे। ये सीधी जिले से एक कार्यक्रम से लौटकर पहाड़िया गांव आ रहे थे. तभी पहाड़िया गांव से महज कुछ किलोमीटर पहले ही अचानक ही गाड़ी अनियंत्रित हुई और पेड़ से जा टकराई। इसमें सवार चालक और एक अन्य व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में वहां का चालक भी शामिल है। मृतकों का नाम जितेंद्र सिंह उम्र 22 साल और दूसरा व्यक्ति सुखसेन सिंह उम्र 42 साल है। इस हादसे के बाद से परिवार में मातम पसर गया है। घटना देर रात की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही वहां पुलिस पहुंची और दोनों शवों को वहां से निकलवाया गया और घायलों को आनन फानन में अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सीधी थाना के उप निरीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि सीधी जिला से वाहन में सवार लोग पहाड़िया गांव जा रहे थे, तभी पहाड़िया गांव से 2 किलोमीटर पहले मेन रोड पर तेज रफ्तार वाहन टकरा गया। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। सभी पहाड़िया गांव के ही रहने वाले हैं।

51फीट ऊंची महाकाली की प्रतिमा का विसर्जन देखने बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

गोसलपुर, देशबन्धु। नवरात्रि पर्व पर ग्राम कटरा में बामी की मिट्टी से निर्मित की गई 51 फीट ऊंची महाकाली की प्रतिमा स्थापित की गई थी।माता महाकाली की प्रतिमा का कल पूरे विधि विधान के साथ विसर्जन किया गया .इस प्रतिमा को ग्राम खमरिया में ही स्थापित स्थल पर पानी की शुद्ध जल से गीला कर विसर्जित किया गया।

इस प्रतिमा को देखने सिहोरा तहसील के साथ-साथ श्रद्धालु बड़ी तादाद में दर्शन हेतु पहुंचे। आयोजक रवि मिश्रा ने बताया की विसर्जन के दिन सायं काल से ही श्रद्धालुओं को विसर्जन के पूर्व ही बड़ी संख्या में पहुंचे । माता महाकाली की प्रतिमा का विसर्जन वैदिक मंत्र उपचार उच्चारण के बीच मध्य रात्रि में विसर्जन किया गया

लहूलुहान हालत में मिली वृद्धि की लाश, जांच में जुटी पुलिस

मृतक के पुत्र पर है हत्या की आशंका

मझौली, देशबन्धु। जिले के मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत उमरिया गांव में आज 29 अक्टूबर को सुबह घर से कुछ ही दूर पर बनी मड़ई के नीचे लहू लुहान हालत में वृद्धि का शव पड़ा देखा गया जिसकी सूचना पुलिस थाना मझौली को दी गई सूचना पाते ही एसडीओपी कुसमी मझौली रोशनी सिंह ठाकुर,थाना प्रभारी मझौली दीपक सिंह बघेल पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे जांच विवेचना में जुटे हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सम्मन सिंह पिता बीरन सिंह गोड़ उम्र लगभग 63 निवासी निवासी ग्राम उमरिया थाना मझौली जिला सीधी कल 28 अक्टूबर की रात्रि खाना खाकर घर से कुछ ही दूरी पर बनी मड़ई

जहां वह हमेशा सोया करता था चला गया। सुबह उसका शव लहू लुहान हालत में पड़ा मिला जिसकी सूचना पुलिस थाना मझौली को दी गई। जहां पहुंची पुलिस द्वारा जांच मोहन की गई प्रथम दृष्टांत हत्या किया जाना प्रतीत हुआ। मृत्यु होने सूचना मृतक के छोटे पुत्र के द्वारा ही बताया गया था जिसको संदेश में लेते हुए पुलिस कस्टडी में लेकर पूछताछ की जा रही थी इसी दौरान संजय टाइगर रिजर्व का खोजी कुत्ता अपोलो डॉग को लेकर डॉग हैंडलर रवि कुमार सिंह भी पहुंच गए।और अपना काम चालू किया जो इधर-उधर दौड़ते हुए वहां पहुंच गया जहां अंदर मृतक का पुत्र बैठा था। और जोर-जोर से भौंकने लगा। तब पुलिस प्रशासन द्वारा मृतक के छोटे पुत्र को पुलिस कस्टडी में लेते हुए पंचनामा उपरांत शव को शव वाहन से मझौली मरचुरी लाया गया पीएम उपरांत अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौप मर्म कायम का जांच विवेचना की जा रही है। खबर लिखे जाने तक हत्या किए जाने का कारण एवं हत्या कारित की वास्तविक जानकारी नहीं हो।

किसान की हत्या कर लाश मेढ़ पर फेंक दी

वारदात से सहमा बरही, नाक और चेहरे पर वार से गई जान

कटनी/बरही, देशबन्धु। बरही थाना क्षेत्र स्थित करौंदी कला गांव के खेत की मेढ़ पर रविवार को एक लल्लू सिंह कि लाश पड़ी पाई गई। ऐसा पता चला है कि लल्लू सिंह अपने खेत से घर की तरफ जा रहा था, तभी रास्ते में किसी ने उस पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। उसके चेहरे पर चोट के गंभीर निशान पाए गए हैं। ऐसा लग रहा है जैसे हत्यारे ने नाक और चेहरे पर ही सबसे ज्यादा वार किए हों। शव को देखकर पहली नजर में ही हत्या की आशंका जताई गई है। जानकारी मिलने पर करौंदी गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए थे और पुलिस को खबर दी गयी। पुलिस बल ने मौके पर जाकर शव को पंचनामा बाद पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया

गया। लल्लू पिता भग्गू सिंह गोड़ हमेशा की तरह खेत से सुबह लगभग 8.30 बजे खेत से घर आ रहा था पर उसे पता नहीं था कि रास्ते में उसका काल खड़ा है रास्ते में ताक पर बैठे अज्ञात हत्यारे ने मृतक के नाक मुंह में जोर का वार कर लहुलुहान कर मौत के घाट उतार दिया रास्ते पर जाने वाले राहगीरों ने लल्लू के घर खबर दी कि तुम्हारे लल्लू की लाश पड़ी है। यह सुनते ही पूरा घर स्तब्ध रह गया और देखते ही देखते चीख-पुकार शुरू हो गई और कुछ ही देर में वारदात की खबर जंगल में लगी आग की तरह पूरे बरही में फैल गई। ग्रामीणों के द्वारा इस घटना की खबर डायल 100 को दी गई, और पुलिस मौके पर पहुंची।

रूस गाजा में शांति के लिए इजरायल के संपर्क में : लावरोव

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को कहा कि रूस गाजा पट्टी में शांति स्थापित करने के लिए इजरायल के संपर्क में हैं। श्री लावरोव ने बेलारूस की न्यूज एजेंसी बेल्टा को दिए साक्षात्कार में कहा, हम इजरायलियों को संकेत भेज रहे हैं। हम उनके साथ पूर्ण रूप से संपर्क बनाए हुए हैं। हमारे राजदूत नियमित रूप से उनके साथ संवाद कर रहे हैं। हम शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता के बारे में संकेत भेज रहे हैं।

चीन के इरादों पर पानी फेर देगा इजरायल-हमास का युद्ध

सऊदी-ईरान भी नहीं दे रहे भाव

बीजिंग। रूस और यूक्रेन में युद्ध के बीच चीन जिनता चर्चा में था अब इजरायल-हमास युद्ध में वह उतना ही दरकिनार नजर आ रहा है। ईरान और सऊदी अरब के बीच दोस्ती के लिए मध्यस्थता का दावा करने वाले चीन को अरब देश भी भाव नहीं दे रहे हैं। वहीं चीन का रुख भी इस युद्ध को लेकर स्पष्ट नहीं हो पाया है।

एक तरफ चीन टू स्टेट सल्यूशन कि बात करता है तो दूसरी तरफ इजरायल को आत्मरक्षा के लिए सही ठहरा रहा है। बता दें कि चीन ईरान और सऊदी अरब दोनों के लिए इसलिए अहम है क्योंकि यह दोनों ही देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करता है।

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच भी मध्यस्थता करना चाहता था ड्रैगन- चीन ने छह महीने पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के सामने भी मध्यस्थता का ऑफर रखा था। ऐसा करके वह अमेरिका के प्रभाव को सीमित करने का प्रयास कर रहा था। अगर चीन को थोड़ी भी सफलता हासिल होती तो मध्य एशिया में उसका दबदबा बढ़ता और इसका सीधा नुकसान अमेरिका को होता। हालांकि 7 अक्टूबर को हमास के हमले और फिर इजरायल के खतरनाक पलटवार ने चीन के इरादों पर पानी फेर दिया।

दोनों तरफ फायदा उठाना चाहता था चीन- बीजिंग इजरायल और गाजा दोनों तरफ से फायदा उठाने की फिराक में था। एक तरफ चीन ने 1960 और 70 में फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन की मदद की और आज भी टू स्टेट सल्यूशन की वकालत करता रहा है। दूसरी तरफ बीजिंग और इजरायल दूसरे सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर हैं। शुक्रवार को यूएन में हुई वोटिंग में चीन उन 119 देशों के साथ शामिल था जिन्होंने गाजा में तबाही रोकने के लिए वोट किया था। हालांकि इस युद्ध के दौरान चीन को ज्यादा भाव नहीं मिला है। बता दें कि यूएन की वोटिंग से भारत समेत 44 देशों ने खुद को अलग कर लिया था। जब से हमास और इजरायल में युद्ध शुरू हुआ है चीन इस मामले में तटस्थ नजर आ रहा है। वह कई बार बातचीत की वकालत कर चुका है। 8 अक्टूबर को भी चीन के विदेश मंत्री ने कहा था कि बंधकों को छोड़ दिया जाए और क्षेत्र में शांति बहाल करने पर विचार किया जाए। वहीं बीजिंग की पोजीशन वही है कि कि फिलिस्तीन देश को मान्यता दी जाए।

दूसरे देशों का मुंह ताक रहा चीन- हमास और इजरायल के युद्ध के बीच चीन अपना क्लियर स्टैंड नहीं ले पा रहा है। चीन दूसरे देशों का मुंह ताक रहा है। कई जानकारों का कहना है कि चीन मध्य एशिया में दबदबा बनाने के लिए अब सही समय का इंतजार कर रहा है इसलिए वह किसी एक तरफ से ज्यादा बोलकर अपनी छवि नहीं बिगाड़ना चाहता। वहीं यह युदध सऊदी अरब और ईरान के बीच चल रहे मतभेद से बहुत अलग है। उस केस में दोनों ही देश समाधान चाहते थे। लेकिन यहां एक तरफ कट्टरपंथ है जिसका टारगेट इजरायल से भी बहुत आगे का है। दूसरी तरफ अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती है। ईरान और सऊदी अरब दोनों ही मुस्लिम देश थे वहीं यहां जंग मुसलमानों और यहूदियों के बीच की है।

आज का इतिहास

1611- गुस्टॉफ द्वितीय एडोल्फ 17 साल की उम्र में स्वीडन का राजा बना।
1883- महान चिंतक तथा समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का निधन हुआ ।
1887- बंगाल के लोकप्रिय उपन्यासकार सुकुमार रे का जन्म हुआ ।
1905- रूसी शासक जार निकोलस द्वितीय ने पहले रूसी संविधान को मंजूरी दी ।
1909- भारत के भौतिक शास्त्री और प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा का जन्म हुआ था।
1922- बेनिटो मुसोलिनी ने इटली में सरकार बनाई ।
1925- पहली बार लंदन में टेलिविजन पर प्रसारण हुआ।
1928- लाला लाजपत राय ने लाहौर में साइमन कमीशन के विरुद्ध आयोजित एक विशाल प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिसके दौरान हुए लाठी-चार्ज में वे बुरी तरह से घायल हो गये।
1930- तुर्की तथा यूनान ने मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किये ।

सुडोकू 6361

					7		2	
1					9	7		
2	5		8		6			
		5				9		8
	4						6	
6		8				1		
			5		8		9	3
		4	9					1
	3		4					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

बम धमाकों से गूंज रहे गाजा में एलन मस्क की मदद से गुस्से में इजरायल, दे डाली धमकी

नई दिल्ली। बम-गोलों के धमाकों से गूंज रही गाजा पट्टी की मदद के लिए अरबपति एलन मस्क ने मदद के हाथ बढ़ाए हैं। दरअसल, इजरायल द्वारा गाजा में इंटरनेट सेवा बंद करने के बाद मस्क ने स्टारलिंक उपलब्ध कराने का ऐलान किया है। मस्क के इस कदम ने इजरायल को भड़का दिया है। इजरायल ने धमकी देते हुए कहा कि हमास इससे लड़ने के लिए अपने सभी साधनों का उपयोग करेगा। इससे उसकी आतंकी गतिविधियों को मदद मिल सकती है इज़रायल के संचार मंत्री श्लोमो करही ने आशंका व्यक्त की कि एलन मस्क द्वारा उपलब्ध होने वाले संचार लिंक का इस्तेमाल हमास के आतंकवादियों द्वारा आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। करही ने लिखा, हमास इसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए करेगा। शायद मस्क हमारे अपहृत शिशुओं, बेटों, बेटियों, बुजुर्गों की रिहाई के साथ इसकी शर्त रखने को तैयार होंगे। जब तक वह यह फैसला वापस नहीं लेते, तब तक, मेरा कार्यालय स्टारलिंक के साथ कोई भी संबंध नहीं रखेगा।

नेतन्याहू भी आतंकवादी; इजरायल पर बरसा तुर्की, अब कहा- हम भी कर रहे तैयारी

गाजा। इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास के बीच युद्ध लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। इस जंग में दोनों खेमों से 7800 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इसमें गाजा को ज्यादा नुकसान हुआ है। इजरायल और हमास की लड़ाई में तुर्की अब खुले तौर पर इजरायल के खिलाफ खड़ा हो गया है। शुक्रवार को एक बड़ी रैली आयोजित करके तुर्की इजरायल को अपना स्पष्ट संदेश दे चुका है। राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इजरायल को युद्ध अपराध कहा। एर्दोगन ने कहा कि अगर हमास आतंकवादी संगठन है तो बेंजामिन नेतन्याहू भी आतंकवादी हैं। उन्होंने इजरायल को दो टूक शब्दों में कहा कि हम भी तैयारी कर रहे हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के फिलिस्तीन के समर्थन में रैली का समर्थन करने और इजरायल के खिलाफ बयान देकर दुनिया के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। तुर्की के हल्ला-बोल पर ऐक्शन लेते हुए इजरायल ने अपने राजनयिक को वापस बुला लिया है। रेसेप तैयप एर्दोगन की इस्तांबुल में फिलिस्तीन समर्थक रैली में हजारों प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए टिप्पणी की कि बेंजामिन नेतन्याहू एक आतंकवादी हैं। उन्होंने कहा कि हमास एक मुजाहिदीन संगठन है, जो अपनी मातृभूमि के लिए लड़ रहा है। अगर हमास आतंकवादी संगठन है तो नेतन्याहू भी आतंकवादी हैं। हम दुनिया के सामने आपको युद्ध अपराधी घोषित करते हैं।

कनाडा वालों पर अब भी नरम नहीं भारत, ऐसे लोगों को वीजा के लिए करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार और भारत के बीच रिश्ते अभी भी नरम नहीं हुए हैं। 21 सितंबर को भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवा निर्लबित कर दी थी। हालांकि बीते गुरुवार को सेवाएं बहाल भी कर दी गईं लेकिन, कनाडाई सरकार ने अपने लोगों को मामले में अपडेट किया है कि भारत की यात्रा के लिए नौ श्रेणियों में वीजा जारी करना अभी भी निर्लबित है। अभी सिर्फ चार श्रेणियों के वीजा की सेवा शुरू हो गई। जबकि, ई-वीजा और ट्रांजिट वीजा सहित अन्य अभी भी जारी नहीं किए जा रहे हैं। अन्य श्रेणियां जो अभी भी निर्लबित हैं, वे हैं पर्वतारोहण, मिशनरी और पत्रकार वीजा। कनाडाई सरकार ने शनिवार को अपने अपडेट में कहा, हमने इस पेज पर जानकारी भारतीय अधिकारियों से प्राप्त की है।

40 हजार लड़ाके, सुरंगें...इजरायल के लिए आसान नहीं मिशन गाजा, हमास भी दाग रहा रॉकेट

तेल अवीव। इजरायल की सेना के गाजा में चल रहे खतरनाक अभियान के बीच ऑस्ट्रेलिया से लेकर अरब देशों तक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं इजरायल ने ऐलान कर दिया है कि गाजा अब युद्ध का मैदान है। इजरायल ने साफ कर दिया है कि गाजा में जो भी सेना के सामने आएगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। गाजा के साथ ही इजरायल लेबनान और वेस्ट बैंक में भी हमले कर रहा है। वहीं बीच-बीच में हमास की तरफ से भी इजरायल पर रॉकेट दागी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि हिजबुल्लाह और हमास दोनों ने हाथ मिला लिए हैं। इजरायल ने गाजा में जमीनी हमला भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा फिलिस्तीनी अथॉरिटी का दावा है कि इजरायल गाजा में फॉस्फोरस बम का भी इस्तेमाल कर रहा है।

हमास से जंग आसान नहीं

इजरायल और हमास में चल रहे युद्ध के बीच अमेरिका और यूके ने भूमध्य सागर में अपने पोत तैनात कर दिए हैं। वहीं अरब देश इस कार्रवाई की निंदा कर रहे हैं। फिलिस्तीन का दावा है कि अब तक 7 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। हालांकि यह जंग आसान नहीं है। इसमें आतंकियों के साथ मासूमों की जिंदगी ज्यादा खतरे में हैं। दरअसल पूरे गाजा में हमास के आतंकियों ने बंकर और सुरंगें बनाई हैं। इन्हीं सुरंगों में इनके हथियार बनाने का काम भी चलता है। इसके अलावा हमास के आतंकियों को ईरान से सपोर्ट मिलता है। हमास के आतंकियों को संख्या 40 हजार के करीब बताई जाती है। उनके पास उन्नत हथियार हैं और हथियारों के कारखाने भी हैं। गाजा पर इस तरह के हमले से पहले इजरायल ने आतंकियों को कमजोर करने की पूरी कोशिश की थी। फ्यूल तक की सप्लाई पर रोक लगा दी गई। हालांकि बताया जाता है कि हमास के आतंकियों ने अपने इस्तेमाल के लिए फ्यूल का भंडार रखा हुआ है। यह जंग लंबी भी चल सकती है।

गाजा में लहराया इजरायली झंडा

इजरायल की सेना ने गाजा में कई जगह अपना झंडा लहरा दिया। इजरायल संदेश देना चाहता है कि अब गाजा में उसकी सेना मौजूद हैं और आसानी से हटने वाली नहीं हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास के सफाए की कसम खा ली है। वहीं इसी बीच यह खबर भी आई है कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री अणेरिका जा रहे हैं। वह अमेरिका के रक्षा मंत्री से मुलाकात करेंगे।

हमास के हमले के बाद इजरायल ने चला दिया था 'गुप्त अभियान', फिलिस्तीनियों को अब आया होश

तेल अवीव। इजरायल ने गाजा पट्टी में जमीनी हमला शुरू कर दिया है। गाजा पट्टी के कई इलाके पूरी तरह तबाह हो गए हैं। इजरायली सेना के ताबड़तोड़ हमले जारी है। हमास के आतंकियों ने सात अक्टूबर को इजरायल पर हमला करके 1400 लोगों की जान ले ली थी।

वहीं 220 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था। बंधकों को छुड़वाने के बहाने इजरायल गाजा पट्टी पर बड़ा हमला कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ हमास के हमले के बाद ही इजरायल ने गिरफ्तारी का गुप्त अभियान चला दिया था जिसकी जानकारी गाजा के राइट्स ग्रुप को अब मिली है। इजरायल में काम करने वाले गाजा और वेस्ट बैंक के वर्कर गायब हैं। इजरायल की सेना ने गाजा के इन लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

अब जागे गाजा के संगठन- गाजा के राइट्स ग्रुप और ट्रेड यूनियन्स का कहा है कि वेस्ट बैंक इजरायल में गैरकानूनी तरीके से लोगों को गिरफ्तार कियाा गया है। उन्हें इजरायल में काम करने का परमिट दिया गया था। हालांकि अब उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

इजरायली सेना ने उनके नाम तक बताने से इनकार कर दिया है। बता दें कि जब हमास ने इजरायल पर हमला किया तो उस वक्त गाजा के लगभग 18500 लोग इजरायल में काम कर रहे थे। यह नहीं पता चल पाया है कि आखिर इजरायल ने कितने लोगों को गिरफ्तार किया है। इजारयली सेना ने इन लोगों को अज्ञात जगह पर रखा है। इजरायल के हमले में गाजा में 7 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। गाजा के संगठनों का कहना है कि इजरायली सेना के कब्जे में गाजा के सैकड़ों लोग हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक बहुत सारे फिलिस्तीनियों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है जहां उनकी पिटाई भी होती है। जानकारी और उनको रखने की जगह केबारे में बताया जाना चाहिए।

वर्ग पहेली 6361

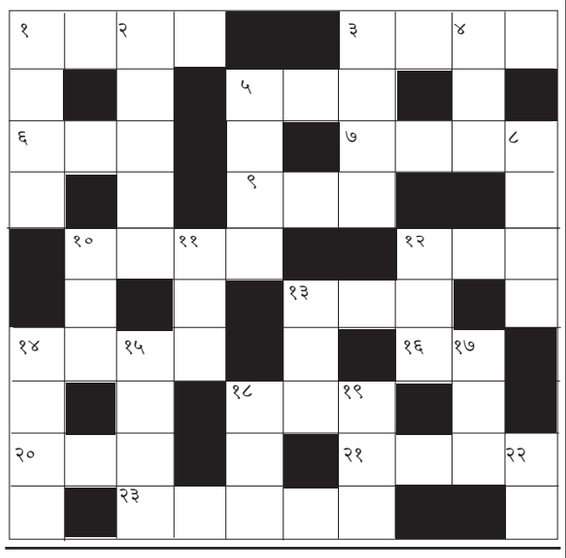

बायें से दायें:-

१. ... के कारण, के सौजन्य से (उर्दू)
३. जिसे सुना न गया हो
५. निश्चय
६. नमन
७. कर आदि से बचने के लिए शासन से छिपा कर रखा गया रुपया
९. दक्ष, निपुण (उर्दू)
१०. जो घबराया या डरा हुआ न हो
१२. कथोपकथन
१३. प्रण
१४. पूरी तरह, नितांत
१६. झुका या गिरा हुआ
१८. देह, तन
२०. दृश्य, काव्य अभिनय
२२. दुर्बल, कमजोर
२३. दुर्बल, कमजोर
२३. रिसाव होने वाला

ऊपर से नीचे:-

१. शक्तिदायक
२. वश में या नियंत्रण में रखना (मुहावरा)
३. अभिनेता (उर्दू)
४. सुगंध
५. उपयोग
८. जो चारों ओर से केंद्र की ओर झुका हो
१०. नामुकम्मल, अपूर्ण
११. शहजादा, पुत्र
१२. जानकारी होना
१३. पहरेदार
१४. पर्यायवाची
१५. समान कोटि का
१७. मग्न, लीन
१८. पनाह
१९. एक प्रकार का ज्योतिष
२२. होंठ

कतर में सजा-ए-मौत के पीछे हमास का कनेक्शन?

इजरायल से दोस्ती की भारत को मिल रही सजा

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को कतर में मौत की सजा सुनाई गई है। कतर ने जासूसी के आरोप में इन अधिकारियों को सजा-ए-मौत दी है। उनकी जमानत याचिकाएं कई बार खारिज की गईं। कतर की एक अदालत ने गुरुवार को सभी आठों को मौत की सजा सुनाई। आदेश आने के बाद दिल्ली में हलचल बढ़ गई है। कतर के इस फैसले के पीछे भारत ने हैरानी जताई। विदेशी मामलों के जानकार कतर के इस फैसले को हमास के साथ जोड़ कर देख रहे हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि इजरायल-हमास जंग में कतर पूरी तरह से हमास के सपोर्ट में है। वहीं आतंक के खिलाफ भारत हमेशा से खड़ा रहा है। 7 अक्टूबर को इजरायल में हुए हमास के हमले का भारत ने पुरजोर विरोध किया, जो हमास के साथ-साथ उसके हमदर्द देश कतर को रास नहीं आया।

हमास को सपोर्ट करने का अजब पैंतरा- कई विशेषज्ञों का मानना है कि कतर के इस फैसले के पीछे उसकी सोची-समझी साजिश है। इजरायल-हमास के युद्ध में कतर हर मौके को इजरायल के खिलाफ भुनाना चाहता है। ऐसे में भारतीयों की फांसी सजा भी ऐसे मौके पर आई जब भारत ने पूरी दुनिया के आगे हमास का विरोध किया। कतर का दावा है कि कथित तौर पर भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी इजराइल के लिए कतर के गुप्त पनडुब्बी कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे थे। कथित तौर पर वह गुप्त जानकारी इजराइल को सौंपी जा रही थी। यही वजह थी कि कतर ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक प्रवासी पूर्णेंदु तिवारी को भी पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला।

आयोजन *देशभर में 37 स्थानों पर राष्ट्रीय रोजगार मेले का हुआ आयोजित*

51 हजार से अधिक युवाओं को किए गए नियुक्ति पत्र वितरित

नई दिल्ली, (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त अभ्यर्थियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने हुए नवनियुक्त युवा रेल मंत्रालय, डाक विभाग, गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग।

उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग और शिक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में सरकार में शामिल होंगे।

रोजगार मेले में प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान के दौरान देशभर के 37 स्थान मेले से जुड़े रहे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रोजगार मेलों की यह विकास यात्रा एक महत्वपूर्ण पडाव पर पहुंच गई है, रोजगार मेले पिछले वर्ष

■ नवनियुक्तों व उनके परिवारों को प्रधानमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

अक्टूबर में शुरू हुए थे और केंद्र और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में विभिन्न रोजगार मेलों में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। आज भी 50 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है।

प्रधानमंत्री ने नवनियुक्तों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित रोजगार मेले युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के संकेत हैं, जहां मिशन मोड में काम चल रहा है। मोदी ने भर्ती प्रक्रियाओं में युवाओं के बढ़ते भरोसे पर बल देते हुए कहा कि हम न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं बल्कि एक पारदर्शी प्रणाली भी कायम रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने का प्रयास कर रही है बल्कि परीक्षा प्रक्रिया का पुनर्गठन भी कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्मचारी चयन प्रणाली के तहत भर्ती में लगने वाला समय भी घटाकर आधा कर दिया गया है। मोदी ने बताया कि रोजगार की अधिसूचना से लेकर रोजगार-पत्र मिलने तक का अंतराल काफी कम हो गया है× कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के तहत कुछ परीक्षाओं के बारे में उन्होंने बताया कि परीक्षाएं अब हिंदी और अंग्रेजी के अतिरिक्त 13 विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित की जा रही हैं, जिससे उन उम्मीदवारों के लिए भाषा की बाधा को तोड़ना आसान हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विकास की वो गति है जो प्रत्येक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। उन्होंने धोरडो गांव का उल्लेख किया जिसे संयुक्त राष्ट्र ने सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के पुरस्कार से सम्मानित किया है और होयसला मंदिर परिसर और शांति निकेतन को विश्व धरोहर स्थल की मान्यता दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे युवाओं के लिए पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे।

वर्ग पहेली-6360

१ त	फ	२ सी	ल		३ फ	जी	४ ह	त
क		र		५ अ	प्स	रा		त्या
६ रा	ह	त	क	ना		७ ग	ज	रा	८ ज
र				९ वृ	तां	त			न
	१० स	म्मि	११ लि	त			१२ आ	तं	क
	फ		ख			१३ हू	ब	हू	त्या
१४ सु	ल	१५ झ	ना		क		१६ त	१७ रू	ण
हा		ल		१८ ज	ना	१९ ब		स	
२० ग	तां	क		न		२१ ना	ग	वा	२२ र
न		२३ ना	म	क	मा	ना			जा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

खेल जगत

कोहली के पास अराजकता में अपने दिमाग को नियंत्रित करने की क्षमता है : साइमन डूल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर साइमन डूल ने तनावपूर्ण परिस्थितियों में अपने दिमाग और अपनी बल्लेबाजी को नियंत्रित करने की क्षमता के लिए पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की प्रशंसा की है। कोहली भारत के लिए अग्रणी रन-स्कोरर हैं और मौजूदा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में समग्र सूची में दूसरे स्थान पर हैं, उन्होंने 118 के प्रभावशाली औसत और 90.53 के ठोस स्ट्राइक रेट को बनाए रखते हुए पांच मैचों में 354 रन बनाए हैं। उनके असाधारण प्रदर्शन में एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं. 31 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैचों में, 34 वर्षीय ने 55.36 की औसत से 1,384 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और नौ अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें 107 का उच्चतम स्कोर है। डूल ने आईसीसी पर अपलोड किए गए एक वीडियो में कहा, अपने आसपास हो रही अराजकता के दौरान अपने दिमाग और अपनी बल्लेबाजी को नियंत्रित करने की क्षमता विराट के लिए सबसे बड़ी प्रशंसाओं में से एक है।

रोहित की 87 रन की पारी के बावजूद इंग्लैंड ने भारत को 9 विकेट पर 229 पर रोका

■ इंग्लैंड के विली ने चटकाए तीन विकेट, वॉक्स व राशिद को दो-दो विकेट

सत्येन्द्र पाल सिंह

लखनऊ। कप्तान रोहित शर्मा की अपने चिर परिचित अंदाज में 87 रन की बेहतरीन पारी और केएल राहुल के साथ उनकी चौथे विकेट के लिए 91 रन की बेशकीमती भागीदारी तथा सूर्य कुमार की बेशकीमती 49 रन की उपयोगी पारी के बावजूद इंग्लैंड ने गेंदबाजी इकाई के रूप में बढ़िया प्रदर्शन कर भारत को रविवार को आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के मैच में निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 229 रन पर रोक दिया। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज डेविड विली (3/45) और क्रिस वॉक्स (2/33) पारी के शुरू भारत की पारी के शुरू तथा अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद (2/35) ने पारी के अधबीच पहले रोहित और फिर रवींद्र जडेजा के विकेट निकाल भारत को रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में उसे बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक कर अपने कप्तान के टॉस जीत कर भारत को पहले बल्लेबाजी करने की दावत के फैसले को सही साबित किया।

इंग्लैंड के सबसे कामयाब गेंदबाज डेविड विली ने विराट कोहली(0), केएल राहुल (39 रन, 58 रन, तीन चौके) और सूर्य कुमार यादव (49 रन, 47 गेंद, एक छक्का, चार चौके)के बेशकीमती विकेट निकाले। क्रिस वॉक्स ने शुभमन गिल (9) को बोल्ड करने के बाद श्रेयस अय्यर(4) को मार्क वुड के हाथों लपकावाया। रोहित शर्मा पारी के 37 वें ओवर में लेग स्पिनर आदिल रशीद की गुगली को उड़ाने के फेर में डीप मिडविकेट पर लियाम लिविंगस्टन को कैच थमा बैठे और भारत ने पांचवां विकेट पर 164 रन पर खोया। रोहित ने 101 गेंद खेली और अपनी 87 रन पारी में तीन छक्के और 10 चौके जड़े। रोहित ने आउट होने से पहले सूर्य कुमार यादव के साथ पांचवें विकेट के लिए 33 रन जोड़े। रोहित को आउट करने के बादं राशिद ने जडेजा (9) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। मार्क वुड ने पारी के 42 वें मोहम्मद शमी (1) को विकेटकीपर कप्तान जोस बटलर के हाथों कैच कराया। सूर्य कुमार यादव पारी के 47 वें ओवर विली की गेंद पर बड़ा स्ट्रोक खेलने के फेर में डीप पॉइंट पर क्रिस वॉक्स को कैच थमा आउट आठवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। छह मैचों में भारतीय टीम पहली बार बल्लेबाजी के उतरी। दोपहर को आसमान में छाई बदली और धूप छाह की आंचमिचौनी का इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वॉक्स और डेविड विली ने भरपूर लाभ उठाया। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने डेविड विली के तीसरे ओवर में दो छक्कों और एक चौकों सहित 18 रन जोड़े लेकिन इस ओवर में छोड़ भारत का शीर्ष क्रम बुरी तरह संघर्ष करता नजर आया। कप्तान सलामी बल्लेबाज रोहित ने अकेले आक्रामक तेवर दिखाए और उन्हें छोड़ बाकी जूझते नजर आए। भारत ने अपने शुरू के 50 रन 14.2 ओवर में पूरे किए और इसमें 33 अकेले रोहित शर्मा के थे।भारत ने 12 वें ओवर के शुरू में ही मात्र 40 रन पर शुभमन गिल(9), विराट कोहली (0) और श्रेयस अय्यर (4) के रूप में तीन विकेट खो दिए। रोहित ने पारी के 24 वें और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की गेंद को वाइड मिड ऑन के उपर से उड़ाकर 66 गेंद कर दो छक्कों और छह चौकों की मदद से अपना अर्द्धशतक पूरा किया ही उनकी अगली गेंद पर फाइन लेग के उपर से छक्का उड़ाया। केएल ने लियाम लिविंगस्टन के अगले ओवर में लगातार दो चौकों सहित कुल 11 रन लेकर 25 ओवर में भारत के स्कोर को 100 रन पर पहुंचाया। डेविड विली के दूसरे स्पैल की दूसरी गेंद को बेवजह उड़ाने फेर में आगे निकेल केएल राहुल(39 रन, 58 गेंद, 3 चौके) ने मिड ऑन पर जॉनी बैरिस्टो को कैच थमाया। केएल राहुल के रूप में भारत ने 131 पर चौथा विकेट पारी के 31 वें ओवर 131 पर गंवाया और इसी के साथ उनकी और रोहित की 91 रन की बेशकीमती भागीदारी टूट गई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में मात्र दो रन के भीतर रोहित, इशान और श्रेयस के रूप में तीन विकेट गंवाने के बाद भारतीय शीर्ष क्रम दूसरी बार रन के लिए जूझना नजर आया।

रोहित शर्मा (33 रन) ने पारी के 16 वें और तेज गेंदबाज मार्क वुड के पहली ओवर की क्रीज के कोने से भीतर आती गेंद को आगे आकर खेलने की कोशिश और चूके अंपायर के आउट देने पर उन्होंने रिव्यू लिया। इस पर गेंद लेग स्टंप से बाहरी जाती लगी और अंपायर ने यह फैसला पलट दिया तब भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। रोहित ने अगली ही गेंद पर डीप बैकवर्ड पॉइंट के बीच से चौका लगा दबाव कम किया। पहले ड्रिंक्स ब्रेक पर 16 ओवर में भारत ने तीन विकेट पर 55 रन बनाए थे। कप्तान रोहित शर्मा ने नॉर्थ एंड से गेंदबाजी का आगाज करने वाले डेविड विली का पहला ओवर मेडन खेला लेकिन उनके अगले ओवर में दो छक्कों और एक चौके के साथ कुल 18 रन लेकर इसकी भरपाई कर दी। वहीं शुभमन गिल (9 रन, एक चौका, 13 गेंद) तेज गेंदबाज क्रिस वॉक्स की गेंद को ड्राइव करने से चूके और पिच पर गिरने के बाद तेजी से भीतर आती गेंद उनका ऑफ और मिडलस्टंप उड़ा ले गई। भारत ने पॉवरप्ले के चौथे और वॉक्स के दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर पहला विकेट 28 रन पर खो दिया। गिल ने आउट होने से पहले वॉक्स की गेंद को पॉइंट के बीच से ड्राइव कर चौका जड़ा।व ॅक्स के तीसरे ओवर में रोहित (18) ने उनकी गेंद को सामने खेलने की कोशिश की लेकिन गेंद स्लिप में खड़े जो रूट के सामने गिरी और तब भारत का स्कोर 27 रन था। विराट कोहली (0) ने मिजाज के उलट आक्रामक तेवर दिखाए और डेविड विली के चौथे ओवर पांचवी की तेजी से अंदर आती गेंद को उड़ाने के फेर में मिड ऑफ पर बेन स्टोक्स को आसान सा कैच थमा दिया और भारत दो विकेट मात्र 27 रन पर खोकर संकट में फंस गया। विली के पांचवें और पारी के नौवें ओवर की चौथी गेंद को श्रेयस अय्यर ने कवर में खेल तेज रन दौड़ने की कोशिश की लेकिन वुड ने चीते की फुर्ती से नान स्ट्राइकर एंड स्टंप बिखेर दिए और रोहित बमुश्किल क्रीज मे पहुंच पाए। श्रेयस अय्यर(4) की शॉर्ट पिच गेंद को खेलने की कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई और वह तेज गेंद को उड़ाने के फेर में अक्रॉस द लाइन खेले और मिड पर मार्क वुड को कैच थमा दिया भारत ने 12वें ओवर में तीसरा विकेट 40 रन पर गंवा कर संकट में फंस गया। वॉक्स का अपने शुरू के छह ओवर में 12 रन देकर दूसरा विकेट था।

विराट फिर सचिन के बराबर पहुंचने से चूके

विराट कोहली जब शुभमन गिल (4) के पारी के चौथे और क्रिस वॉक्स की दूसरी गेंद पर बोल्ड होने पर क्रीज पर उतरे तो यहां मौजूद करीब 40 हजार दर्शकों ने जोरदार करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया। विराट के अपने मिजाज के उलट इंग्लैंड के तेज गेंदबाज विराट कोहली की गेंद को उड़ाने के फेर में खाता खोले बिना ही मिड ऑफ पर बेन स्टोक्स को कैच थमाने से पूरे इकाना भारत रत्न अटल बिहारी स्टेडियम में सन्नाटा छा गया। इसके साथ ही विराट का अंतर्राष्ट्रीय वन डे क्रिकेट में सर्वाधिक 49 शतक जड़ने का इंतजार और लंबा हो गया। विराट कोहली फिलहाल वन डे अंतर्राष्ट्रीय मेचों में 48 शतक जड़ कर सचिन के बाद दूसरे स्थान पर है। विराट (कुल 354) ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच सहित अब तक मौजूदा विश्व कप में एक शतक ओर तीन अर्द्धशतक सहित दूसरे स्थान पर हैं जबकि रोहित शर्मा (कुल 398 रन)रविवार को अर्द्धशतक जमाने के साथ भारत की ओर से कुल रन बनाने में शीर्ष पर पहुंच गए। विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच मे मात्र पांच रन से इस वन डे विश्व कप में अपना लगातार दूसरा शतक पूरा करने से चूक गए थे। विराट अब तक इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 16 रन पर आउट होने के बाद छह मैच में मात्र दूसरी बार 50 रन से पहले आउट हुए।

विश्वकप में पाकिस्तान का बुलबुला फूट गया

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने नीदरलैंड और श्रीलंका पर शानदार जीत के साथ अपने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 अभियान की शुरुआत करके सभी को प्रभावित किया। ग्रीन आर्मी ने नीदरलैंड्स को 81 रनों से हराया और 345 रनों का पीछा करते हुए श्रीलंका को रोमांचक मुकाबले में हराकर जीत हासिल की। हालाँकि, पाकिस्तान की गति बुरी तरह से पटरी से उतर गई जब टीम 14 अक्टूबर को अपने तीसरे मैच में भारत से भिड़ी। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में मेन इन ब्लू ने पाकिस्तान पर अपना दबदबा बनाए रखा और 19.3 ओवर शेष रहते कट्टर प्रतिद्वंद्वियों पर एक उल्लेखनीय जीत हासिल की।

यह आठवीं बार था जब दोनों टीमें आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में आमने-सामने थीं और भारतीय बल्लेबाजों ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को कोई राहत नहीं दी, जो प्रशंसकों के लिए मुंह में पानी ला देने वाली भिड़ंत बन गई। आईसीसी वर्ल्ड कप के लिए भारत पहुंचने पर पाकिस्तान का हैदराबाद में जोरदार स्वागत किया गया. उनके खेलने की अप्रत्याशित शैली के कारण, उन्हें शुरू में शीर्ष चार सेमीफाइनल दावेदारों में से एक माना जाता था। हालाँकि, यह आशावाद एक बुलबुला साबित हुआ जो फूट गया क्योंकि उन्हें टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत के खिलाफ एक गंभीर झटका लगा।

नेटिज़न्स अब टीम के मीम्स बना रहे हैं और सोशल मीडिया उससे भरा हुआ है। एक ने लिखा, एक निम्न स्तर की टीम, बुलबुला फूट गया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा को लगता है कि बाबर आज़म की अगुवाई वाली टीम भारत के खिलाफ प्रतिस्पर्धा ही नहीं कर पाई। रमीज़ ने आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट पर कहा, अगर आप जीत नहीं सकते, तो कम से कम प्रतिस्पर्धा करें। पाकिस्तान ऐसा करने में सक्षम नहीं था। भारत के खिलाफ हार के बाद, पाकिस्तान के पास अभी भी समय था, लेकिन टीम पूरी तरह से लय खो बैठी और अब उसे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है।

पाकिस्तान के लिए सबसे दुखद हार तब हुई जब टीम पहली बार पुरुष वनडे में अफगानिस्तान से हार गई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद, पाकिस्तान पटरी पर लौटने के लिए जीत की तलाश में था, लेकिन अफगानिस्तान ने 282 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया, जिससे बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम को बड़ा झटका लगा। चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका से हार से पाकिस्तान की सेमीफ़ाइनल की आकांक्षाओं को गहरा झटका लगा। हालांकि पाकिस्तान ने अपनी क्षमता की झलक दिखाई, लेकिन उन्हें विश्व कप में लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों इकाइयां प्रचारित अपनी छाप छोड़ने में विफल रहीं! इस मेगा विश्व कप से पहले पूरे सोशल मीडिया पर पाकिस्तान टीम को लेकर हलचल मच गई। लेकिन जब मेन-इन-ग्रीन ने मैदान संभाला, तो सब कुछ धुँआ हो गया। शाहीन आफरीदी की अगुवाई वाले गेंदबाजी विभाग को बल्लेबाजों ने बेरहमी से पीटा। परिणामस्वरूप, उनका अभियान अब ख़राब स्थिति में है, और सेमीफ़ाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें अपने शेष सभी मैचों में जीत हासिल करनी होगी। पाकिस्तान की अगली चुनौती मंगलवार को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मुकाबला है, क्योंकि वे इस मैच में जीत के साथ अपनी विश्व कप की उम्मीदों को पुनर्जीवित करना चाहेंगे।

यह बांग्लादेश का सबसे खराब अभियान : शाकिब अल हसन

हमारे पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सीमित क्षमताओं की एक टीम है। हम अलग-अलग समय और स्थिति में गेंदबाजी करने या बल्लेबाजी करने में सहज नहीं हैं। हम निश्चित समय में गेंदबाजों का सामना करने में सहज नहीं हैं, इसलिए हमें हर समय समायोजित करना होगा : शाकिब अल हसन

कोलकाता। कप्तान शाकिब-अल-हसन ने कहा है कि मौजूदा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप बांग्लादेश का अब तक का सबसे खराब विश्व कप अभियान हो सकता है, क्योंकि उनकी टीम को लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा और नीदरलैंड ने ईडन गार्डन में उन्हें 87 रन से हरा दिया। बांग्लादेश ने अपने अभियान की शुरुआत अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती गेम जीतकर की थी लेकिन फिर उन्हें लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा जिससे ग्रुप चरण से आगे जाने की उनकी उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। शाकिब ने शनिवार को नीदरलैंड से निराशाजनक हार के बाद संवाददाताओं से कहा, आप बिना किसी संदेह के कह सकते हैं कि (यह बांग्लादेश का विश्व कप में सबसे खराब प्रदर्शन है)। मेरे पास इसका जवाब नहीं है कि हमने इस तरह क्यों खेला। उन्होंने कहा, मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता। हम अपने प्रदर्शन से बेहतर टीम हैं। इस टूर्नामेंट में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा, इस बात से पूरा ड्रेसिंग रूम सहमत होगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके हालिया शतक के बाद भी, बांग्लादेश के मोहम्मद महमुदुल्लाह को नीदरलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम में सातवें स्थान पर उतारने के फैसले ने महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा कीं और काफी ध्यान आकर्षित किया। हमारे पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सीमित क्षमताओं की एक टीम है। हम अलग-अलग समय और स्थिति में गेंदबाजी करने या बल्लेबाजी करने में सहज नहीं हैं। हम निश्चित समय में गेंदबाजों का सामना करने में सहज नहीं हैं, इसलिए हमें हर समय समायोजित करना होगा। अगर हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है शीर्ष पर, रियाद और मुश्फिक अपनी भूमिका निभा सकते थे। उन्होंने कहा, मैं आपसे सहमत हूं कि शायद अगर रियाद भाई ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करते तो हम अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे। इसके अलावा, हम सभी निराशाजनक रहे हैं। शाकिब ने यह भी बताया कि पूर्व वनडे कप्तान तमीम इकबाल के 50 ओवर के प्रारूप से हटने से विश्व कप में उनकी यात्रा प्रभावित हो सकती है, खासकर विश्व कप से ठीक पहले उनके बीच विवाद को देखते हुए, जो सार्वजनिक हो गया था। शाकिब ने कहा, इससे टीम प्रभावित हो सकती है। यह असामान्य नहीं है। आप नहीं जानते कि किसी व्यक्ति के मन में क्या है, लेकिन मैं इस तथ्य से असहमत नहीं हूं कि (विवाद) इसका हम पर असर पड़ा होगा। नीदरलैंड के खिलाफ शनिवार की हार के बाद, बांग्लादेश को अपने आगामी तीन मैचों में पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है।

सार संक्षेप

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान पर जुर्माना लगाया गया

नई दिल्ली। शुक्रवार को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के एक लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने समय भत्ते पर विचार करने के बाद बाबर आजम की टीम को लक्ष्य से चार ओवर कम होने के कारण सजा दी। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को उनकी टीम द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। बाबर ने अपराध स्वीकार किया और प्रस्तावित सज़ा स्वीकार कर ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर एलेक्स व्हार्फ और पॉल रीफेल, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने यह आरोप लगाया था।

इंग्लैंड टीम के भीतर कुछ निश्चित रूप से अस्थिर है : इयोन मोर्गन

लखनऊ। इंग्लैंड के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन ने मेजबान भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैच से पहले जॉस बटलर की अगुवाई वाली टीम के मनोबल और आत्मविश्वास पर चिंता जताई है और कहा है, टीम के भीतर कुछ ऐसा है जो निश्चित रूप से अस्थिर है। गत चैंपियन को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा, दूसरे मैच में बांग्लादेश को हराया, लेकिन इसके बाद उसे अफगानिस्तान से झटका लगा और दक्षिण अफ्रीका ने रिकॉर्ड अंतर से हराया, जिसके बाद आईसीसी पुरुष वर्ग में श्रीलंका से निराशाजनक हार हुई। क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताब की रक्षा लगभग समाप्त हो गई, क्योंकि वे पांच मैचों में सिर्फ एक जीत के साथ स्टैंडिंग में सबसे नीचे संघर्ष कर रहे हैं।

वनडे विश्व कप की शीर्ष सात टीमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए क्वालीफाई करेंगी

नई दिल्ली। भारत में चल रहे वनडे विश्व कप में लीग चरण के अंत के बाद शीर्ष सात टीमें पाकिस्तान में होने वाली आठ टीमों की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफ़ी में जगह बना पाएंगी। पाकिस्तान मेज़बान के तौर पर पहले ही इसमें क्वालीफ़ाई कर चुका है। आईसीसी के प्रवक्ता ने ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो से पुष्टि की है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफ़ी का क्वालीफ़िकेशन सिस्टम आईसीसी बोर्ड ने 2021 में अप्रूव किया था, जब 2024-31 के चक्र में टूर्नामेंट को आठ टीमों का दोबारा करने का निर्णय लिया गया था। इस बदलाव से कई बोर्ड चौंक गए हैं, जिसमें विश्व कप में खेल रही और नहीं खेलने वाली दोनों टीमें शामिल हैं।

जिन्होंने ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो को बताया कि वे इस बात से अनजान थे कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफ़ी का क्वालीफ़िकेशन इस टूर्नामेंट में दांव पर है। इसका मतलब है कि वेस्टइंडीज़, ज़िम्बाब्वे और आयरलैंड जैसी टीमों को अब इस टूर्नामेंट में क्वालीफ़ाई करने का मौक़ा नहीं मिलेगा, क्योंकि ये सभी देश 2023 वनडे विश्व कप में जगह नहीं बना पाए थे। यह मामला तब सामने आया जब बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चैंपियंस ट्रॉफ़ी के संदर्भ में टिप्पणी की, जिससे संकेत मिलता है कि उन्हें कम से कम पता था कि क्वालीफ़िकेशन दांव पर थे।

नवंबर 2021 में आईसीसी ने 2024-31 के चक्र में पुरुष और महिला के कई ग्लोबल इवेंट लांच किए थे, जिसमें 2025 और 2029 की चैंपियंस ट्रॉफ़ी शामिल थी। मीडिया बयान में आईसीसी ने कहा था कि चैंपियंस ट्रॉफ़ी आठ टीमों की होगी और जिसमें चार-चार टीम के दो ग्रुप होंगे, इसके बाद सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल होगा।

बिशन सिंह बेदी के सम्मान में भारतीय टीम ने बांह पर काली पट्टी बांधी

लखनऊ। बीआरएसएबीवी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैच में, भारतीय टीम महान बाएं हाथ के स्पिनर बिशन सिंह बेदी के सम्मान में काली पट्टी पहने नजर आई।

बीसीसीआई ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा था, सटीमइंडिया आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ खेल शुरू होने से पहले महान बिशन सिंह बेदी की याद में काली पट्टी पहनेगी।

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड दोनों के खिलाड़ियों ने पिछले बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में अपने विश्व कप मैच से पहले उनकी याद में एक मिनट का मौन रखा था, जिस स्थान पर बेदी के नाम पर एक स्टैंड है।

बीएस चन्द्रशेखर, इरापल्ली प्रसन्ना और एस वेंकटराघवन के साथ प्रसिद्ध स्पिन चौकड़ी के सदस्य बेदी का पिछले सोमवार को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बेदी ने 1967 और 1979 के बीच भारत के लिए 67 टेस्ट खेले, जिसमें 28.71 की औसत से 266 विकेट लिए।

उन्होंने 22 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करने के अलावा, 10 एकदिवसीय मैचों में सात विकेट भी लिए - 1977-78 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में उनकी सबसे यादगार जीत थी। पंजाब के अमृतसर में जन्मे बेदी ने 1968-69 सीज़न में दिल्ली जाने से पहले उत्तरी पंजाब से अपना प्रथम श्रेणी करियर शुरू किया।

बेदी ने दो उपविजेता रहने के अलावा, 1978-79 और 1979-80 में दिल्ली को प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी खिताब भी दिलाया। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में नॉर्थम्पटनशायर के लिए भी उनका कार्यकाल सफल रहा। 1972 और 1977 के बीच क्लब के लिए 102 मैचों में, बेदी ने 20.89 के औसत के साथ 434 विकेट हासिल किए, जो इंग्लिश काउंटी क्रिकेट सर्किट में किसी भारतीय द्वारा सबसे अधिक है।

उनकी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी फ्लाइट, लूप और स्पिन में उनकी महारत के लिए जानी जाती थी, साथ ही क्रीज पर बल्लेबाजों को मात देने के लिए सूक्ष्म विविधताओं का उपयोग करने के साथ-साथ उनकी बेहतर आर्म स्पीड रिलीज पॉइंट्स में छोटे समायोजन भी किए जाते थे।

अपने खेल करियर के बाद, बेदी ने युवा क्रिकेटरों को कोचिंग देना शुरू कर दिया, जिसमें मनिंदर सिंह और मुरली कार्तिक उनके छात्र थे जिन्होंने भारत के लिए खेला था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर टीमों को भी कोचिंग दी, जिसमें पंजाब ने 1992-93 में रणजी ट्रॉफी जीती। वह 1990 में कुछ समय के लिए भारतीय टीम के मैनेजर थे। वह खेल से संबंधित सभी मामलों पर एक मुखर, और निडर आवाज थे, जो हर बात को सही मायने में चुनौती देते थे। उन्हें 1969 में अर्जुन पुरस्कार, 1970 में पद्मश्री सम्मान और 2004 में सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सुडोकू 6361 का हल

4	9	3	1	5	7	8	2	6
1	8	6	2	3	9	7	5	4
2	5	7	8	4	6	3	1	9
3	7	5	6	1	2	9	4	8
9	4	1	3	8	5	2	6	7
6	2	8	7	9	4	1	3	5
7	1	2	5	6	8	4	9	3
8	6	4	9	2	3	5	7	1
5	3	9	4	7	1	6	8	2

कृषि जगत

सेम की खेती के बारे में जानकारी, कैसे की जाती है सेम की खेती

भारत में सब्जियों की खेती में सेम एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि सेम की खेती कम लागत में अच्छा मुनाफा देने वाला सौदा है। सेम की खेती में 3 से 4 महीने का वक्त लगता है, लेकिन इसके बाद किसान सेम की खेती से आसानी से 2 से 3 महीने की नगद आमदनी हर रोज कमा सकते है। अगर आपको इसकी खेती कर अच्छा मुनाफा कमाना है, तो ट्रैक्टर गुरु की आज की इस पोस्ट को ध्यान पूर्वक पढ़े। आज की इस पोस्ट में हम किसान भाईयों के लिए सरल भाषा में सेम की खेती करने का आसान और उन्नत तरीके की जानकारी को साझा करने जा रहे हैं।

सेम संसार के प्राय: सभी भागों में उगाई जाती हैं। सेम की अनेक जातियाँ होती हैं और उसी के अनुसार फलियाँ भिन्न-भिन्न आकार की लंबी, चिपटी और कुछ टेढ़ी तथा सफेद, हरी, पीली आदि रंगों की होती है। वर्तमान समय में सेम की कई उन्नत किस्मों जैसे- सै प्रोलिफिक, एचडी- 1,18, डीबी-01,18, एचए- 3, रजनी, बी.आर.सेम-11, पूसा सेम- 2 (सिलेक्शन 12), पूसा सेम- 3 (सिलेक्शन 15), जवाहर सेम-53, जेडीएल-053, 85, कल्याणपुर टाइप- 1, 2, जवाहर सेम- 37, 53, 79, 85, अर्का जय और अर्का विजय, पूसा अर्ली, काशी हरितमा, काशी खुशहाल (वी.आर.सेम- 3), जवाहर सेम- 79, कल्याणपुर-टाइप, रजनी, एचडी- 1, एचडी- 18 और प्रोलिफिक आदि किस्मों को अधिक पैदावार के लिए किसान भाई इनकी बुवाई कर सकते है।

सेम की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी, जलवायु और तापमान की आवश्यकता- सेम की खेती दोमट और बलुई रेतीली मिट्टी वाली हल्की भूमि में सफलतापूर्वक की जा सकती है परन्तु पानी के निकास वाली चिकनी दोमट व बलुई रेतीली मिट्टी इसकी खेती के लिए अधिक उपयुक्त माना गया है। इसकी खेती के लिए भूमि का पीएच मान 5.5 से 6.0 के मध्य होना चाहिए। सेम का पौधा समशीतोष्ण जलवायु वाला होता है। इसके पौधे ठंड में अच्छे से विकास करते है। इस लिए इसकी खेती ठंडी जलवायु में अच्छी होती है। सेम की खेती के लिए 15 से 22 डिग्री तापमान उपयुक्त माना गया है। तथा इस तापमान में इसका बीज अच्छे से अंकुरण करते है। ऐसे में ये कहना सही होगा कि पाला अधिक पड़ने वाले स्थानों को छोड़कर लगभग सभी ठंडी जलवायु वाले स्थानों में सेम सफलतापूर्वक उगाई जा सकती है।

सेम के बीजों की मात्रा एवं बीजोपचार- सेम के बीजों की रोपाई बीज के रूप में की जाती है। इसके लिए एक हेक्टेयर के खेत में तकरीबन 10 से 15 किलोग्राम बीजों की आवश्यकता होती है। बीज रोपाई हाथ या ड्रिल दोनों ही तरीको से की जा सकती है। बीजों को रोग रक्षा हेतु उन्हें कवकनाशी कार्बेन्डाजिम, थीरम या गोमूत्र से उपचारित कर ले।

सेम की खेती के लिए खेत की तैयारी- सेम की खेती करने के लिए बुवाई से पहले खेत को तैयार किया जाता है। इसके लिए पहले खेत में मौजूद पुरानी फसल के अवशेषो को पूरी तरह से नष्ट करना होता है। इन अवशेषों को नष्ट करने के लिए खेत की मिट्टी पलटने वाले हलो से गहरी जुताई कर दी जाती है। गहरी जुताई के बाद खेत में प्राकृतिक खाद के रूप में 15 से 20 गाड़ी पुरानी गोबर की खाद को डालकर फिर से जुताई कर कर लें। इससे खेत की मिट्टी में गोबर की खाद ठीक तरह से मिल जायेगी। खेत में खाद को मिलाने के बाद उसमे पानी लगाकर कर पलेव कर दिया जाता है। पलेव के कुछ दिन बाद खेत की नम भूमि में रोटावेटर लगाकर जुताई कर खेत की मिट्टी को भुरभुरी बना लेने के बाद मिट्टी में पाटा लगाकर खेत को समतल कर लिया जाता है, इससे भूमि में जलभराव नहीं होता है।

सेम की बीजों की बुवाई के लिए क्यारियों का निर्माण, बुवाई का समय- तैयार खेत में सेम की बुवाई करने के लिए खेत में पहले लगभग 1.5 मीटर की चौड़ी क्यारियाँ बना लें। क्यारियों के दोनों किनारों पर करीब 1.5 से 2.0 फीट की दूरी व 2 से 3 सेंटीमीटर की गहराई में 2 से 3 बीजों की बुवाई करें। इन तैयार क्यारियाँ के पास बीज की बुवाई के अनुसार बाँस की बल्लियों को गाड़ कर इन बल्लियों के सहारे एक जाल नुमा संरचना का निर्माण करे। इस संरचना से पौधे को जमीन से ऊपर रखा जा सकता है। अगर पौधे जमीन से ऊपर होगे तो इनमें रोग व कीटों का खतरा कम होगा और पौधा का विकास अच्छा होगा साथ ही फसल सड़ने से बचेगी। सेम के बीजो की रोपाई अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग समय पर करते है। इसमें उत्तर पूर्वी राज्यों में बीजो की रोपाई अक्टूबर से नवम्बर माह के मध्य तक की जानी चाहिए। जबकि उत्तर पश्चिम राज्यों में बीजो को सितम्बर माह के मध्य तक लगाया जाता है। इसके अलावा पहाड़ी इलाको में बीजो की रोपाई जून और जुलाई के महीने में की जाती है।

सेम के खेत के लिए सिंचाई एवं उर्वरक व खाद पोषक तत्व प्रबंधन- सेम के खेती के लिए अधिक सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी सिंचाई मृदा के प्रकारों व मृदा के जल धारण क्षमता पर निर्भर होती है। अगर सेम की बीजों की बुवाई दोमट मृदा में की गई है तो इसे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। जबकि बीजों की बुवाई बालुई व चिकनी मृदा में कि गई है तो अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है। सेम की खेती की पहली सिंचाई बुवाई के तुरंत बाद कर देनी चाहिए। इसके बाद खेत में बीज अंकुरण के समय नमी बनाये रखने के लिए 3 से 4 दिन के अंतराल में पानी देते रहना चाहिए। सेम की फसल को मृदा के परीक्षण के आधार पर खाद व उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए। सेम एक दलहनी फसल है और इस कारण इसकी जड़ ग्रंथियाँ नत्रजन का स्थिरीकरण कर लेती है। लेकिन आवश्यकता अनुसार मृदा परीक्षण रिपोर्ट कार्ड के अनुसार किसान बुवाई से पहले रासायनिक खाद के रूप में प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 130 से 180 क्विंटन गोबर की खाद अथवा कंपोस्ट का उपयोग करें। इसके बाद 60 किलोग्राम (फोस्फोरस, पोटाश, नाइट्रोजन) की मात्रा खेत की आखरी जुताई के समय मिला दें। इसके बाद 15 से 20 किलोग्राम यूरिया की मात्रा का छिड़काव पौधें की सिंचाई के साथ करना आवश्यक है।

बकरी पालन से कम खर्च में होगा अधिक मुनाफा, सरकार देती है अनुदान

बकरी से किसान दूध और मांस के साथ-साथ बाल, खाल और रेशों का व्यवसाय भी कर सकते हैं। इसके अलावा बकरी के मूत्र का इस्तेमाल खाद के रूप में भी किया जाता है। बकरी पालन के व्यवसाय में शुरुआती लागत कम होती है और इनके आवास व प्रबंधन पर भी कम खर्च आता है। बकरी पालन का व्यवसाय छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय में कम स्थान, कम खर्च और सीमित देखभाल करके के भी मुनाफा कमाया जा सकता है। यहीं कारण है कि बीते 5 साल में भारत में बकरियों की संख्या में इजाफा देखा गया है। हर 5 साल में होने वाली पशुगणना के आंकड़ों के अनुसार पशुधन में 4।6 फीसदी की वृद्धि हुई है। बकरी से किसान दूध और मांस के साथ-साथ बाल, खाल और रेशों का व्यवसाय भी कर सकते हैं। इसके अलावा बकरी के मूत्र का इस्तेमाल खाद के रूप में भी किया जाता है। बकरी पालन के व्यवसाय में शुरुआती लागत कम होती है और इनके आवास व प्रबंधन पर भी कम खर्च आता है। बकरी पालन में सरकार की ओर से भी मदद की जाती है। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 25 से 33 प्रतिशत तक का अनुदान मिलता है। बकरी पालन के सफल व्यवसाय के लिए जरूरी है कि वे स्वस्थ और निरोगी रहें। अगर बकरियां बीमार हो जाएं तो तुरंत इलाज की सलाह दी जाती है।

बकरियों में होने वाले रोग× बकरियों में कुछ रोग होने की आशंका ज्यादा रहती है। चेचक उनमें से एक है। यह विषाणु से होने वाला संक्रामक रोग है। जो सांस लेने या त्वचा के घांव के माध्यम से पशु के शरीर में पहुंचता है। इस बीमारी के लक्षण दो से सात दिन के अंदर सामने आने लगते हैं। यह बीमारी हो जाने पर स्वस्थ पशुओं को अलग कर दिया जाता है। दूसरी बीमारी निमोनिया है। पानी में भिगने, ठंड लग जाने और अचानक मौसम के बदलने से बकरियों को निमोनिया हो सकता है। **खुरपका-मुंहपका रोग**- यह एक संक्रामक बीमारी है और बकरी सहित सभी जानवरों में होने की आशंका रहती है। इस रोग में पीड़ित में पशुओं के मुंह और पैर में घांव होना पहला लक्षण है। इन रोगों की रोकथाम के लिए समय पर टीकाकरण जरूरी है। अगर विशेषज्ञों की सलाह लेकर बकरी पालन किया जाए तो यह फायदेमंद व्यवसाय हो सकता है।

फ्रेंचबीन की खेती करें-होगी लाखों रुपए की कमाई

सर्दियों का मौसम चल रहा है। इन दिनों रबी फसलों की बुवाई जोरों पर चल रही है। किसान अपने खेत में गेहूं, चना, सरसों आदि रबी फसलों की बुवाई कर रहे हैं। यदि किसान इन फसलों के साथ ही फ्रेंचबीन की खेती करें तो अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। फ्रेंचबीन को राजमा भी कहा जाता है। ये एक दलहनी फसल है। हालांकि इसकी हरी पौध को सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इसे सुखाकर राजमा के रूप में खाया जाता है। फ्रेंचबीन या हरी बीन्स में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए लाभकारी होते हैं। इसमें मुख्य रूप से पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्सियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं। बीन्स विटामिन बी2 का मुख्य स्रोत हैं। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं। इसका सेवन हृदय रोगियों के लिए बहुत ही लाभकारी बताया गया हैं। ये शरीर में बढ़े कोलेस्टेरोल की मात्रा को कम करता है जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसके सेवन से रक्चाप नहीं बढ़ता है। इसलिए ये हृदय रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना गया है। यदि सही तरीके से फ्रेंचबीन खेती की जाए तो किसान इसकी खेती से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से आपको फ्रेंचबीन की खेती का सही तरीका और उत्पादन काल में रखने ध्यान रखने वाली महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दे रहे हैं, तो बने रहिये हमारे साथ।

फ्रेंचबीन की खेती के लिए कैसे होनी चाहिए जलवायु और मिट्टी- फ्रेंचबीन की खेती सर्दी व गर्मी दोनों मौसम में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए हल्की गर्म जलवायु अच्छी रहती है। इसके लिए खेती के लिए अधिक ठंडी और अधिक गर्म जलवायु अच्छी नहीं रहती है। इसकी खेती हमेशा अनुकूल मौसम में की जानी चाहिए। यदि मिट्टी की बात की जाए तो इसकी खेती के लिए बलुई बुमट व बुमट मिट्टी अच्छी रहती है। जबकि भारी व अम्लीय भूमि वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

फ्रेंचबीन की खेती के लिए किन किस्मों का करें चुनाव / फ्रेंचबीन की उन्नत किस्में- फ्रेंचबीन की खेती के लिए कई किस्में आती है जो अच्छी हैं। इसमें दो तरह की किस्में आती है जिसमें पहली झाड़ीदार किस्में होती हैं जिनमें जाइंट स्ट्रींगलेस, कंटेंडर, पेसा पार्वती, अक्रा कोमल, पंत अनुपमा तथा प्रीमियर, वी.एल. बोनी-1 आदि प्रमुख किस्में है। वहीं दूसरी बेलदार किस्में होती है जिनमें केंटुकी वंडर, पूसा हिमलता व एक.वी.एन.-1 अच्छी किस्में हैं।

फ्रेंचबीन की खेती में बुवाई का सही तरीका- उत्तर भारत में इसकी खेती अक्टूबर व फरवरी में की जाती है। वहीं हल्की ठंड वाले स्थानों पर इसकी खेती नवंबर में की जाती है। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्र में इसकी खेती फरवरी, मार्च व जून माह में की जा सकती है। बुवाई करते इस बात का ध्यान रखें की बुवाई हमेशा कतार में करें ताकि निराई-गुडाई के काम में आसानी रहे। बुवाई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45-60 सेमी. और बीज से बीज की दूरी 10 सेमी. रखनी चाहिए। वहीं बेलदार किस्में लगा रहे हैं तो पंक्ति से पंक्ति की दूरी 100 सेमी रखना अच्छा रहता है। इसके लिए पौधों को सहारा देने का प्रबंध भी करना जरूरी है। इसके लिए लकड़ी, बांस या लोहे की छड़ को सहारे के लिए प्रयोग किया जा सकता है। बीज के अंकुरण के लिए भूमि में पर्याप्त मात्रा में नमी होनी चाहिए।

फ्रेंचबीन की खेती में कितनी मात्रा में करें खाद व उर्वरक का प्रयोग- फ्रेंचबीन के बीजों की बुवाई से पहले बीज का राइजोबियम नामक जीवाणु से उपचार कर लें ताकि जमीन जनित रोग से फसल सुरक्षित रहे। इसके अलावा इसकी खेती के लिए 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 80 कि.ग्रा. फास्फोरस और 50 कि.ग्रा. पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की तैयारी के दौरान खेत की अंतिम जुताई समय पर मिला दें। इसके अलावा 20-25 टन गोबर या कम्पोस्ट खाद को खेत की तैयारी के समय मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। वहीं 20 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से फसल में फूल आने के समय प्रयोग करें।

फ्रेंचबीन की खेती कब करें सिंचाई- फ्रेंचबीन की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त मात्रा में नमी होनी जरूरी है। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है। इसके बाद इसकी हर सात से दस दिन के अंतराल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।

गुलाब की खेती कैसे होती है और उसकी किस्में

गुलाब के फूलो को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है, शादियों के सीजन में इसकी मांग बहुत ज्यादा बढ़ जाती है । जिसके चलते किसानों की दिलचस्पी गुलाब की खेती एक फायदेमंद खेती के रूप में उभर कर सामने आयी है।

फूल की खेती कब और कैसे करें- गुलाब का पौधा आकार में 4 से 5 फिट तक लम्बा होता है, इसके फूल वाले भाग को छोड़ दे तो बाकी सभी जगह टहनी और तना दोनों पर ही कांटे लगे होते है । गुलाब की खेती को देश में लगभग सभी जगह उगाया जा सकता है । कुछ लोग इसे मुनाफे के लिए उगाते है, तो कुछ लोग इसे सुंदरता के लिए अपने घरो, बागो बगीचों, सरकारी या निजी इमारतों तथा ऑफिस एरिया जैसी जगहों पर भी उगाते है। व्यापारिक नजरिये से इसे खेतो और पॉलीहाउस में उगाते है, जिससे वह इससे अच्छी कमाई कर सके। आज कल मंडियों में सभी जगह फूलो का व्यापार होने लगा है, जिस कारण इसे बेचने में काफी आसानी होती है । फूलो की सबसे बड़ी मंडी दिल्ली में स्थित है, जिस वजह से उत्तर भारत के लोगो को अधिक पैदावार को बेचने में किसी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता है। गुलाब की खेती को किसी भी तरह की मिट्टी में किया जा सकता है, किन्तु कुछ ऐसी भी मिट्टियां होती है जिनमे इसकी खेती को करना सम्भव नहीं है, लेकिन पोलीहाउस के उपयोग ने इन समस्याओ का भी समाधान कर दिया है। वर्तमान समय में पोलीहाउस का इस्तेमाल कर गुलाब की खेती को देश के अधिकतर हिस्सों में किया जाने लगा है। यदि आप गुलाब की खेती करने का मन बना रहे है, तो यहाँ आपको इसकी सबसे उन्नत किस्मों के बारे जानकारी दी गई है। गुलाब की देशी किस्मो में रंग के आधार पर कई किस्म मौजूद है, जिसका लोग अधिक मात्रा में उत्पादन भी करते है । सफ़ेद फूल में पायी जाने वाली देशी किस्मे होमी भाभा, पूसा सोनिया, विरंगों, डिवाइन लाइट मौजूद है । वही लाल रंग की देशी किस्मो की बात करे तो इसमें पापामिलाड, हेपिनेस, क्रीमसन, ग्लोरी, रक्त गंधा, भीम, अनुपमा और ग्लेडिएटर आदि किस्में मौजूद है, तथा पीले देशी रंग के फूलो में चितवन, लिंडोस, पूर्णिमा जैसी किस्में मौजूद है फूलो की इन सभी किस्मो को एक खास तरह की श्रेणी में रखा गया है । पौधों की यह किस्म बड़े आकार के पौधों के रूप में जानी जाती है । इस श्रेणी के पौधे एक वर्ग एरिया में प्रत्येक वर्ष 100 से 150 तक फूल ही दे पाते है । इस वर्ग के पौधे सबसे जल्दी फूल देने के लिए जाने जाते है । इसके पौधे लगने के 2 महीने बाद ही फूल बनकर तैयार हो जाते है । इसमें फूल पौधों की टहनियों पर ही निकलते है, तथा इस किस्म के पौधे बहुत जल्द फूल देने लगते है । गुलाब की इन किस्मो में चंद्रबंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्तगंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल, डा.होमी भाभा, चितवन और भीम आदि शामिल है । गुलाब की यह किस्म अधिकतर घरो या दफ्तरों के बगीचों में सजावट के लिए लगाए जाते है । इस किस्म के पौधों में फूल काफी में तथा कई दिनों तक आते है । स्वाति, इको, अंजनी इसकी मुख्य किस्मे है ।

क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज - पौधों की यह किस्म लता वर्ग के पौधों के रूप में भी जानी जाती है, क्योकि इसके पौधे किसी दीवार का सहारा लेकर ऊपर चढ़ते है तथा एक रस्सी की तरह बढ़ते जाते है । यह पौधे एक बेल बनाते हुए ऊपर की और वृद्धि करते जाते है, इसलिए इन्हे किसी सहारे की जरूरत नहीं होती है । इस तरह के पौधों में वर्ष में केवल एक बार ही फूल खिलते है, इसमें सदाबहार, समर स्नो, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल, गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड, एलवटाइन, एक्सेलसा और डोराथी पार्किंस आदि पौधों की किस्मे पायी जाती है । **टी रोजेज** गुलाब की इस किस्म उतपत्ति चीन में की गयी थी इसमें गुलाब के फूल की पंखुडिया मोती और चौड़ी होती है तथा यह तेजी से वृद्धि कर बढ़ते है, इसमें अलैक्जेण्डर, दी ब्रिज जैसी मुख्य किस्मे है ।

ग्रेन्डीफ्लोरा किस्म के फूल- इसे छोटी डंडी वाला गुलाब का फूल बोला जाता है । इसके पौधे एक वर्ग मीटर में 250-350 फूल प्रति वर्ष देते है । इसकी कटाई में अधिक समय लगता है । इस किस्म के पौधों को फ्लोरीबंडा और हाईब्रिड के संकरण के बाद तैयार किया जाता है । इसे बड़े पैमाने की खेती के लिए उपयोग में लाया जाता है । फ्लोरीबंडा और हाईब्रिड फूलो की ऐसी किस्मे है जिन्हे बड़ी मात्रा में उपयोग में लाया जाता है।

फ्लोरीबंडा किस्म के पौधे × इस वर्ग के पौधे आकार में ज्यादा बड़े नहीं होते है, इसलिए इन्हे मध्यम आकार के फूलो की श्रेणी में रखा गया है । इसमें फूल आकार में थोड़ा छोटे है तथा एक वर्ग मीटर में यह लगभग 200 फूलो की पैदावार ही देते है । इसके सभी फूल गुच्छे नुमा आकार में खिलते है जिससे कम जगह में ज्यादा फूलो को प्राप्त किया जा सकता है । जिससे किसान भाई अच्छी कमाई

भी करते है । इस वर्ग में कविता, जंतर मंतर, सदाबहार, लहर, सूर्यकिरण, दिल्ली, प्रिन्सिस, समर, बहिश्त, आइसबर्ग, शबनम, बंजारन, करिश्मा, चन्द्रमा, चित्तचोर और दीपिका आदि मुख्य किस्मे पायी जाती है।

गुलाब के पौधों को तैयार करने की यह विधि टी बॉडिंग कहलाती है । इस विधि में पौधों को तैयार करने के लिए जंगली गुलाब की कलम को जून या जुलाई के महीने में लगा दिया जाता है । क्यारी में इन कलमों को 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगाया जाता है । इसके बाद इसमें शाखाये निकलने लगती है जिसे हटा दिया जाता है । इसके बाद अच्छी किस्म की गुलाब की टहनी को पॉलीथिन में लगा कर उन्हें ऊपर तक अच्छे से बांध दिया जाता है इस पॉलीथिन में उर्वरक मिली मिट्टी भरी होती है । कुछ समय बाद ही इनमे टहनिया निकल आती है, इसके बाद यह अगस्त माह तक रोपाई के लिए तैयार हो जाते है । गुलाब के पौधे के रोपाई का सही समय और तरीका किसी भी फसल की अच्छी पैदावार के लिए उसे सही समय पर लगाना जरूरी होता है । यदि उस फसल के पौधों को सही समय पर नहीं लगाया गया है तो उसकी पैदावार पर भी काफी फर्क पड़ता है, जिससे किसान अच्छा मुनाफा भी कमा सकते है । अगर गुलाब के फूल की बात करे तो इसके लिए सही समय काफी जरूरी होता है, क्योकि कुछ समय ऐसे होते है जब गुलाब के फूलो की मांग सबसे अधिक होती है । यह क्रिसमस और वेलेंटाइन जैसे खास मोके होते है, इस दौरान गुलाब के फूलो का उपयोग सबसे अधिक होता है। इसलिए छोटे फूलो को अप्रैल या मई के महीने तक तैयार कर लेने चाहिए और बड़े पौधों को अगस्त से सितम्बर तक लगा देना चाहिए जिससे इनके फूल क्रिसमस और वेलेंटाइन के वक्त तैयार हो जाये।

शकरकंद की खेती, कब और कैसे करें

शकरकंद की खेती कंद वर्गीय फसलों की श्रेणी में आती है। जिसको रबी, खरीफ तथा जायद तीनों मौसम उगाया जा सकता है। वैसे तो शकरकंद की खेती पूरे भारत में की जाती है किन्तु उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार राज्यों में की जाती है। अगर आप शकरकंद की खेती से अच्छी कमाई करना चाहते है तो आपको शकरकंद की खेती की खेती से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी पता होती चाहिए तभी आप शकरकंद की उन्नत खेती पाएंगे।

शकरकंद की फसल कंदीय वर्ग में रखा गया है। शकरकंद की खेती ने भी भारत में अपना एक प्रमुख स्थान है। भारत में शकरकंद की खेत का क्षेत्रफल प्रतिदिन बढ़ रहा है। किसान शकरकंद की आधुनिक खेती से अच्छा उत्पादन कर बंपर कमाई कर रहे हैं। शकरकंद की खेती व्यापारिक दृष्टि से भी बहुत लाभदयाक है। शकरकंद की खेती कैसे करें इसकी जानकारी दी गई है। अगर आप शकरकंद की खेती करना चाहते है तो और शकरकंद की खेती के आधुनिक तरीके जानना चाहते हो आप इस आर्टिकल को अवश्य पढ़ें क्योकि आप के लिए शकरकंद की खेती कब और कैसे की जाती है, इसके लिए उपयुक्त जलवायु, मिट्टी, खाद व उर्वरक। शकरकंद की खेती के लिए कितना पीएच मान होना चाहिए और शकरकंद की रोपाई कैसे करें आदि की जानकरी इस लेख में देने वाले है तो चलिए जानते है शकरकंद की खेती कैसे करें।

जलवायु- शकरकंद की खेती के लिए शीतोष्ण और समशीतोष्ण जलवायु उपयुक्त मानी गई है। इसकी खेती के लिए आदर्श तापमान 21 से 27 डिग्री के मध्य होना चाहिए। इसके लिए 75 से 150 सेंटीमीटर बारिस ठीक मानी गई है।

भूमि- शकरकंद की खेती के अच्छी उपज लेने के लिए उचित जल निकासी वाली और कार्बनिक तत्वों से भरपूर दोमट या चिकनी दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी गई है। शकरकंद की फसल उत्तम पैदावार लेने के लिए मिट्टी का पी। एच। 5।8 से 6।7 के बीच होना चाहिए।

उन्नत किस्में- **गौरी**- शकरकंद की इस वैरायटी को 1998 में विकसित किया गया था। इस वैरायटी को तैयार होने में करीब 110 से 120 लग जाते है। इस वैरायटी के कंद का रंग बैंगनी लाल होता है। गौरी शकरकंद से औसतन उपज लगभग 20 टन तक हो जाती है। इस किस्म को खरीफ तथा रवि के मौसम में उगाया जाता है। **श्री कनका**- इस किस्म की शकरकंद का रंग दूधिया होता है। इसके कंद अंदर से पीला होता है। इस वैरायटी को तैयार होने में 100 से 110 दिन लग जाते है। इसकी खेती से औसतन उपज 20 से 25 टन प्रति हैक्टर ली जा सकती है। **एस टी 13**- इस किस्म की शकरकंद में मिठास क होती है। यह अंदर से बिलकुल चुकंदर जैसी बैंगनी-काली दिखाई देती है। इस किस्म को तैयार होने में करीब 110-115 दिन लग जाते है। इसकी औसतन पैदावार 14 से 15 टन प्रति हैक्टर है। **एस टी 14**- इस वैरायटी को साल 2011 में विकसित किया था। इस किस्म के कन्द अंदर से हलके हरा पीला और ऊपर से हल्का पीला होता है। इस किस्म को तैयार होने में 110 दिन लग जाते है। इस किस्म की औसतन पैदावार 15 से 71 टन प्रति हैक्टर है। **शकरकंद अन्य किस्में** -पूसा सफेद, पूसा रेड, पूसा सुहावनी, एच-268, एस-30, वर्षा और कोनकन, अशवनी, राजेन्द्र शकरकंद-35, 43 और 51, करन, भुवन संकर, सीओ-1, 2 और 3, और जवाहर शकरकंद-145 और संकर किस्मों में एच-41 और 42 आदि है।

शकरकंद के खेती के लिए खेत कैसे तैयार करें- शकरकंद की फसल के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल कर खेत को कुछ दिन के लिए खुला छोड़ दें ताकि उसमें मौजूद पुरानी अवशेषों, खरपतवार और कीट नष्ट हो जाये। इसके बाद 170 से 200 क्विंटल गली सड़ी गोबर खाद प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में डालकर 2-3 आडी-तिरछी गहरी जुताई करे। अंतिम जुताई रोटावेटर कर खेत की मिट्टी को भुरभुरा और हवादार बना बना लें।

शकरकंद की बुवाई का समय- शकरकंद की फसल को वर्षा ऋतु में जून से अगस्त तथा रबी के मौसम में अक्टूबर से जनवरी में उगाया जा सकता है। लेकिन उत्तर भारत में शकरकन्द की खेती रबी, खरीफ तथा जायद तीनों मौसम की जा सकती है। इसकी खेती कंद और वेलों (लता) द्वारा की जाती है।

शकरकंद की नर्सरी तैयार करना- एक हैक्टर खेत के लिए 20 से 25 सेंटीमीटर लम्बाई वाली 84,000 लताओं के टुकड़ों की जरूत पड़ती है। एक साथ 2 से 3 टुकड़े लगाने चाहिए। लता की कटिंग हमेसा मध्य व ऊपरी भाग से करि चाहिए। यदि आप कंद का इस्तेमाल कर रहे है तो आपको दो नर्सरी तैयार करनी पड़ेगी। एक हैक्टर खेत में शकरकंद की खेती करने के लिए प्रथम नर्सरी के लिए 100-125 वर्गमीटर क्षेत्रफल आवश्यकता पड़ेगी। प्रथम नर्सरी को फसल लगाने के दो महीने पहले तैयार कर लें ताकि लगाने में आसानी रहे। स्वस्थ कन्दों को 60*60 सेंटीमीटर मेड़ से मेड़ की दूरी और 20*20 सेंटीमीटर कन्द से कन्द की दूरी पर लगाए। इस प्रकार 100-125 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के लिए करीब 100 किलोग्राम कन्दों की आवश्यकता होती है। कंद की बुवाई से पहले 2- 2।5 किलो यूरिया नालियों में छिड़क दें। आवश्यकतानुसार सिचाई करते रहे। करीब 45-50 दिनों में लताएं तैयार हो जाएगी। जिनको 22-230 सेमी के टुकड़ों में काटकर खेत में लगाएं। इसी प्रकार अन्य लताओं से भी नर्सरी तैयार कर सकते है।

लताओं को खेत लगाने से पूर्व की तैयारी- लताओं को नर्सरी से काटने बाद दो दिनों तक छायादार स्थान पर रखें। जड़ों के अच्छे विकास के लिए

लताओं को बोरेक्स दवा 0।05 प्रतिशत के घोल में 10 मिनट तक डुबोकर उपचारित करें ताकि मिट्टी से पाए जाने वाले कीट उसका नुकसान न कर सके। उपचारी करने के बाद खेत में लगाएं।

शकरकंद लगाने की विधि- शकरकंद को टीला विधि, मेड़ तथा नाली विधि और समतल विधि से लगा सकते है। शकरकंद लगाने की इन विधियों का अपना अलग महत्व है। **टीला विधि**- शकरकंद के लिए टीला विधि का प्रयोग जल भराव वाले क्षेत्रों में किया जाता है **मेड़ व नाली विधि** - इस विधि का उपयोग ढलाव वाली भूमि के लिए किया जाता है। **समतल विधि**- यह विधि का उपयोग हर जगह किया जा सकता है लेकिन जड़ जमने के एक महीने बाद मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है।

शकरकंद की लताओं को लगाने का तरीका- शकरकंद की लताओं को हमेसा मध्य भाग से मिट्टी में दबाना चाहिए ताकि जड़ जल्दी विकसित हो जाये। शकरकंद की लताओं की कटिंग हमेसा 3 गांठ से ऊपर करनी चाहिए। शकरकंद की लताओं का लगे समय कतार से कतार की दूरी 60 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखें। इससे कन्दों की गुणवत्तापूर्ण अच्छी होगी।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्प्लेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

भाजपा कार्यालय में हुये बवाल की आग नहीं हो रही शांत, भाजपा के नगराध्यक्ष प्रभात साहू ने दिया इस्तीफा

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में जबलपुर में उत्तर मध्य सीट को लेकर बीते दिनों बवाल को शांत करने आये गृहमंत्री अमित शाह के दिल्ली पहुंचने से पहले भाजपा के नगर अध्यक्ष ने मामले के चलते संगठन के पद से गुड बॉय कर दिया। भले ही यहां पर उठी आग पर पानी डालकर उसे ठंडा करने का प्रयास पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह ने किया है लेकिन नगर अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद से त्याग पत्र होने से यह कहा जा रहा है कि आग की लपटें फिलहाल शांत होती नहीं दिख रही है।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी को चुनाव के ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, वे अब कार्यकर्ता के रुप में पार्टी का काम करते रहेगें। उन्होने रविवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए यह भी कहा कि पिछले दिनों भाजपा कार्यालय में जो तोडफ़ोड़ की गई है उससे मैं आहत हूं। उन्होने यह भी कहा कि जिन लोगों ने कार्यालय में तोडफ़ोड़ व गाली गलौज की उनपर कार्यवाही करने के बजाय अमित शाह से मिलवाया गया और घटनाक्रम का दोषी मुझे बना दिया गया।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रभात साहू ने आगे कहा कि वर्ष 1980 से भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा हूं, इन 43 वर्षो के सफर में कई उतार-चढ़ाव देखे है. पार्टी नेतृत्व में मुझे अध्यक्ष पद पर बिठाया इस दौरान मेरे खिलाफ लगातार साजिशें होती रही, माहौल बिगाडऩे की कोशिश की गई इसके बाद भी निरंतर पार्टी व संगठन के लिए काम करता रहा।

पिछले दिनों भाजपा संभागीय कार्यालय में जिस तरह से तोडफ़ोड़ हुई है, उसका दोषी मुझे ही बना दिया गया, जबकि

घटनाक्रम में मैने डैमेज को कंट्रोल करने के लिए हर संभव प्रयास किए, उस घटना से मेरा एक प्रतिशत भी लेना-देना नहीं था। श्री साहू ने बिना नाम लिए ही कहा कि पिछले दिनों भाजपा के संभागीय कार्यालय में भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व उत्तरमध्य से टिकट मांग रहे नेता के समर्थकों ने ही टिकट न मिलने पर भाजपा कार्यालय में गाली गलौज व तोडफ़ोड़ की, केंद्रीय मंत्री के गनमैन के साथ अभद्रता भी की। इसके बाद अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के बजाय केन्द्रीय गृहमंत्री से मुलाकात कराई गई।

प्रभात साहू के इस्तीफा देने का यह भी एक बड़ा कारण है। गौरतलब है कि प्रभात साहू को पार्टी नेतृत्व की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा, पिछले विधासभा चुनाव में भी प्रभात साहू को टिकट नहीं दिया गया, इसके बाद उन्हे यह उम्मीद थी इस बार संगठन द्वारा पश्चिम या उत्तर मध्य से प्रत्याशी बनाया जाएगा, ऐन वक्त पर पश्चिम से राकेश सिंह को टिकट दे दिया गया, इसके बाद उत्तर मध्य से अभिलाष पांडेय को प्रत्याशी के रुप में उतार दिया गया। इस घटनाक्रम से भी प्रभात साहू आहत हुए हैं। इसके बाद भाजपा कार्यालय में तोडफ़ोड़ व गालीगलौज की गई, उसका ठीकरा प्रभात साहू पर फोड़ा जा रहा है।

इस्तीफे के पीछे की खबर

सूत्रों के अनुसार शनिवार को गृहमंत्री समीक्षा बैठक को लेकर भाजपा कार्यालय में आये थे, इस दौरान उन्होंने पूर्व महापौर प्रभात साहू से कहा कि आप के रहते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और दूसरे नेताओं के खिलाफ पार्टी कार्यालय में कैसे इतना बड़ा विवाद हो गया। ऐसा कहा जा रहा है कि पूरे विवाद के लिये गृहमंत्री को पार्टी के दूसरे नेताओं जवाबदार के तौर पर प्रभात साहू को बताया है, जिसके बाद अमित शाह ने सख्त लहजे में प्रभात साहू से नाराजगी जाहिर की, इसी से आहत होकर नगर अध्यक्ष के इस्तीफे तक बात पहुंच गई। साहू ने पत्रकारो से चर्चा के दौरान इस बात पर अपनी पीड़ा व्यक्त की जो पूरे मामले में पर्दे के पीछे उत्पात मचा रहे थे, उनको कटघरे में खड़ा करने के बजाय उनको ही इस मामले का जवाबदार माना जा रहा है जो सही नही है।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री के बैग से बरामद हुये 9 लाख 70 हजार रुपए

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश भर में चुनावी माहौल को देखते हुये निर्वाचन आयोग ने पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी समेत अन्य सुरक्षा को संस्थानों को अलर्ट कर दिया है। जिसमें संदिग्धों की तलाशी की जा रही है।

इसी कड़ी में जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर-1 पर शनिवार की रात लगभग 9:30 बजे उस वक्त तमाशबीनों का हुजूम लग गया जब आरपीएफ स्टाफ ने एक यात्री को चारों तरफ से घेर लिया। जिसके पास लाखों रूपये बरामद किये है।

बैग खुलवाने पर जब उसके बैग से एक एक करके नोटों के बंडल निकलने लगे तब प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों की आंखें फटी की फटी रह गई। बहरहाल आरपीएफ ने नोटों की जब्ती बनाकर पूरा मामला

जीआरपी को सौंप दिया है। पकड़ी गई रकम आनंद सिंघई की बताई जा रही है, जो कि जबलपुर स्थित कमानिया गेट के बगल से स्टेशनरी दुकान के संचालक हैं।

आरोपित राजेश कुमार गर्ग ने आरपीएफ को बताया कि वह मार्केटिंग का काम करता है और बीते 20 से 22 वर्षो से आनंद सिंघई 770 कमानिया गेट जबलपुर के यहां काम करता है। उसने बताया कि दुकान की वसूली के लिए वह 25 अक्टूबर को कटनी में वसूली कर 26 अक्टूबर को बेढ़न, सीधी, ब्यौहारी का काम करके वापस आ रहा था। वसूली में मुझे 970000/-रुपये मिले थे जिसे लेकर मैं जबलपुर आ गया। बताया जाता है कि नोटों के बंडल में पांच सौ, दो सौ, 100 एवं 50 के नोटों के बंडल शामिल हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले में विधिवत जांच कर रही है।

एफआईआर दर्ज होते ही लाइन अटैच हुए टीआई गिरीश धुर्वे

युवती ने लगाया रेप का आरोप...

जबलपुर, देशबन्धु। सिहोरा थाना में पदस्थ रहे टीआई गिरीश धुर्वे के खिलाफ एक युवती की शिकायत पर रेप का प्रकरण दर्ज कर किया गया है। रेप प्रकरण दर्ज होने के बाद एसपी वीरेन्द्र जैन ने वर्तमान में मउगंज कोतवाली में पदस्थ गिरीश धुर्वे को लाइन अटैच कर दिया है। ताकि पीड़िता द्वारा की गई शिकायत पर जांच प्रभावित न हो सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सिहोरा थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती के भाई व भाभी के बीच विवाद हो गया था, जिसपर दहेज प्रताडऩा का मामला सामने आया। मामले में युवती ने टीआई गिरीश धुर्वे से मुलाकात की, जिसपर गिरीश धुर्वे ने युवती को मंशा अनुरुप कार्यवाही करने का भरोसा दिया। इसके बाद से गिरीश धुर्वे की युवती से बातचीत होने लगी। यहां तक कि गिरीश धुर्वे का युवती के घर आना-जाना भी शुरु हो गया।

इस दौरान गिरीश धुर्वे ने स्वयं को अविवाहित बताया और गोसलपुर के एक मंदिर में शादी कर ली। दोनों पति-पत्नी के रुप में रहने लगे। कुछ दिन बाद जब युवती को जानकारी लगी कि गिरीश धुर्वे पहले से ही शादीशुदा है, युवती ने गिरीश धुर्वे से बातचीत की तो उन्होंने बातचीत करना बंद दिया। इस आशय के आरोप लगाते हुए युवती ने टीआई गिरीश धुर्वे के खिलाफ शिकायत की, जिसपर श्री धुर्वे पर रेप का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। जिला मउगंज कोतवाली में पदस्थ गिरीश धुर्वे को एसपी वीरेन्द्र जैन ने लाइन अटैच कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने गिरीश धुर्वे के बेटे के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया है, उनपर आरोप है कि युवती को घर जाकर धमकी दी गई थी।

दलाली पर रोक लगाने आरक्षण केन्द्रों में टोकन प्रणाली लागू

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे के उच्च अधिकारियों द्वारा यात्रियों को अच्छी से अच्छी सुविधाऐं उपलब्ध कराए जाने के तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में दलाली प्रथा पर रोक लगाने आरक्षण केन्द्रों में अब तत्काल टिकट का आरक्षण टोकन प्रणाली से शुरु किया जा रहा है।

प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ओम प्रकाश ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक को निर्देश जारी किये हैं कि यात्रियों को तत्काल टिकट जारी किये जाने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजेश शर्मा ने मुख्य आरक्षण केन्द्र और मदनमहल आरक्षण केन्द्रों में तत्काल टिकट आरक्षण के लिए टोकन वितरण प्रणाली शुरू कर दी है। रविवार 29 अक्टूबर को टोकन सुबह 7.30 बजे वितरित किये गए । यह व्यवस्था 15 दिनों के लिए प्रारंभ की गई है।

इस व्यवस्था के लिए वाणिज्य विभाग के आशीष गुप्ता, विवेक तिवारी, रविकांत, सादिक खाान, एसपी खरे, एस शंकर, शैलेन्द्र उईके, एलसी केशरवानी, निशित खुराना ,मनीष सरकले, गौतम राय, सत्येन्द्र दुबे, मनीष कश्यप, संतोष ठोसर को टोकन वितरण के लिए पदस्थ किया गया है। यह निरीक्षक जबलपुर एवं मदनमहल आरक्षण केन्द्रों में तत्काल टिकट आरक्षण के लिए टोकन वितरित करेंगे।

रविवार को यह व्यवस्था प्रारंभ किए जाने पर मदनमहल में 7 टोकन द्वितीय श्रेणी की आरक्षित टिकट के लिए एवं एसी 2 टायर की टिकट के लिए जारी किये गए। इन केन्द्रों पर श्री शर्मा ने आरपीएफ और जीआरपी को भी पदस्थ कराया है। मदनमहल स्टेशन में 3 खिड़की एवं मुख्य स्टेशन में 5 खिड़कियों से टोकन प्रणाली से आरक्षण टिकट जारी की जा रही हैं।

यादव कालोनी निवासी सुनील यादव से 'देशबन्धु' प्रतिनिधि ने इस व्यवस्था के संबंध में पूछा तो उन्होंने व्यवस्था की सराहना करते हुए रेलवे प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे एक ओर जहां दलाली प्रथा पर रोक लगेगी वहीं जरूरतमंद यात्रियों को राष्ट्रीय त्यौहार दीपावली में आसानी से आरक्षण सुविधा उपलब्ध होगी। मदनमहल की साफ सफाई व्यवस्था पर भी यात्रियों ने संतोष जारी किया।

जनता थाली

कई सुपरफास्ट और यात्री ट्रेनों के आने के समय जनता थाली की कमी होती थी। इस संबंध में मजदूर राजाराम विश्वकर्मा से मुख्य स्टेशन में पूछा तो उसने बताया कि श्री साहनी के स्टाल में पर्याप्त मात्रा में खाना उपलब्ध है। यह कुशल प्रबंधन का ही परिणाम बताया जा रहा है।

प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ओम प्रकाश और मुख्य वाणिज्य प्रबंधक रविन्द्र श्रीवास्तव अपन मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार प्रदीप कुमार समय -समय पर निगरानी करते रहते है।

ग्वालियर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ट्रक में भरा 467 किलो गांजा पकड़ा, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर, देशबन्धु। ग्वालियर में क्राइम ब्रांच व थाना महाराजपुरा पुलिस ने गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर उड़ीसा से ट्रक में गांजा भरकर लाए चार अन्तर्राज्यीय तस्करों से 467 किलो से अधिक गांजा पकड़ा है। मामले में पुलिस ने मुख्य सरगना सहित चार तस्करों को लगभग पचास लाख का गांजा, ट्रक व स्कार्पियो सहित लक्ष्मनगढ़ पुल से पकड़ा है।

विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए ग्वालियर पुलिस द्वारा 27/28 अक्टूबर की देर रात पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को सूचना मिली कि कुछ गांजा तस्कर उड़ीसा से ट्रक में गांजा लेकर ग्वालियर की तरफ आ रहे हैं। एक स्कार्पियो भी ट्रक के साथ चल रही है, जिसमें बैठे लोग रोड पर पुलिस की उपस्थित से ट्रक चालक को अवगत कराते जाते हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने क्राइम ब्रांच व थाना महाराजपुरा पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर सूचना की तस्दीक कर गांजा तस्करों को पकड़ने के लिए निर्देशित किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशों पर क्राइम ब्रांच व थाना महाराजपुरा पुलिस की संयुक्त टीमों को मुखबिर के बताए स्थान लक्ष्मनगढ़ पुल के पास एबी रोड बाइपास ग्वालियर पर पुलिस की दो टीमें बनाकर चेकिंग प्रारम्भ की गई। पुलिस टीम को कुछ समय बाद मुखबिर के बताए अनुसार एक ट्रक क्रमांक एमपी-06 एचसी-1934 आता दिखा, जिसे पुलिस टीम द्वारा रोका गया तो ट्रक चला रहे चालक द्वारा मौके से भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम द्वारा भाग रहे ट्रक चालक को पकड़ लिया गया। नाम पता पूछने पर उसने स्वयं को ग्राम कुंदेर तहसील रूपवास थाना उच्चैन जिला भरतपुर राजस्थान का होना बताया। चालक ने बताया कि ट्रक व गांजे के मालिक मेरे पीछे काले रंग की स्कार्पियो क्रमांक यूपी-80 डीए-3757 से आ रहे हैं।

पुलिस की टीमों द्वारा दोबारा चेकिंग नाकाबंदी लगाई गई तो कुछ समय बाद एक काले रंग की स्कार्पियो आती दिखी, जिसने पुलिस चेकिंग को देखकर स्कार्पियो वापस लौटाने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम द्वारा स्कार्पियो को घेराबंदी कर पकड़ लिया। चेक करने पर स्कार्पियो में तीन लोग बैठे मिले, जिनसे नाम पता पूछने पर एक ने नर्सरी रोड गोविन्दनगर, थाना निहालगंज, धौलपुर राजस्थान, दूसरे ने सरोज बिहार कॉलोनी कैलाश मंदिर रोड सिकन्दरा आगरा तथा तीसरे व्यक्ति ने अपना पता ग्राम तोंस थाना जैत जिला मथुरा का रहने वाला बताया।

दोनों वाहनों को पुलिस टीम द्वारा बारीकी से चेक किया गया तो ट्रक की तलाशी लेने पर ड्राइवर द्वारा बताए गये केबिन के पीछे बने गोपनीय चैंबर में 65 पैकेट रखे होना पाए गए, जिसे ट्रक ड्राइवर द्वारा गांजा होना बताया। इसी प्रकार स्कार्पियो की तलाशी लेने पर गाड़ी की डिग्गी में 12 पैकेट रखे होना पाए गए। इस प्रकार दोनों वाहनों में पुलिस को कुल 77 गांजे से भरे हुए पैकेट मिले। प्रत्येक पैकेट की पृथक-पृथक तौल कराने पर कुल 467.23 किलोग्राम गांजा पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। पुलिस टीम द्वारा गांजा सहित ट्रक व स्कार्पियो को जब्त किया गया। पकड़े गए चार तस्करों में दो ड्राइवर हैं तथा एक गांजा सरगना पर थाना घाटीगांव में लूट का मामला वर्ष 2016 से दर्ज है, जिसमें वह फरार चल रहा था और उस पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पांच हजार रुपये का भी इनाम घोषित है। थाना महाराजपुरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये चार गांजा तस्करों से तस्करी में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान तक सप्लाई

पुलिस द्वारा पकड़े गये गांजा तस्करों से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि वह उड़ीसा से गांजा लेकर मध्यप्रदेश के ग्वालियर, मुरैना, भिण्ड, श्योपुर, राजस्थान के धौलपुर, करौली, भरतपुर, उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा, मैनपुरी, इटावा इत्यादि जिलों में सप्लाई की जाती थी।

खुरई में आबकारी विभाग ने 3.85 करोड़ की विदेशी शराब पकड़ी

एक बोतल की कीमत 22 से 25 हजार रुपये

सागर, देशबन्धु। खुरई विधानसभा के एमपी-यूपी की बॉर्डर पर स्थित अटा कर्नलगढ़ में आबकारी विभाग की टीम ने निर्वाचन एफएसटी की टीम के साथ मिलकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। विधानसभा चुनावों को लेकर चल रही कार्रवाई में खुरई आबकारी विभाग ने निर्वाचन की एफएसटी टीम के साथ मिलकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब पकड़ी। शराब की कीमत लगभग 3 करोड़ 85 लाख की बताई जा रही है। खुरई विधानसभा के एमपी-यूपी की बॉर्डर पर स्थित अटा कर्नलगढ़ में आबकारी विभाग की टीम ने निर्वाचन एफएसटी की टीम के साथ मिलकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है।

विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राज्य स्तरीय बॉर्डर पर चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। मुखबिर से मिली सूचना के बाद आबकारी विभाग की टीम एमपी यूपी की बॉर्डर पर स्थित अटा कर्नलगढ़ चैक पोस्ट पर पहुंची तो एक ट्रक में बड़ी मात्रा में विदेशी मदिरा जब्त की गई है।

आबकारी अधिकारी सियाराम चौधरी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली, इसके बाद पूरी टीम मौके पर पहुंची और एक ट्रक को रोका गया, जिसमें 641 पेटियां, 3325 लीटर कीमत 3 करोड़ 85 लाख की विदेशी शराब जब्त की गई है। विदेशी शराब जो दिल्ली से सिकंदराबाद जा रही थी। विदेशी शराब को खुरई आबकारी कार्यालय में लाया गया है और कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरुनी चोट, मोच-सूजन, माँसपेशियों में खिंचाव-लचकना पिंड़लियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक
५० मिली. मामजेसिक लिनिमेन्ट
Arthritis Sciatica Spondylitis Backache Muscular Pain Sprains Strains Headache Myositis
100% Ayurvedic PAIN KILL OIL Mamgesic Liniment
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत आवश्यक
चिपचिपाहट रहित
मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
व्यवसायिक पूछताछ
9826035091

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 92
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 102
छोटा ब्रॉयलर - रु. 112
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 116
मुर्गा मीडियम - रु. 106
मुर्गा बड़ा - रु. 96
मुर्गा जम्बो - रु. 96
मो.-9039925000, 9425800409

तेज रफ्तार वाहन पेड़ से टकराया, दो लोगों की मौके पर मौत, आठ घायल

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां छत्ता गांव में तेज रफ्तार वाहन पेड़ से टकरा गया। जिसमें दो लोगों की मौके पर मौत हो गई है, तो वहीं आठ लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार वाहन में 10 लोग सवार थे। ये सब सीधी जिले से कार्यक्रम से लौटकर पहाड़िया गांव जा रहे थे, तभी पहाड़िया गांव से महज दो किलोमीटर पहले छत्ता मेन रोड में वाहन पेड़ से टकरा गया। इस हादस में चालक व एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई है। इधर, पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि मृतक चालक जितेंद्र सिंह उम्र 22 वर्ष एवं सुखसेन सिंह उम्र 42 वर्ष की इस घटना में मौत हुई है। वहीं 8 लोग घायल हैं। घटना रात की है, सूचना लगते ही पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को वाहन से निकलवाया एवं घायलों को अस्पताल भिजवाया है। पुलिस ने मामले पर मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
12Th Fail 10:30 AM 01:30 PM 04:30 PM 07:30 PM 10:30 PM
Mujib The Making of Nation 10:45 PM
Mandali 11:00 AM
Tejas 10:15 AM 03:00 PM 05:30 PM 08:00 PM 10:30 PM
Ganapath 12:30 PM 06:00 PM
IN HINDI 10:00 AM 01:00 PM 04:00 PM 10:15 PM
Jawan 07:00 PM
Sajini Shinde ka Viral Video 03:45 PM 08:30 PM
Yaariyan 01:15 PM